शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 239 | गुवाहाटी | मंगलवार, 1 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस को पहले राभा समुदाय से माफी मांगनी चाहिए : दिलीप सैकिया पेज 3
वित्त मंत्री नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच पोर्टल आज करेंगी लांच पेज 4
प्रशांत किशोर अचानक पहुंचे जदयू नेता मुजाहिद आलम के आवास, चर्चाओं... पेज 5
सनातनी संस्कृति में समय मापने के लिए कई सम्वतों का उपयोग पेज 8

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुर्जनों के साथ भलाई करना सज्जनों के साथ बुराई करने के समान है।

-सादी

असम पंचायत चुनाव 2025

भाजपा, अगप मिलकर लड़ेंगे चुनाव

गुवाहाटी। एक महत्वपूर्ण घोषणा में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी असम गण परिषद (अगप) ने बताया है कि दोनों दलों ने आगामी असम पंचायत चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में दोनों दलों के नेताओं की बैठक के बाद इसकी पुष्टि की गई। भाजपा सांसद और राज्य पार्टी अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) असम में पंचायत चुनाव और 2026 के विधानसभा चुनाव दोनों के लिए एकजुट रहेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा गठबंधन पंचायत चुनाव एक साथ लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि समन्वय की देखरेख एक वरिष्ठ नेता द्वारा की जाएगी, जबकि जिला स्तर के पार्टी कार्यकर्ता चुनाव रणनीति बनाने में लगे रहेंगे। अगप अध्यक्ष और असम के मंत्री अतुल बोरा ने प्रतिबद्धता दोहराई और उन्होंने पंचायत चुनावों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले *सेमीफाइनल* करार दिया। इस बीच, इस महीने की शुरुआत में असम के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने असम के इतिहास और *छावा* के बीच समानताएं खींचीं

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार 31 मार्च को विक्की कौशल अभिनीत ऐतिहासिक नाटक छावा की प्रशंसा की, जिसमें मुगल सम्राट औरंगजेब के खिलाफ छत्रपति संभाजी महाराज के प्रतिरोध को दर्शाया गया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में शर्मा ने फिल्म के विषय-वस्तु को मुगल आक्रमणों के खिलाफ असम के प्रतिरोध के इतिहास से जोड़ा। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि 2025 की हिंदी फिल्म छावा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन का वर्णन करती है, जो औरंगजेब के दमनकारी शासन के खिलाफ उनकी अटूट अवज्ञा और अंतिम बलिदान पर प्रकाश डालती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असम भी इसी तरह की विरासत साझा करता है, तथा उन्होंने 1671 के शराइघाट युद्ध का उदाहरण दिया, जिसमें जनरल लचित बरफुकन ने मुगलों पर निर्णायक विजय के लिए अहोम साम्राज्य का नेतृत्व किया था। शर्मा ने बाहरी ताकतों के खिलाफ असम के लंबे समय से चले आ रहे प्रतिरोध के बारे में विस्तार से बताया, उन्होंने अहोम की जीत का हवाला दिया जिसने इस क्षेत्र में मुगल विस्तार को रोक दिया। उन्होंने विद्रोह के एक पुराने उदाहरण को भी याद किया जब कामरूप के महाराजा पृथु ने तुर्की आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी को खदेड़ -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ पर भ्रम न फैलाएं, तार्किक बहस करें : रिजिजू

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल, संगठन और समूह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें इससे बाज आना चाहिए। उन्होंने अपील की कि सरकार इस विधेयक को संसद में लाने जा रही है और विपक्ष से अनुरोध है कि इसपर तार्किक बहस की जाए। वक्फ संशोधन विधेयक पर पत्रकार वार्ता कर -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम डॉ. शर्मा ने विश्वनाथ घाट पर रोपवे की आधारशिला रखी

विश्वनाथ। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार, 31 मार्च को बिश्वनाथ घाट को उमातुमुनि नदी द्वीप से जोड़ने वाले रोपवे की आधारशिला रखी। *गुप्त काशी* के नाम से मशहूर बिश्वनाथ घाट एक प्रमुख तीर्थ स्थल है, लेकिन उमातुमुनि तक पहुंच फिलहाल नावों तक ही सीमित है, जिससे जोखिम बना हुआ है। 300 यात्रियों प्रति घंटे की क्षमता वाला यह 446 मीटर लंबा रोपवे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुरक्षित और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगा। यह परियोजना 24 महीनों में पूरी होगी, जिसका बजट 58.81 करोड़ रुपए होगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन को आसान बनाया जा सकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

भृगु कुमार फुकन की बेटी ने दूसरी मंजिल से लगाई छलांग, मौत

गुवाहाटी। असम के पूर्व गृह मंत्री भृगु कुमार फुकन की इकलौती बेटी ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने जानकारी दी है कि घर की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या की है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। भृगु कुमार फुकन का निधन साल 2006 में हो चुका है। उनकी 28 वर्षीय बेटी अपनी मां के साथ रहती थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उपासना फुकन (28) ने रविवार को गुवाहाटी के खरघुली इलाके में अपने घर की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। यहां वे अपनी मां के साथ रहती थी। घटना के बाद तुरंत उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने -शेष पृष्ठ दो पर

होजाई में युवक को गैंग ने बेरहमी से पीटा

होजाई। असम के होजाई जिले के बिलबागान में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एचपी पेट्रोल पंप के बाहर कल रात करीब डेढ़ बजे एक भयावह घटना घटी, जब एक व्यक्ति पर अचानक हमला किया गया। एक गिरोह के सात-आठ हमलावरों ने बिना किसी विशेष कारण के एक व्यक्ति पर बेरहमी से हमला किया, उसे औजारों से पीटा तथा उसके साथ जबरदस्ती की। बदमाशों ने युवक को सड़क पर खींचने के लिए बल प्रयोग किया और उसे लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। पीड़ित युवक की पहचान नवाज उद्दीन के रूप में हुई है, जो हमलावरों के लिए आसान लक्ष्य बन गया था। उसकी जान लेने की कोशिश में गिरोह ने उसे -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल प्रदेश में 3.5 तीव्रता का हल्का भूकंप

इटानगर (हि.स.)। चीन और म्यांमार की सीमा से लगे पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले और आसपास के इलाकों में सोमवार को अपराह्न 2 बजकर 38 मिनट पर हल्का भूकंप आया। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गयी। हालांकि, भूकंप से किसी के हताहत होने या अन्य क्षति की कोई खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी विज्ञान केंद्र द्वारा जारी सूचना के अनुसार, सोमवार को 2.38 बजे आए भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 28.88 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 94.34 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर स्थित था। पड़ोसी देश म्यांमार में पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं, राज्य के दो लोग घायल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। 30 मार्च को नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास एसएमवीटी बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से असम के दो व्यक्ति घायल हो गए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पुष्टि की कि असम से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने ट्रेन 12551 से जुड़ी घटना पर अपडेट देते हुए बताया कि दो घायल व्यक्तियों का अभी इलाज चल रहा है और वे खतरे से बाहर हैं। घायल व्यक्तियों में उदालगुड़ी के विल्सन डिगल और बक्सा के अमीरन निशा शामिल हैं। एसएमवीटी बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गई, जिसके परिणामस्वरूप एक यात्री -शेष पृष्ठ दो पर

परिवहन प्रणाली का डिजिटलीकरण, स्वचालन से 34 लाख लोग लाभान्वित : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में परिवहन प्रणाली के डिजिटलीकरण और स्वचालन की दिशा में शानदार कार्य हो रहा है, जिससे अब तक 34 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए कहा कि राज्य में इस दौरान 56 संपर्करहित परिवहन सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। इसी कड़ी में सोमवार को विश्वनाथ जिले में एक अत्याधुनिक पूर्ण स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह केंद्र एशिया में एपल्स कंपनी द्वारा स्थापित पहला ऐसा केंद्र है, जहां वाहन मालिक बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत उन्हें डीटीओ कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

ईद : देशभर के प्रमुख मस्जिदों में की गई नमाज अदा

नई दिल्ली (हि.स.)। देशभर में आज ईद का त्योहार परंपरागत तरीके से धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। लोग एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दे रहे हैं। ईद-उल-फितर के मौके पर सुबह प्रमुख मस्जिदों में नमाज अदा कर मुल्क में अमन और शांति के लिए दुआ मांगी गई। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की जामा मस्जिद, फतेहपुरी मस्जिद, भोपाल की ईदगाह मस्जिद, पटना के गांधी मैदान, हैदराबाद, लखनऊ, बेंगलुरु, मुंबई और अन्य शहरों और कस्बों में लोगों ने सुबह ईद की नमाज अदा की। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और नोएडा में लगभग सभी मस्जिदों के बाहर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में हिंसा का कारण अवैध प्रवासन और नशे की समस्या : पूर्व सीएम

इंफाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि राज्य में जारी हिंसा का मुख्य कारण अवैध प्रवासन, नशे की समस्या और जंगलों का विनाश है। उन्होंने यह बयान सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दिया। इस दौरान उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा पर भी निशाना साधते हुए पूछा कि क्या उन्हें मणिपुर में अवैध गांवों की बढ़ती संख्या की जानकारी है? मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी है, जिसमें अब तक 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस बीच, राज्य में बीजेपी नेतृत्व में बदलाव की मांग के कारण नौ फरवरी को एन. बीरेन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 13 फरवरी को केंद्र सरकार ने मणिपुर -शेष पृष्ठ दो पर

अप्रैल से जून तक देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की संभावना

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के अधिकांश हिस्सों में अप्रैल से जून के महीने में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। सोमवार को मौसम विभाग कि आने वाले तीन महीनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेंगे और हीटवेब वाले दिनों की संख्या कई क्षेत्रों में 7 से 10 दिनों तक जा सकती है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित प्रेसवार्ता में बताया अप्रैल से जून के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। हालांकि पश्चिमी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों और पूर्व-मध्य और पूर्वी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। उन्होंने अप्रैल के महीने के मौसम के पूर्वानुमान बताते हुए कहा कि देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय सुदूर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों के, जहां अधिकतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। -शेष पृष्ठ दो पर

कॉटन विश्वविद्यालय में बोडोफा यूएन ब्रह्म स्मारक व्याख्यान संपन्न

बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म का राष्ट्र के प्रति एक महान योगदान है : प्रमोद बोड़ो

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय के कलागुरु विष्णुप्रसाद राभा सभागृह में बोडोलैंड टेरिटोरिल रीजन (बीटीआर) प्रशासन के तत्वावधान और असम सरकार के शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रथम *बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म स्मारक व्याख्यान* का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि बोडो समुदाय के पितृ-पुरुष माने जाने वाले उपेंद्रनाथ ब्रह्म की जयंती 31 मार्च को *छात्र दिवस* के रूप में मनाने की घोषणा सरकार ने पिछले वर्ष की थी। कॉटन विश्वविद्यालय के सहायक कुलपति गणेश वारी के स्वागत भाषण के बाद, असम के शिक्षामंत्री डॉ. रणोज पेगु ने मुख्य अतिथि के रूप में बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म के साथ अपने कॉटन कॉलेज के छात्र जीवन के अनुभव को भावनात्मक रूप से साझा किया। उन्होंने कहा कि बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म ने हिंसा का समर्थन नहीं किया। वे केवल बोडो समुदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण असम के थे। उनकी विचारधारा हमें कई समस्याओं के समाधान में सहायता कर सकती है। विविधता को अपनाते हुए असम के कोने-कोने में बोडोफा की जयंती *छात्र दिवस* के रूप में मनाई जानी चाहिए। बोडोलैंड टेरिटोरिल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोडो ने *बोडोलैंड का रूपांतरण और भविष्य की योजनाएं* विषय पर व्याख्यान देते हुए बोडोफा के जीवन दर्शन और समुदाय के प्रति उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि एक गरीब परिवार में जन्म लेकर उन्होंने किस प्रकार अपने समुदाय के लिए संघर्ष किया और आंदोलन को सफल बनाया, यह प्रेरणादायक है। उन्होंने बीटीआर के सभी समुदायों की भाषा-संस्कृति के संरक्षण हेतु 20 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने यूएनबी ट्रस्ट, यूएन एकेडमी का जिक्र करते हुए तेजपुर विश्वविद्यालय में बोडोफा के नाम पर एक शोध पीठ स्थापित करने की बात कही। तेजपुर विश्वविद्यालय के 10 शोधार्थियों को फेलोशिप प्रदान करने और बीटीआर में *बोडोफा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ पीस* स्थापित करने की भी घोषणा की, जहां देश-विदेश के छात्र अध्ययन कर सकेंगे। इस अवसर पर शिक्षामंत्री डॉ. रणोज पेगु, बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोडो, बोडो कछारी काउंसिल के उपमुख्य कार्यकारी रोमियो पी नार्जारी, अध्यक्ष अनिल बोडो, नगालैंड -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीएम ने दीं ईद-उल फितर की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ईद-उल-फितर के अवसर पर इस्लाम धर्मावलंबियों समेत समस्त असमवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह पवित्र उत्सव सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में आशा व्यक्त की कि यह त्योहार समाज में सौहार्द और भाईचारे को और मजबूत करेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से मिल-जुलकर त्योहार मनाने और एकता के संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

बशिष्ठ पुलिस ने दो झपटमारों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की बशिष्ठ थाना पुलिस ने दो आदतन झपटमारों किशोर मेधी उर्फ चिंटू (46) और आमिर अली (37) को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त स्कूटी (एएस- 01एफएन- 9641) भी जब्त कर ली है। पूछताछ के दौरान दोनों ने गुवाहाटी शहर में कई स्नैचिंग घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की। उन्होंने बताया कि छीनी गई सोने की चेन जलपाईगुड़ी निवासी दीपांकर कर्मकार उर्फ बाबू (42) को सौंपी जाती थी।

नई शिक्षा नीति को लेकर सोनिया गांधी का केंद्र पर हमला, कहा-

शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त हो

नई दिल्ली। तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति में हिंदी थोपने के लेकर छिड़े विवाद के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नई शिक्षा नीति का मुख्य एजेंडा सत्ता का केंद्रीकरण, व्यावसायीकरण, निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण करना है। सोनिया गांधी ने कहा कि ये तीन *सी* आज भारतीय शिक्षा को बिगाड़ रहे हैं। एक अखबार में प्रकाशित लेख *द उसी दैट हॉन्ट इंडियन एजुकेशन टुडे* में सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। पिछले दशक में केंद्र सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में वह केवल तीन मुख्य एजेंडों के कार्यान्वयन को लेकर चिंतित है। इसमें पहला केंद्र सरकार के पास सत्ता का केंद्रीकरण; शिक्षा में निवेश का व्यावसायीकरण और निजी क्षेत्र को आउटसोर्सिंग तथा पाठ्यपुस्तकों, पाठ्यक्रम और संस्थानों का सांप्रदायिकरण। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 11 साल में केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली की पहचान अनियंत्रित केंद्रीकरण रही है, लेकिन इसके सबसे हानिकारक परिणाम शिक्षा के क्षेत्र में हुए हैं। केंद्र और राज्य के शिक्षा मंत्रियों वाले केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की सितंबर 2019 से कोई बैठक नहीं हुई है। एनईपी 2020 से शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन को अपनाने और लागू करने के बावजूद सरकार ने एक बार भी नीतियों के कार्यान्वयन को लेकर राज्य सरकारों से परामर्श करना उचित नहीं समझा। सोनिया गांधी ने लेख में दावा किया कि सरकार अपनी आवाज के अलावा किसी अन्य की आवाज पर ध्यान नहीं देती। यहां तक कि उस विषय पर भी नहीं जो भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में है। संवाद की कमी के साथ-साथ धमकाने की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत मिलने वाले अनुदान को रोककर राज्य सरकारों को मॉडल स्कूलों की पीएम-एसएचआरआई (या पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लागू करने के लिए मजबूर करना, यह सरकार द्वारा किए गए सबसे शर्मनाक कामों में से एक है। सोनिया गांधी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 2025 के दिशानिर्देशों के मसौदे को भी कठिन बताया। उन्होंने दावा किया कि इसमें राज्य सरकारों को उनके द्वारा स्थापित, वित्तपोषित और संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से पूरी तरह बाहर रखा गया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने स्वयं को राज्यपालों के माध्यम से राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के चयन में लगभग एकाधिकार शक्ति दे दी है। यह समवर्ती सूची के विषय को केंद्र सरकार के एकमात्र अधिकार में बदलने का प्रयास है और आज के समय में संघवाद के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में शिक्षा प्रणाली का व्यावसायीकरण खुलेआम हो रहा है। देश के गरीबों को सार्वजनिक शिक्षा से बाहर कर दिया गया है। उन्हें अत्यधिक महंगी तथा अनियमित निजी स्कूल प्रणाली के हाथों में धकेल दिया गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पूर्ववर्ती ब्लॉक अनुदान प्रणाली के स्थान पर उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) की शुरुआत की है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार का तीसरा जोर सांप्रदायिकरण पर है। वह शिक्षा प्रणाली के माध्यम से नफरत फैलाने और उसे बढ़ावा दे रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रम की रीढ़ राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों में भारतीय इतिहास से छेड़छाड़ करने के इरादे से बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की हत्या और मुगल भारत से संबंधित खंडों को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को भी पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया, जब तक कि जनता के विरोध के कारण सरकार को एक बार फिर इसे अनिवार्य रूप से शामिल करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ा।

ट्रंप की धमकी पर ईरान ने कहा-

जवाब देने के लिए मिसाइलें तैयार

तेहरान (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से तनाव के बीच कहा कि ईरान के परमाणु समझौता न करने पर बमबारी की जाएगी। साथ ही ट्रंप ने ईरान पर द्वितीयक टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कठोरता के साथ देश के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत करने से इनकार करके कहा है कि किसी भी तरह का जवाब देने के लिए उनकी मिसाइलें तैयार हैं। अल जजीरा न्यूज चैनल और तेहरान टाइम्स की खबर के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि ईरान परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के साथ सीधी बातचीत नहीं करेगा। अलबत्ता वह अप्रत्यक्ष वार्ता कर सकता है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर तेहरान वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता है, तो बमबारी और द्वितीयक टैरिफ का सामना करने के लिए तैयार रहे। तेहरान में रविवार को कैबिनेट की बैठक में पेजेशकियन ने कहा कि हमने ओमान के माध्यम से अमेरिकी राष्ट्रपति के पत्र का जवाब दिया है। पत्र में सीधी बातचीत के विकल्प को खारिज करके कहा गया है कि हम अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए तैयार हैं। उधर, ट्रंप की बढ़ती धमकियों के बीच ईरान ने संभावित प्रतिक्रिया के लिए मिसाइलें तैयार कर ली हैं। ईरान की सेना ने कहा कि उसकी मिसाइलें सभी भूमिगत मिसाइल शहरों में लॉन्चरों पर लोड की गई हैं और वे लॉन्च के लिए तैयार हैं। ट्रंप अगर कुछ भी कदम उठाते हैं, तो अमेरिका और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिला मुख्यालय शहर मंगलदोई के समीप आज सुबह दो बाइक (एएस-13जी-7937 और एएस-13आर-3830) के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सोमवार को दो बाइक के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में दो युवकों सुकुर अली और जमीर अली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक किताब अली और निसिरूद्दीन अली गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों को उन्नत चिकित्सा के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दुर्घटना में घायल हुए दोनों युवकों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं पुलिस सड़क दुर्घटना में मारे गए दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। ईद के दिन दो लोगों की मौत के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

संदिग्ध अवस्था में चालक का शव बरामद

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के तेजपुर में सोमवार को संदिग्ध अवस्था में डंपर चालक का शव बरामद किए जान के बाद ईद के दिन मृतक रहमान अली के घर में मातम छा गया। मृतक रहमान अली के परिजनों ने बताया कि बीती रात को एक फोन कॉल आने के बाद रहमत रंगापानी स्थित अपने घर से निकला था। जिसका शव संदिग्ध अवस्था में सोमवार की सुबह बरामद किया गया। परिजनों ने रहमान अली की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत चालक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ईद पर विश्वनाथ की नगरी में बही सौहार्द की बयार, नमाजियों पर हुई पुष्पवर्षा

वाराणसी (हि.स.)। श्री काशी विश्वनाथ की नगरी में सोमवार को उल्लास और भाईचारे के साथ ईद-उल-फितर (ईद) का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। खुशनुमा पल यह रहे कि जहां प्रदेश के कुछ जिलों में हंगामे की खबर आईं, वहीं काशी में सौहार्द की बयार वही। जब मस्जिद से ईद की नमाज पढ़ कर लौट रहे लोगों पर सनातनी युवकों ने गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई। इससे आल्हादित नमाजियों ने पुष्पवर्षा करने वाले युवकों को आगे बढ़ कर गले लगाया और ईद की मुबारकबाद दी। इससे ईद के पर्व पर गंगा जमुनी तहजीब के साथ भाईचारे और खुशियों का रंग गाढ़ा दिखा। खास बात यह है कि महादेव की नगरी में मुस्लिम युवा भी सावन माह के सोमवार और महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों के उपर पुष्पवर्षा कर उनकी अगवानी करते हैं। शहर के मस्जिदों और ईदगाहों में अकीदत के साथ मुस्लिम बंधुओं ने कड़ी सुरक्षा के बीच ईद की नमाज अदा की। खुदा की बारगाह में अपने और अपने परिवार के साथ देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिले। सुबह से ही लोग स्नान कर, नए कपड़े पहन और इत्र की खुशबू बिखेरते हुए नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों की ओर रवाना हो गए थे। बच्चों और युवाओं का उत्साह पर्व पर देखते बन रहा था। जिले के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 6:30 बजे से 10:30 बजे के बीच ईद की नमाज पढ़ी गई। सबसे अंत में नई सड़क स्थित मस्जिद लंगड़े हाफिज में ईद की नमाज अदा की गई। इसके अलावा नगर के ईदगाह लल्लापुरा, फातमान, लोहता और चौखंभा स्थित आलमगीर मस्जिद, ज्ञानवापी, मस्जिद खजूर वाली नई सड़क, काशी विद्यापीठ स्थित ईदगाह में भी नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारियों ने भी नमाजियों को गले मिलकर ईद की बधाई दी। बच्चे पुलिस अधिकारियों को ईद की शुभकामनाएं देते रहे और अधिकारी उन्हें गोद में उठाकर स्नेह लुटाते रहे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मिठाईयां और पकवानों का आदान-प्रदान किया। बच्चों ने खिलौने और गुब्बारे खरीदे, जबकि घरों में बने स्वादिष्ट पकवानों और सेवइयों का लुत्फ उठाया गया। रिश्तेदारों, दोस्तों और शुभचिंतकों को दावत के लिए आमंत्रित किया गया। ईद के इस खास मौके पर परिवार और दोस्तों के बीच ईदी का आदान-प्रदान हुआ। बहनों और बेटियों को सेवइयों, कपड़ों के साथ-साथ कुछ ने तो खास तोहफे जैसे वाहन, फ्रिज, एसी और मोबाइल भी दिए।

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा, अगप मिलकर ...

कुमार दास ने घोषणा की कि राज्य में पंचायत चुनाव अप्रैल महीने में कराए जाएंगे। उन्होंने असम राज्य चुनाव आयोग से जल्द से जल्द चुनाव की तारीखों की घोषणा करने का आग्रह किया। दास ने कहा कि हमारी सरकार पंचायत चुनाव के लिए तैयार है और हम असम राज्य चुनाव आयोग से आग्रह करते हैं कि वह जल्द से जल्द तारीखों की घोषणा करे। अगर चुनाव की तारीखें 3 अप्रैल तय होती हैं तो चुनाव प्रक्रिया 3 मई तक पूरी हो जाएगी। अगर तारीखों की घोषणा 4, 5 या 6 अप्रैल को होती है तो चुनाव 4, 5 या 6 मई तक खत्म हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने असम ...

दिया था, जिसने पहले नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया था। लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित, छावा में रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म विक्की कौशल की सबसे अधिक कमाई करने वाली रिलीज बन गई है, जिसने उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक और राजी जैसी उनकी पिछली हिट फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म का प्रभाव बॉक्स ऑफिस से आगे भी फैला है, जिसकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रशंसा की है। नई दिल्ली में 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के सिनेमाई योगदान को स्वीकार किया और संभाजी महाराज की विरासत को सामने लाने के लिए छावा की सराहना की। उन्होंने मराठी लेखक शिवाजी सावंत के उपन्यास छावा को भी फिल्म के लिए प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण स्रोत बताया। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए, विक्की कौशल ने इंस्टाग्राम पर मोदी की टिप्पणियों को साझा करते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि शब्दों से परे सम्मानित महसूस कर रहा हूं! माननीय पीएम नरेंद्र मोदी जी का आभारी हूं।

वक्फ पर भ्रम न ...

मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है लेकिन झूठ नहीं फैलाया जाना चाहिए। विधेयक के बारे में तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं। इसे असंवैधानिक बताया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इससे मुसलमानों की जमीन छीन ली जाएगी। इस तरह के झूठ देश और समाज के लिए नुकसान दायक हैं। इसी तरह का झूठ सीएए के दौरान भी फैलाया गया था। हमें गर्व होना चाहिए कि इस देश में अल्पसंख्यक सबसे ज्यादा सुरक्षित और स्वतंत्र हैं। रिजिजू ने कहा कि वक्फ विधेयक व्यापक विचार-विमर्श हुआ है। इसपर संयुक्त संसदीय समिति ने भी परामर्श प्रक्रिया और लोकतांत्रिक ढंग से सभी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हुए विधेयक तैयार किया है। वे सभी राजनीतिक दलों से विधेयक पर होने वाली चर्चा में भाग लेने का अनुरोध करते हैं। कृपया इस मामले में गुमराह न करें।

सीएम डॉ. शर्मा ने ...

इसका डिजाइन और मॉडल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा विकसित किया गया है। इस बीच, मुख्यमंत्री शर्मा ने सिलचर के एसएम देव सिविल अस्पताल में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी, जो क्षेत्र की स्वास्थ्य देखभाल क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। यह नई सुविधा 6,335 वर्ग मीटर में फैली होगी, जिसे ग्राउंड-प्लस-चार मंजिला संरचना के रूप में डिजाइन किया गया है और इसमें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू), ऑपरेशन थियेटर, आइसोलेशन वार्ड और बाल चिकित्सा देखभाल इकाई सहित आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 24 करोड़ रुपए है। अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने सिलचर में एक नए सर्किट हाउस के निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया और इस बात पर बल दिया कि ये विकास कार्य क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे की समग्र बेहतरी में योगदान देंगे।

कामाख्या एक्सप्रेस दुर्घटना ...

की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। बेंगलुरु से असम के गुवाहाटी के कामाख्या जा रही ट्रेन सुबह करीब 11:54 बजे मंगुली के पास पटरी से उतर गई, जिससे 11 डिब्बे प्रभावित हुए। बचाव दल और वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए। जिला मजिस्ट्रेट दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और आश्वासन दिया कि घायल यात्रियों को उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए भेजा जा रहा है।

ईद : देशभर के ...

किए हैं। हरियाणा गुरुग्राम जिले में भी ईद का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया जा रहा है। दिल्ली की जामा मस्जिद में सुबह 6:45 बजे और फतेहपुरी मस्जिद में 7:30 बजे नमाज अदा की गई। इस दौरान बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले में पूर्व वादी इकबाल अंसारी ने अयोध्या में कहा कि आज का दिन ईद का है। और इसे ईद मिलन कहा जाता है। ईद के त्योहार की हिंदू और मुसलमान दोनों ही एक साथ खुशियां मानते हैं। आज का दिन सभी के लिए शुभ है। हिंदुओं के लिए भी क्योंकि नवरात्रि भी चल रही है। कहीं कोई भेदभाव नहीं है। दिल्ली की फतेहपुरी मस्जिद के इमाम मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने कल देरशाम अलग-अलग जगहों पर ईद का चांद दिखने का एलान किया था। उन्होंने घोषणा की थी कि रमजान महीने की समाप्ति के साथ सोमवार को देशभर में ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा।

मणिपुर में हिंसा का ...

में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया। पूर्व सीएम एन. बीरेन सिंह ने कहा कि यह संकट पूरी तरह राजनीतिक नहीं है। यह नशे की लत, अवैध प्रवासन, जंगलों के विनाश और कुछ गुटों की तरफ से सत्ता हासिल करने की साजिश का नतीजा है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. सांग्मा ने कभी पूर्वोत्तर को जातीय आधार पर छोटे राज्यों में बांटने की वकालत की थी, जो देश की एकता के लिए खतरा था। पूर्व सीएम ने कहा कि मणिपुर में जो संकट चल रहा है, उसमें बाहरी हस्तक्षेप नहीं हुआ था। लेकिन अब कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए हमारे राज्य की आंतरिक समस्याओं में दखल दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कई समुदाय अब सीमा सुरक्षा और अवैध प्रवासन पर गंभीरता से ध्यान देने लगे हैं। मणिपुर के हालात से सबक लेना चाहिए, न कि इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर में 32 स्वदेशी जनजातियां रहती हैं, जिनकी पहचान, संस्कृति और जीवनशैली की रक्षा जरूरी है। कृपया अवैध प्रवासियों का समर्थन न करें और मणिपुर की नाजुक सामाजिक संरचना से छेड़छाड़ न करें। मणिपुर के लोगों ने बहुत कुछ सहा है। हमें शांति से जीने दें। बीरेन सिंह ने कहा कि इनर लाइन परमिट लागू होने से मणिपुर में सकारात्मक बदलाव आ रहा था, लेकिन कुछ लोगों को यह रास नहीं आया और उन्होंने हिंसा भड़काई। उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा को संबोधित करते हुए कहा कि श्री सांग्मा को समझना चाहिए कि यह हिंसा स्वत:स्फूर्त नहीं थी, बल्कि इसे उन लोगों ने भड़काया जो बदलाव से डर गए थे।

अप्रैल से जून तक...

जहां उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ अलग-अलग हिस्सों को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, वहीं अप्रैल 2025 के दौरान सामान्य से कम न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। महापात्रा ने बताया कि अप्रैल से जून महीने के गर्म मौसम के दौरान उत्तर और पूर्वी प्रायद्वीप, मध्य भारत, पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक हीटवेव वाले दिन रहने की संभावना है। अप्रैल 2025 के दौरान प्रायद्वीपीय भारत से सटे पूर्वी और मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक हीटवेव वाले दिन रहने की संभावना है। अप्रैल के दौरान पूरे देश में औसतन बारिश सामान्य रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत, प्रायद्वीपीय भारत, पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम-मध्य भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म...

विश्वविद्यालय के कुलपति समुद्रगुप्त कश्यप, कॉटन विश्वविद्यालय के कुलपति रमेश चंद्र डेका, प्राग न्यूज के एडिटर-इन-चीफ प्रशांत राजगुरु, तेजपुर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार बीरेन दास, शिक्षा विभाग के सचिव नारायण कोंवर, अखिल बोडो छात्र संघ के सहायक महासचिव दिनेश ब्रह्म, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य सजल सिंह, बोडो साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष तरेन बोडो, पूर्व उपाध्यक्ष कमलकांत मुसाहारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भृगु कुमार फुकन की ...

उपासना को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि वह लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थी। उपासना का इलाज भी चल रहा था। पुलिस के मुताबिक उपासना ने पहले भी खुदकुशी की कोशिश की थी। मगर इस बार मां घर के काम में व्यस्त थी। मौका देखते ही उपासना ने दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उपासना के पिता भृगु कुमार फुकन 1985 में असम गण परिषद (अगप) की पहली सरकार में गृह मंत्री बने थे। भृगु कुमार फुकन असम समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों में भी शामिल थे। असम के कृषि मंत्री और अगप अध्यक्ष अतुल बोरा ने एक्स पर लिखा कि मैं ऐतिहासिक असम आंदोलन के प्रमुख नेता और असम के पूर्व गृह मंत्री दिवंगत भृगु कुमार फुकन की बेटी उपासना फुकन के असामयिक और दुर्भाग्यपूर्ण निधन से बहुत दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। ओम शांति!

होजाई में युवक ...

चलती ट्रक के सामने फेंक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने सही समय पर हस्तक्षेप कर पीड़ित की जान बचाई। बताया जा रहा है कि इस हमले की साजिश अबुल हुसैन नाम के एक संदिग्ध और उसके साथियों बिलाल उद्दीन और शमसुद्दीन ने रची थी। हालांकि गिरोह के बाकी सदस्यों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जांचकर्ताओं ने कहा है कि सभी सबूतों से पता चलता है कि वे लंका से आए थे। इस बीच, इस महीने की शुरुआत में री-भोई पुलिस ने मेघालय के उमरोई हवाई अड्डे के पास एक महिला हवाई अड्डा कर्मचारी की कथित तौर पर पिटाई करने के आरोप में 21 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। डोंगरुदवाह, नोनग्राह, उमरोई निवासी आरोपी किर्शनलांग मार्नगर ने 27 वर्षीय एलाना लिंगदोह मावफलांग पर उस समय हमला किया जब वह काम पर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि मार्नगर ने एयरपोर्ट की ओर जाने वाली सड़क पर पीड़िता पर बीयर की टूटी बोतल और पत्थर से हमला किया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों ने तत्काल हस्तक्षेप किया।

अरुणाचल प्रदेश में ...

दिनों आए दो शक्तिशाली भूकंप के बाद से पूर्वोत्तर के राज्यों में हल्के भूकंप के झटके महसूस किये जा रहे है, जिसके चलते स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

कछार में भीषण भूस्खलन, एक ही परिवार के चार लोग घायल

कछार (हिंस)। कछार जिले के धलाई अंतर्गत राजगोविंदपुर में हुए भीषण भूस्खलन में एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात करीब 12 बजे के बाद स्थानीय निवासी महेश दास के घर पर पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा गिर पड़ा। इसके कारण घर में मौजूद परिवार के चार सदस्य मलबे में दब गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला। सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों को संदेह है कि पहाड़ी की अवैज्ञानिक ढंग से कटाई के कारण यह भूस्खलन हुआ।

मंडल अनुसूचित मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष के निधन पर दिलीप सैकिया ने जताया शोक

गुवाहाटी (हिसं)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने भारतीय जनता पार्टी, लखीमपुर जिला समिति के तहत तेलाही मंडल के अनुसूचित मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष, बूथ के पूर्व अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख एवं 131 नंबर बूथ के *मन की बात* प्रमुख, रमेन दास के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया है। *मन की बात* सुनते समय हुई उनकी मृत्यु को पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

कैथोलिक बिशप्स कांफ्रेंस ऑफ इंडिया ने किया वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन

नई दिल्ली (हि.स.)। कैथोलिक बिशप्स कांफ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) ने वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है और जनप्रतिनिधियों को भी इससे पैदा हो रहे जमीन विवादों के स्थायी समाधान के तौर पर इसे स्वीकार करने की अपील की है। ईसाई धर्मावलंबियों की संस्था ने संविधान में दी गई गारंटी के तहत धार्मिक अल्पसंख्यकों के तौर पर उनके अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। सीबीसीआई ने सोमवार को एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यह एक वास्तविकता है कि मौजूदा केंद्रीय वक्फ अधिनियम में कुछ प्रावधान संविधान और देश के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ असंगत हैं। उदाहरण देते हुए अल्पसंख्यक इसाईयों की इस संस्था ने कहा कि केरल में वक्फ बोर्ड ने मुनंबम क्षेत्र में 600 से अधिक परिवारों की पैतृक आवासीय संपत्तियों को वक्फ भूमि घोषित करने के लिए इन प्रावधानों का इस्तेमाल किया है। पिछले तीन वर्षों में मुद्दा एक जटिल कानूनी विवाद में बदल गया है। केवल एक कानूनी संशोधन ही इसका स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है। सीबीसीआई ने अपील की है कि वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पेश किया जाना है और राजनीतिक दलों तथा विधायकों से इस मुद्दे पर निष्पक्ष और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। मुनंबम के लोगों को भूमि का सही स्वामित्व पूरी तरह से बहाल किया जाना चाहिए। भारतीय संविधान के सिद्धांतों का खंडन करने वाले किसी भी प्रावधान या कानून में संशोधन किया जाना चाहिए। साथ ही, संविधान द्वारा गारंटीकृत धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

कांग्रेस को पहले राभा समुदाय से माफी मांगनी चाहिए : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिसं)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद (आरएचएसी) को विकसित और सुरक्षित बनाने के लिए हमेशा समर्थन किया है। इस बार, पहली बार राभा हासोंग क्षेत्र में रहने वाली सभी जाति-जनजाति के लोगों को उम्मीदवार बनने का मौका दिया गया है। भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि कांग्रेस द्वारा फैलाए गए भेदभाव को खत्म कर सद्भाव और एकता के साथ एक समृद्ध राभा हासोंग का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस को 1995 में राभा समुदाय के 24 लोगों की गोली मारकर हत्या करने के लिए पहले जनता से माफी मांगनी चाहिए। इसके बिना कांग्रेस को चुनाव लड़ने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। 2 अप्रैल को होने वाले राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद चुनाव के प्रचार अभियान के अंतिम दिन सैकिया ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए ने 36 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ा है। इनमें से तीन सीटों पर एनडीए उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। बाकी 33 सीटों पर एनडीए की चुनावी स्थिति मजबूत है और

भाजपा की जीत सुनिश्चित है। भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि भाजपा और राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति के नेतृत्व में किए गए प्रचार से यह साफ हो गया है कि आम जनता मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के विकास कार्यों का समर्थन कर रही है। जनता ने सरकार की प्रगति की दिशा और राभा हासोंग के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एनडीए उम्मीदवारों को समर्थन देने का फैसला किया है। दिलीप सैकिया ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा समाज को विभाजित करने और समुदाय विरोधी षड्यंत्रों में लिप्त रहने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 1995 में गठित राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद का चुनाव कांग्रेस ने कभी नहीं कराया। केवल 2013 में, न्यायालय के आदेश के बाद ही चुनाव संभव हुआ। अंत में, दिलीप सैकिया ने अपील की कि 2 अप्रैल को सभी लोग एक विकसित और समृद्ध राभा हासोंग के निर्माण के लिए एनडीए उम्मीदवारों को वोट दें। उन्होंने लोगों से कमल फूल और टीवी के चिह्न पर मतदान कर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने एसपीआईसी मैके क्लासिकल सीरीज में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को कॉटन यूनिवर्सिटी में आयोजित एसपीआईसी मैके क्लासिकल सीरीज 2025 में भाग लिया। इस अवसर पर पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को युवाओं के बीच बढ़ावा देने वाली संस्था एसपीआईसी मैके द्वारा किया गया। राज्यपाल आचार्य ने पंडित हरिप्रसाद चौरसिया की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी संस्कृति और परंपराएं पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं और कला, संगीत, नृत्य एवं वाद्य यंत्र हमारी राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक हैं। उन्होंने संगीत को भाषा और धर्म की सीमाओं से परे बताते हुए इसे भारत की एकता को मजबूत करने वाला कारक बताया। राज्यपाल ने एसपीआईसी मैके की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि एसपीआईसी मैके ने लाखों युवाओं को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ा है और उनमें नेतृत्व की भावना जागृत करने के साथ राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी है। उन्होंने एसपीआईसी मैके के संस्थापक डॉ. किरण सेठ और उनकी टीम को शास्त्रीय संगीत के प्रति प्रेम और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। राज्यपाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि एसपीआईसी मैके का संकल्प 2030 तक देश के हर छात्र को भारतीय संगीत और कला का अनुभव कराने का है, जिससे नई पीढ़ी में सांस्कृतिक जागरूकता और सराहना बढ़ेगी। इस अवसर पर कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. रमेश डेका, एसपीआईसी मैके गुवाहाटी चैप्टर की अध्यक्ष मौसमी बरुवा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सचल में बिहू नृत्य एवं ढोल वादन कार्यशाला का सफल समापन

गुवाहाटी। असम की संस्कृति को उचित और सुंदर तरीके से स्थापित करने के उद्देश्य से अपर सचल बिहू सम्मेलन का गठन वर्ष 2000 में किया गया था। 25वें बिहू सम्मेलन ने रजत जयंती समारोह के साथ 23 से 29 मार्च तक सात दिवसीय बिहू कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन बिहू नृत्य, पेपा और बिहू ड्रम के विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व बिहू संस्कृति के साधक और प्रशिक्षक नूर अली ने किया। कार्यशाला का आधिकारिक उद्घाटन विशिष्ठ उद्यमी महिला और सामाजिक कार्यकर्ता मिठू भराली ने गुवाहाटी नगर निगम पार्षद असीम सैकिया की उपस्थिति में किया। कार्यशाला का समापन प्रशिक्षकों के

नेतृत्व में प्रशिक्षुओं द्वारा दिलचस्प बिहू नृत्य और ढोल वादन के प्रदर्शन के साथ हुआ। कार्यक्रम में सांस्कृतिक रैली, मुकली (खुला) बिहू, पारंपरिक बिहू, अखिल असम के तहत चित्रांकन, आकस्मिक स्मृति प्रभा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, एकल और समूह श्रेणियों में रचनात्मक नृत्य प्रतियोगिता, पिठा-पना, वेशभूषा, छोटी बिहूवती, बड़ी बिहूवती और बिहू हुसरी प्रतियोगिता आयोजित होगी। पिठा, वेशभूषा, बुवारी बिहू, एकल और समूह लोक नृत्य, चित्रांकन, आकस्मिक स्मृति प्रभा, प्रश्नोत्तरी आदि सभी प्रतियोगिताओं में नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। बिहू के अवसर पर एक स्मारक ग्रंथ बोहागी प्रकाशित की जाएगी। सांस्कृतिक सचिव धनंजय तालुकदार ने बताया कि सूत्रधार नगांव के मनमोहक नृत्य मंडली, लोकप्रिय गायक बिपिन चाउदांग और प्रियंका भराली संगीतानुष्ठान के साथ साथ नृत्य प्रदर्शन, असमिया संस्कृति से समृद्ध सांस्कृतिक रैली और रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां होंगी। बिहू सम्मेलन के महासचिव नव कुमार मुर्दे ने सभी कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए प्रतियोगियों और लोगों से सहयोग का अनुरोध किया है। प्रतियोगी अग्रिम संपर्क के लिए 9435348536, 8638148561 और 99436 95405 पर संपर्क कर सकते हैं।

राज्य में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले हिंदीभाषी लोगों के लिए वित्तीय सहायता की मांग

शिवसागर। उत्तर पूर्वी हिंदुस्तानी युवा मंच की केंद्रीय समिति ने सरकार से हिंदीभाषी शिक्षित बेरोजगार और गरीब बेरोजगार युवाओं को वित्तीय राहत प्रदान करने की मांग की है। समिति ने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को जो सहायता प्रदान की जा रही है उससे हिंदीभाषी समाज अभी भी वंचित हो रहा है। समाज के युवाओं पर सरकार को समान दृष्टि देने की अत्यंत आवश्यकता है। पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी युवा मंच के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने शिवसागर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में इस आशय की जानकारी दी।

सतिया में 20 दिवसीय लकड़ी शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। स्थानीय गैर सरकारी संगठन ग्रामीण के सहयोग से खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा आयोजित 20 दिवसीय लकड़ी शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 मार्च से नलबाड़ी गांव, सतिया में शुरू हुआ। इसमें नलबाड़ी क्षेत्र के आसपास के गांवों से 14 महिलाओं और 6 पुरुषों सहित कुल 20 युवाओं ने भाग लिया। कोलकाता और गुवाहाटी के शिल्प विशेषज्ञ शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 20 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागियों को कुल 20 क्राफ्ट कटिंग आधुनिक इलेक्ट्रिक मशीनें निःशुल्क प्रदान की

जाएंगी, ऐसा कार्यक्रम समन्वयक ने बताया। एनजीओ की और से आने वाले दिनों में प्रशिक्षितों द्वारा उत्पादित शिल्प उपकरणों के लिए बिक्री हेतु लाभदायक बाजार की व्यवस्था की जाएगी। प्रशिक्षितों को लकड़ी, बांस आदि से शिल्प बनाने का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। देखा जाए तो आज कल बहुत सी गृहणियां सोशल मीडिया साइटों पर घंटों व्यस्त रहती हैं और अपना समय उसमें ही व्यतीत करती हैं, लेकिन नलबाड़ी क्षेत्र की महिलाओं और युवाओं ने शिल्प कार्य को अपना कैरियर विकल्प चुना है।

विश्व रंगमंच दिवस पर समाहार के सशक्त नाटक *न्याय* की गूंज

गुवाहाटी। विश्व रंगमंच दिवस को चिह्नित करते हुए, समाहर नाट्य गोष्ठी ने 27 मार्च, 2025 को श्री श्री माधवदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में अपने सम्मोहक नाटक, *न्याय* (न्याय) का मंचन किया। प्रतिष्ठित डॉ. सीतानाथ लाहकर द्वारा लिखित और निर्देशित इस प्रस्तुति को दर्शकों की पूर्ण भीड़ ने देखा, जिससे नाटक की प्रासंगिकता और प्रभाव पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) अबनी कुमार भगवती, जो एक प्रसिद्ध विद्वान, लेखक और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर हैं, के उद्घाटन भाषण के साथ हुआ। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में रंगमंच की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि रंगमंच जनता को जागृत करने का एक सशक्त माध्यम है। डॉ. सीतानाथ लाहकर और समाहार नाट्य गोष्ठी ने इस सुंदर कला के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। समाहार नाट्य गोष्ठी के अध्यक्ष ललित चंद्र शर्मा ने विश्व रंगमंच दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बताया कि इसकी शुरुआत 1961 में पेरिस में हुई थी, जहां सामाजिक रूप से जागरूक रंगमंच कार्यकर्ता एकत्रित हुए थे। *हमारे देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह दिन विशेष रूप से प्रासंगिक है।* शर्मा ने कहा कि समाहार नाट्य गोष्ठी ने इसे मनाने के लिए अपनी नवीनतम प्रस्तुति *न्याय* प्रस्तुत की है, जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई है। *न्याय* लिंचिंग और बलात्कार जैसे ज्वलंत मुद्दों को उठाता है, तथा एक बलात्कार पीड़िता की पीड़ादायक पीड़ा और उसके साथ होने वाले सामाजिक कलंक को चित्रित करता है। यह नाटक ऐसे अपराधों के पीड़ितों द्वारा न्याय के लिए सामना किए जाने वाले कठिन संघर्ष को प्रभावशाली ढंग से चित्रित करता है। कथा हैदर अली पर केंद्रित है, जिसका इंजीनियर बेटा हामिद लिंचिंग का शिकार है, और अनल अधिकारी, जिसकी बेटी इमोन, जो दिल्ली में छात्रा है, बलात्कार की शिकार है। दोनों पिता अपमान और पीड़ा से जूझते हैं, तथा एक ऐसी व्यवस्था में रहते हैं जो अक्सर शक्तिशाली लोगों का पक्ष लेती है। अपराधियों के खिलाफ न्याय की उनकी साझा मांग नाटक का भावनात्मक सार बनाती है। इस प्रस्तुति में डॉ. सीतानाथ लाहकर, रूपम चेतिया, डॉ. स्मिता लाहकर, रीना तेरोन और बिनीता कलिता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके सम्मोहक चित्रण को ललित चंद्र शर्मा, ताहेरुद्दीन अहमद, नमिता लहकर, ध्रुबज्योति शर्मा, अगुली देवी, रूपा दत्ता, अनुपमा दास और कुमुद तालुकदार के गहन पृष्ठभूमि कार्य द्वारा बढ़ाया गया था। एक साधारण मंच पर स्थापित अत्याधुनिक ऑडियो प्रौद्योगिकी और आकर्षक प्रकाश डिजाइन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा उनमें गहरी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न कीं। प्रगतिशील रंगमंच के दिग्गज नाटक के लेखक और निर्देशक डॉ. सीतानाथ लाहकर एक बहुमुखी कलाकार हैं, जिन्होंने गणित में पीएचडी की है और रंगमंच में उनका लंबा करियर है। नाटक लेखन के 60 वर्षों के अनुभव के साथ, उनका कार्य मंचीय नाटक, रेडियो नाटक, एकांकी नाटक, नुक्कड़ नाटक, टेलीप्ले और टीवी धारावाहिकों तक फैला हुआ है। वह भाईचारे, सद्भाव और बंधुत्व के एक प्रमुख समर्थक हैं तथा महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए रंगमंच का उपयोग करते हैं।

नोवोटेल गुवाहाटी ने लांच किया अल्टीमेट लांग वीकेंड स्टेकशन पैकेज

गुवाहाटी। लंबी छुट्टियां यानि लांग वीकेंड्स बहुत मुश्किल से मिलने वाला एक कीमती समय होता है और नोवोटेल गुवाहाटी जी एस रोड इसे खास बनाने का बेहतरीन अवसर आपको दे रहा है। रोजमर्रा की भागदौड़ से ब्रेक लेने वालों के लिए यह होटल एक एक्सक्लूसिव स्टेकशन पैकेज लेकर आया है, जो आराम, भव्यता और खास अनुभवों का अनूठा संयोजन है, ताकि आपका यह पल यादगार बन सके। चाहे मेहमान सुकून पाना चाहें, खुद को तरोताजा करना चाहें या किसी खास मौके का जश्न मनाना चाहें, यह पैकेज हर जरूरत को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो एक संपूर्ण रिट्रीट का अहसास कराता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने से लेकर ताजगी भरे स्पा ट्रीटमेंट तक, इस ऑफर में बुफे ब्रेकफास्ट और डिनर शामिल हैं, जिससे मेहमान विभिन्न प्रकार के लजीज पकवानों का स्वाद ले सकते हैं। जो लोग विश्राम की तलाश में हैं, वे स्पा सेवाओं पर 20 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाकर शांति और सुकून भरी अलग दुनिया में डूब सकते हैं। मेहमानों की सुविधा को और बढ़ाने के लिए, इस पैकेज में लांड्री सेवाओं पर भी 20 प्रतिशत की छूट दी गई है, ताकि वे पूरी तरह से रिलैक्स कर सकें। खाने-पीने के शौकीनों के लिए, एफएण्डबी पर 20 प्रतिशत की छूट दी गई है।

बिजनी माहेश्वरी महिला शाखा ने मनाया गणगौर पर्व

बिजनी। बिजनी माहेश्वरी महिला शाखा द्वारा धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक स्वरूप गणगौर पर्व का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। न सिर्फ विवाहित महिलाएं बल्कि कुंवारी कन्याएं भी गणगौर के इस पर्व को पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ अपनी सहभागिता निभाई। बिजनी शहर स्थित बीएल माहेश्वरी परिसर में आयोजित उक्त कार्यक्रम को सर्वप्रथम श्रीमती लीला माहेश्वरी, श्रीमती मुन्नी लड्ढा और श्रीमती पुष्पा झंवर द्वारा भगवान श्री गणेश को मनाने के पश्चात मुख्य अतिथि के तोर पर पधारीं समाज की वयोवृद्ध मातृशक्ति केसर देवी मुंदड़ा के हाथों दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही लोकगीत भी गाए गए। विवाहित महिलाएं घुड़ला परंपरा का

निर्वहन किया। तत्पश्चात उपस्थित जनों के बीच भिन्न भिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न प्रकार के पारंपरिक नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। ऐसी मान्यता है कि जहां विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए गणगौर पर्व पर व्रत और विशेष पूजा करती है तो वही कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की कामना के लिए गणगौर पर्व पर व्रत रखने के साथ ही इसर गणगौर की पूजा करती है। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में साक्षी माहेश्वरी, मनीषा कोठारी, प्रियंका मुंदड़ा, प्रेरणा मंत्री, खुशबू लड्ढा, अनु लड्ढा, प्रिया लड्ढा, रूमी झंवर और निशा कोठारी की अहम भूमिका रही।

मायुमं, नगांव समृद्धि शाखा की वार्षिक आम सभा संपन्न

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा की वार्षिक साधारण सभा बृहस्पतिवार को दोपहर 3-30 बजे से अग्रसेन भवन में संपन्न हुई। सभा में सर्वप्रथम शाखा अध्यक्ष ममता सिंघी, सचिव सपना पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया एवं शाखा के सलाहकारों को मंचासीन करवाया गया। अध्यक्ष के स्वागत भाषण के पश्चात सचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें सत्र 2024-25 में किए गए समस्त कार्यकर्मों का उल्लेख किया गया एवं कोषाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आय व्यय के ब्योरे को करतल ध्वनि से पारित किया गया। सभी सलाहकारों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

सभी सदस्यों ने वर्तमान सत्र के कार्यक्रमों की खुलकर तारीफ करते हुए आगामी सत्र हेतु भावी योजनाओं के विषय में चर्चा की। आगामी सत्र 2025-26 हेतु निमिषा अग्रवाल को सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष निमिषा ने अपने भावी कार्यक्रमों के विषय में सभा को अवगत कराया एवं सचिव पद के लिए श्वेता ढाढरिया (अग्रवाल) एवं कोषाध्यक्ष हेतु मुस्कान जाजोदिया के नाम की घोषणा की। अध्यक्ष ममता सिंघी ने कहा जल्द ही नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। सभा के अंत में शाखा सचिव सपना पेड़ीवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया एवं राष्ट्रीय गान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा की गई। यह जानकारी शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा दी गई है।

चिन्मय विद्यालय का उद्घाटन किया स्वामिनी विमला नंदा ने

गुवाहाटी (विभास)। छः माईल के रुक्मिणी गांव चिन्मय आश्रम स्थित जीएनटी चिन्मय विद्यालय के प्रथम तल्ले में नवनिर्मित विद्यालय शिक्षा कक्ष का उद्घाटन स्वामिनी विमला नंदा ने फीता खोलकर तथा नाम पट्टीका विमोचन करके किया। स्वामिनी ने शिक्षा कक्ष में बने कंप्यूटर कक्ष, सभा कक्ष, पुस्तकालय आदि का अवलोकन कर संतोष प्रगट किया। इससे पहले आयोजित एक समारोह का शुभारंभ स्वामिनी ने गुरु जी के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ विद्यालय के अध्यक्ष आरएस जोशी, सचिव विष्णु, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर वाई एस आर मूर्ति, लेखिका अंजना जैन, चिन्मय मिशन की आवासीय आचार्य ब्रह्मचारिणी अचिन्त्य नंदिनी व विद्यालय की शिक्षिकाएं उपस्थित थी। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने ओम ध्वनि का मंगल उच्चारण किया। अध्यक्ष आर एस जोशी ने स्वागत संबोधन देते हुए कहा कि पिछले वर्ष इस विद्यालय को सेबा बोर्ड से मान्यता प्राप्त होने के बाद उनकी शर्तों के अनुसार शिक्षा कक्ष की संख्या बढ़ाई गई एवं एक पुस्तकालय व प्रयोगशाला आदि का निर्माण करने के बाद आज इस विद्यालय का उद्घाटन किया गया है। अब हम चिन्मय मिशन मुख्यालय

के आदेश के अनुसार आगे बढ़ेंगे। विद्यालय में सारी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गई है। स्वामिनी विमला नंदा ने सारगर्वित संबोधन देते हुए कहा कि चिन्मय मिशन विद्यालय अन्य विद्यालयों से अलग है। जब हम खाना बनाते हैं तो भूख लगती है, तो सब खाना अच्छा लगता है। अगर हम खाना बनाने वाले को देखें तो पता चलेगा की स्वादिष्ट खाना बनाने के बाद अंत में वह नमक या और कूछ खाने में डालते हैं जिससे उसमें एक विशेष स्वाद उत्पन्न हो जाता है। इसी तरह विद्यालय में एक से एक सुविधा होती है मगर विद्यालय का विजन ही उसका असली स्वाद होता है। अध्यापक, प्रिंसिपल, अभिभावक और परिचालना समिति चारों के समर्पण, कर्मठता और लगन से विजन का महत्व बढ़ जाता है।

राज्यभर में ईद-उल-फितर की नमाज अदा कर शांति व सद्भावना की दुआ की गई

गुवाहाटी (हिंस/निसं)। इस्लाम धर्मावलंबी लोगों ने सोमवार को ईद-उल-फितर की ईदगाह मैदान और मस्जिदों में सामूहिक नमाजअदा करने के बाद एक दूसरे को मुबारकवाद दी और देश व राज्य में शांति और सद्भावना की दुआ की गई। रविवार शाम को ईद का चांद देखे जाने के बाद ही मुस्लिम लोगों ने ईद मनाने की तैयारियां शुरू कर दी थीं। ईद-उल-फितर के अवसर पर बाजारों में खूब भीड़ रही और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की जमकर खरीद हुई। इस्लाम धर्मावलंबियों में ईद को लेकर अच्छा खासा उत्साह दिखा। आज सोमवार को पूरे राज्य में ईद-उल-फितर का उत्सव मनाया जा रहा है। ईदगाह मैदान और मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा की गई। ईद के मौके पर एक-दूसरे के साथ प्रेम-बंधुत्व का संदेश साझा किया और एक-दूसरे के गले लगकर ईद की शुभकामनाएं दीं। नमाज के दौरान प्रदेश व देश में शांति और सद्भावना की दुआ की गई। ईद-उल-फितर के अवसर पर गुवाहाटी महानगर के ईदगाह व मस्जिद, दरगाहों और विभिन्न हिस्सों में सड़कों को सजाया गया है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न नगरों से लेकर कस्बों और गांवों में ईद का उत्साह दिखा। मुस्लिमों ने

मस्जिदों में नमाज अदा की। इस्लाम धर्मावलंबी लोग एक महीने तक रोजा रखने के बाद ईद का पर्व मनाते है। यह त्योहार शांति और भाईचारे का संदेश देता है। दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए यह बरकतों का महीना होता है। इस माहे रमजान में मांगी गई दुआएं कबुल के साथ ईद-उल-फितर की नमाज पूरे देश में बहुत ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पाक महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग नए-नए कपड़े पहनकर एक-दूसरे के गले मिले। इसके अलावा मिठाईयां, मिठी सेवईयां, पोलाव व बिरियानी खाने और खिलाने का सिलसिला जारी होता है। माहे रमजान में पूरे महीने गरीबों में जकात व फितरा के तौर पर कपड़े, सेवई, मिठाईयां व पैसे बांटें गए। मंसूरी ने बताया कि आज पूरे भारतवर्ष में शांति पूर्वक ईद की नमाज अदा किए गए। शांति पूर्वक नमाज संपन्न होने पर शासन, प्रशासन, सरकार व मुसलमानों ने खुशी जाहिर की है। इस मौके पर सभी ईदगाहों, मस्जिदों व मदरसों में देश व दुनियां में अमन-चैन व शांति के लिए दुआएं की गई। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसा होजाई अंचल में भी ईद का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्म के लोगों ने होजाई, नीलबागान, उदाली, जोगीजान, मुड़ाझाड़, गोपालनगर, कपास बड़ी, लंका, लामडिंग आदि जगहों में हर्षोल्लास के साथ इस पावन पर्व को मनाया। होजाई ईदगाह मैदान में हजारों की संख्या में मुसलमानों ने आज सुबह ईद की नमाज अदा की। इस अवसर पर ईदगाह मैदान की तरफ जाने वाले रास्ते को रंग-बिरंगे ध्वज व तोरण द्वार से सजाया गया जिससे उसकी शोभा देखते ही बनती थी। ईद की नमाज के बाद बच्चे, युवा, बुजुर्ग आपस में मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। शहर में आज बच्चों ने जमकर खरीदारी की एवं हर्षोल्लास के साथ आपस में एक-दूसरे के साथ मिलकर पर्व का आनंद लिया। वहीं होजाई बाजार में बच्चों की काफी चहल कदमी देखी गई, खाद्य वस्तुओं, खेल वस्तुओं की खरीद करके व उत्सव का आनंद ले रहे थे।

वित्त मंत्री "नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच" पोर्टल आज करेंगी लॉन्च

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार,1 अप्रैल को "नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच" पोर्टल लॉन्च करेंगी, जो वित्त वर्ष 2022-23 तक तीन दशकों में राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों पर डेटा के व्यापक भंडार तक पहुंच प्रदान करेगा। नीति आयोग ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में "नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच" पोर्टल की शुरूआत करेंगी। नीति आयोग ने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर एक पोर्टल बनाया है। यह पोर्टल लगभग 30 वर्षों (अर्थात वित्त वर्ष 1990-91 से वित्त वर्ष 2022-23) की अवधि के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों, शोध रिपोर्टों, शोधपत्रों और राज्य वित्त पर विशेषज्ञ टिप्पणियों पर डेटा का एक व्यापक भंडार है।

नीति आयोग के मुताबिक पोर्टल के चार मुख्य घटक हैं:-

राज्य रिपोट:- 28 भारतीय राज्यों के समग्र और राजकोषीय स्थिति का सारांश, जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित।

डेटा संग्रह : - पांच क्षेत्रों अर्थात जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, राजकोषीय, स्वास्थ्य और शिक्षा में वर्गीकृत संपूर्ण डेटाबेस तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

राज्य का राजकोषीय और आर्थिक डैशबोर्ड :- समय के साथ प्रमुख आर्थिक चरों का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व प्रदर्शित करता है और डेटा परिशिष्ट के माध्यम से अपरिष्कृत डेटा या सारांश तालिकाओं के माध्यम से अतिरिक्त जानकारी तक त्वरित पहुंच प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं टिप्पणी :- राज्य वित्त तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजकोषीय नीति एवं वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक अनुसंधान पर आधारित है।

यह पोर्टल समग्र, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सहायता करेगा। इस पर आसानी से डेटा उपलब्ध होगा और यह उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप तथा एक ही स्थान पर समेकित क्षेत्रीय डेटा की आवश्यकता को भी पूरा करेगा। यह प्रत्येक राज्य के डेटा को अन्य राज्यों और राष्ट्रीय आंकड़ों के साथ संदर्भ में भी मदद करेगा। यह नीति निमार्ताओं, शोधकताओं और अन्य लोगों को जानकारी और चचाओं के लिए डेटा का उल्लेख करने में रुचि रखने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। आयोग के मुताबिक यह पोर्टल एक व्यापक शोध केंद्र के रूप में काम करेगा, जो गहन शोध अध्ययनों के लिए डेटा और विश्लेषणात्मक उपकरणों का भंडार होगा। यह सूचना के केंद्रीय भंडार के रूप में कार्य करेगा, जो पिछले 30 वर्षों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों के व्यापक डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करेगा। ऐतिहासिक रुझानों और वास्तविक समय के विश्लेषण का लाभ उठाकर, उपयोगकर्ता प्रगति को पता करने, उभरते पैटर्न की पहचान करने और विकास के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियां तैयार करने में सक्षम होंगे।

कांग्रेस ने निजी शिक्षण संस्थानों में अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए कानून बनाने की मांग दोहराई

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आज यहां निजी शिक्षण संस्थानों में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए कानून बनाने की पार्टी की मांग दोहराई। जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि संविधान (93वां संशोधन) अधिनियम, 2005, 20 जनवरी, 2006 से प्रभावी हुआ। इस संशोधन के जरिये भारत के संविधान में अनुच्छेद 15(5) जोड़ा गया। इस प्रकार इस अनुच्छेद या अनुच्छेद 19 के खंड (1) के उपखंड (जी) की कोई बात राज्य को कानून द्वारा नागरिकों के किसी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उत्थान के लिए किसी विशेष प्रावधान को नहीं रोकेगी, जहां तक कि ऐसे विशेष प्रावधान उनके शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश से संबंधित हों, जिनमें निजी शैक्षिक संस्थान (राज्य द्वारा सहायता प्राप्त या बिना सहायता प्राप्त) भी शामिल हैं। हालांकि अनुच्छेद 30(1) में उल्लिखित अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों पर यह लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006 संसद में पारित हुआ। केंद्रीय शैक्षिक संस्थानों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक तथा शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के नागरिकों के लिए आरक्षण 3 जनवरी, 2007 से लागू हुआ। जयराम रमेश ने इस बात को रेखांकित किया कि सुप्रीम कोर्ट ने अशोक कुमार ठाकुर बनाम भारत संघ मामले में 10 अप्रैल 2008 को अनुच्छेद 15(5) को केवल राज्य द्वारा संचालित और राज्य से सहायता प्राप्त संस्थानों के लिए संवैधानिक रूप से वैध माना। निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में आरक्षण को उचित ढंग से निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र छोड़ दिया गया। इसी तरह आईएनए बनाम भारत संघ मामले में 12 मई 2011 को 2-0 के अंतर से निर्णय दिया गया, जिसमें निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के लिए अनुच्छेद 15(5) को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया गया। प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में 29 जनवरी 2014 को पांच न्यायाधीशों की बेंच ने 5-0 के अंतर से अनुच्छेद 15(5) को पहली बार स्पष्ट रूप से बरकरार रखा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका मतलब है कि प्राइवेट संस्थानों में भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े हुए नागरिकों के अन्य वर्गों के विद्यार्थियों के लिए आरक्षण संवैधानिक रूप से स्वीकार्य है। पिछले 11 वर्षों से अनुच्छेद 15(5) सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्य है। अपने 2024 के लोकसभा चुनाव "न्याय पत्र" में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने निजी शिक्षण संस्थानों में भारत के संविधान के अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए कानून लाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध दिखाया। उच्च शिक्षा विभाग के लिए अनुदान की मांग पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल पर द्विदलीय संसदीय स्थायी समिति ने भी अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए एक नए कानून की सिफारिश की। इस समय एक बार फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस मांग को दोहराती है।

भाजपा का राज्य मुख्यालय रोहतक की बजाय पंचकूला रहेगा

चंडीगढ़(ईएमएस)। हरियाणा में भाजपा का प्रदेश मुख्यालय बदलने वाला है। पार्टी का राज्य मुख्यालय रोहतक की बजाय पंचकूला ले जाने की तैयारी है। भाजपा नेतृत्व का कहना है कि पंचकूला चंडीगढ़ के पास है, जहां से विधानसभा चलती है और सरकारी कामकाज भी होता है।ऐसे में सरकार से समन्वय के लिए पंचकूला में पार्टी का मुख्यालय होना सही रहेगा। यह बदलाव 6 अप्रैल से लागू होगा क्योंकि इसी दिन भाजपा का स्थापना दिवस है। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा, हम पार्टी का स्थापना दिवस नए कार्यालय पर मनाएंगे, जो पंचकूला में होगा। यहीं पर आंबेडकर जयंती के मौके पर होने वाले कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। बड़ौली का कहना है कि रोहतक का पार्टी दफ्तर अब ट्रेनिंग स्कूल में तब्दील होगा। यहां पर पार्टी कार्यकताओं के लिए प्रशिक्षिण शिविरों का आयोजन होगा। इसके अलावा अन्य गतिविधियों के भी इस्ताका इस्तेमाल किया जाएगा। भाजपा लंबे समय से पंचकूला में दफ्तर तैयार करा रही थी, जिस पर काम अब हो चुका है। बड़ौली ने कहा कि चंडीगढ़ से सरकार का संचालन होता है। ऐसे में सीएम और अन्य मंत्रियों को पार्टी की मीटिंग के लिए लंबी यात्रा करनी होती थी। अब उससे मुक्ति मिल जाएगी। चंडीगढ़ से सरकार चलेगी तो पड़ोस में ही पंचकूला से पार्टी का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा कार्यालय भी रोहतक में इसलिए रहा क्योंकि ज्यादातर राजनीतिक दलों के दफ्तर यहीं थे। हमारे बड़े नेता और डिप्टी सीएम रहे मंगल सेन भी रोहतक के रहने वाले थे, जो लगातार 7 बार विधायक रहे।

शिक्षा मंत्री ने किया जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र में सीवर लाइन डालने के कार्य का शिलान्यास

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र जनकपुरी में मेजर पीश्री कुमार मार्ग के पास सी2सी पाकेट 12 और सी2बी गेट नंबर एक के पास सेटल्ड सीवर लाइन डालने के काम का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र में बेहतर जल निकासी और स्वच्छता सुनिश्चित करेगी और विकसित दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। मंत्री से स्थानीय लोगों ने इलाके की सीवर लाइन बैठने और गंदे पानी के ओवर फ्लो होने की शिकायत की थी। इसके बाद मंत्री ने समस्या का संज्ञान लेते हुए दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को तुरंत सीवर लाइन बदलने का निर्देश दिया। मंत्री ने बताया कि इस सीवर लाइन की कुल लंबाई 126 मीटर है और यह काम एक महीने के भीतर खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए इस क्षेत्र के साथ-साथ जनकपुरी क्षेत्र की सभी सीवर लाइन की जांच भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो सीवर लाइन या तो पुरानी हो गई है या फिर उसकी क्षमता कम हो गई है उसको जल्द बदलने या मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात आने से पहले सभी सीवर लाइनों को आधुनिक तकनीक की मशीनों का इस्तेमाल कर साफ कर दिया जाए। इसके अतिरिक्त जहां-जहां नालियां और सीवर आदि टूटे हुए हैं। उनको तत्काल प्रभाव से मरम्मत करने के आदेश दे दिए गए हैं। सूद ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को साफ सुथरा शहर बनाने के प्रयास जारी हैं।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री सहित कई दिग्गजों ने देशवासियों को दी ईद की बधाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा, ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई। यह त्योहार भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है तथा करुणा-भाव और दान की प्रवृत्ति को अपनाने का संदेश देता है। मैं कामना करती हूं कि यह पर्व सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए तथा सबके दिलों में नेकी के रास्ते पर आगे बढ़ने के जज्बे को मजबूत बनाए। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, ईद-उल-फितर की बधाई। यह त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। ईद मुबारक! रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ईद-उल-फितर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। आशा है कि यह दिन पूरे समाज में सद्भाव और भाईचारे के बंधन को और मजबूत करेगा। ईद मुबारक!

वक्फ संशोधन बिल को केसीबीसी का समर्थन, भाजपा बोली- बिल के विरोधियों को यह करारा जवाब

नई दिल्ली, (हि.स.)। वक्फ संशोधन विधेयक को इस हफ्ते लोकसभा में पेश किए जाने की संभावनाओं के बीच केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने विधेयक का समर्थन किया है। केसीबीसी ने सांसदों से इसके पक्ष में वोट देने की भी अपील की है। भाजपा ने काउंसिल के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह विधेयक के विरोधियों को करारा जवाब है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को एक्स पोस्ट में कहा कि जो वक्फ का इस्तेमाल करके ध्रुवीकरण करने और मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं उन्हें केसीबीसी ने स्पष्ट भाषा में जवाब दे दिया है। यह कभी भी अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक का मुद्दा नहीं था। वक्फ को दी गई असीमित शक्तियों ने ईसाई समुदाय तक की भूमि हड़पने को बढ़ावा दिया है। आज यह भूमि हड़पने वालों और गरीब मुसलमानों के बीच का मुद्दा है, लेकिन जो लोग इसे हिंदू बनाम मुस्लिम या बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक बना रहे हैं, उन्हें केसीबीसी से करारा तमाचा मिला है। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने दिल्ली स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में कहा कि केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल और कई अन्य ईसाई संगठन केरल के सांसदों से वक्फ (संशोधन) विधेयक पर अपना रुख स्पष्ट कर इसके पक्ष में मतदान करने के लिए कह रहे हैं। क्योंकि केरल में कोचीन के पास मुनंबम नामक स्थान पर सैकड़ों गरीब परिवारों को वक्फ से उनकी जमीन जब्त किए जाने का खतरा है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसके लिए वे कई वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं।

दिल्ली के अस्पतालों की हालत पर बोला हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है। हाईकोर्ट ने कहा कि पिछले एक साल से अस्पतालों की कमी और सिफारिशों को लेकर बैठकें की जा रही हैं, लेकिन सुधार का कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। ऐसे में दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक अपनी निगरानी में राज्य के सरकारी अस्पतालों में सुधार के लिए कदम उठवाएं। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी. अरोड़ा की बेंच ने एम्स के डायरेक्टर को कहा है कि वह डॉ. एसके सरीन कमेटी की ओर से दिए गए सुझावों को अमलीजामा पहनाने के लिए चार सप्ताह के भीतर योजना तैयार करें। साथ ही, बेंच के समक्ष इस शुरूआत की तारीख भी बताएं कि किस दिन से सिफारिशों पर काम शुरू हो जाएगा। हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि इस बाबत वर्ष 2017 में बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की थी, लेकिन 8 साल बाद भी हम वहीं खड़े हैं, जहां से शुरूआत हुई थी। सिर्फ समस्या को समझ लेना आगे बढ़ना नहीं होता।

कोलकाता के रेड रोड पर ईद-नमाज में ममता बनर्जी के साथ अभिषेक भी, मुख्यमंत्री बोलीं झकोई गड़बड़ी करने आए तो याद रखना, दीदी है!

कोलकाता, (हि. स.)। कोलकाता के रेड रोड पर हर साल की तरह इस बार भी ईद-नमाज का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल हुईं। लेकिन इस बार तृणमूल कांग्रेस के अंदर खास चर्चा इस बात को लेकर थी कि क्या पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी ममता के साथ होंगे। हाल के महीनों में तृणमूल के शीर्ष नेतृत्व में बनते-बिगड़ते समीकरणों के बीच इस सवाल पर सभी की नजर थी। अंततः अभिषेक भी ईद-नमाज में मुख्यमंत्री के साथ पहुंचे, जिससे तृणमूल के एक बड़े वर्ग ने राहत की सांस ली। सुबह नौ बजे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रेड रोड पहुंचीं। उनके साथ अभिषेक बनर्जी और मंत्री जावेद खान भी मौजूद थे। ममता और अभिषेक दोनों ने सभा को संबोधित किया और अपने भाषण में देश और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोग अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और माकपा को एक ही घेरे में लेते हुए कहा कि लाल और भगवा मिलकर अशांति फैला रहे हैं। हम विभाजन की राजनीति नहीं करते, लेकिन कुछ राजनीतिक दल धर्म के नाम पर व्यापार करते हैं। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि अगर कोई गड़बड़ी करने आए तो याद रखना, दीदी है! उन्होंने सभी से किसी भी तरह की उकसावे वाली गतिविधि से बचने की अपील की। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वह विदेश में एक कार्यक्रम रद्द कर केवल ईद के मौके पर बंगाल लौट आईं। उन्होंने कहा कि बाहर जाना जरूरी नहीं, अपने लोगों को शुभकामनाएं देना जरूरी है। अभिषेक बनर्जी ने भी अपने भाषण में ममता बनर्जी की बातों को दोहराते हुए कहा कि हमेशा एकता बनाए रखनी होगी। कोई गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। रेड रोड से ममता और अभिषेक पार्क सर्कस पहुंचे और फिर रिजवानुर रहमान के घर गए। वहां उन्होंने उनके परिवार से मुलाकात कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने लंदन दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग ऑक्सफोर्ड के कार्यक्रम में मुझसे पूछने आए कि आप हिंदू हैं? मैंने गर्व से कहा झ मैं हिंदू भी हूं, मुस्लिम भी हूं, सिख भी हूं, ईसाई भी हूं। मैं एक भारतीय हूं।

कांग्रेस के लिए राजनीति विकासवादी नहीं, व्यक्तिवादी है : महेंद्र भट्ट

देहरादून, (हि.स.)। आज की राजनीति विशेषकर उत्तराखंड की राजनीति मुद्दाविहीन और व्यक्तिवादी हो गई है। कांग्रेस की ओर से जो भी मुद्दे उठाए जाते है, वह जनहित से न जुड़े होकर व्यक्तिगत आरोपी प्रत्यारोप के हैं। कांग्रेस के लोग यदि जन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करें तो और अच्छा हो। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद महेंद्र भट्ट पत्रकारों से बातचीत में यह कहा। उन्होंने विपक्ष को सलाह दी कि हमें अपनी बात सयंमपूर्वक रखनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि भाजपा कार्य के साथ-साथ अपनी रिपोर्ट प्रतिवर्ष जनता तक पहुंचाती हैं। सरकार के तीन साल पूर्ण होने पर तीन साल की रिपोर्ट जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। महेंद्र भट्ट ने स्पष्ट किया कि हमने जनता से जो वायदे किए थे वह निभाये गए हैं। जिनमें यूसीसी जैसा महत्वपूर्ण कानून भी शामिल है। बलपूर्वक अथवा लालच देकर कराया गया धर्मांतरण, लैंड एवं लव जेहाद, कठोर भू-कानून, नकल अध्यादेश जैसे जनोपयोगी विषयों पर सरकार ने प्रभावी ढंग से कार्यवाही की है। प्रयास रहता है कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जाए। उन्होंने कहा कि गत वर्ष 55 लाख से अधिक यात्री उत्तराखंड देवधामों के दर्शन को आए थे। यह कितना सौभाग्य है कि देश के प्रधानमंत्री अब तक 13 बार उत्तराखंड भ्रमण पर आ चुके हैं। इतना भ्रमण संभवतः उन्होंने गुजरात का भी नहीं किया होगा। यह इस बात का संकेत है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए उत्तराखंड कितना महत्वपूर्ण है। सोने में सुहागा यह है कि सर्वमौसमी सड़कें देने के बाद शीतकालीन धार्मिक स्थलों की यात्रा को बढ़ावा देने का काम प्रधानमंत्री ने किया है। प्रधानमंत्री बीते दिनों गंगा मां के मायके मुखवा दर्शन के लिए आए थे। भारत के किसी भी प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है जो मुखवा तक पहुंचे हैं। उन्होंने शादी वैडिंग डेस्टिनेशन, घाम तापो जैसी व्यवस्थाओं को देकर उत्तराखंड के विकास के लिए महत्वपूर्ण आयाम दिए हैं। जब पूरे देश में कोहरा लगा होता है और सूर्यदेव के दर्शन नहीं होते उस समय उत्तराखंड में भगवान सूर्यदेव मुखरता और प्रखरता से दिखाई देते हैं जो धूप लेने के लिए विशिष्ट समय होता है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने घाम तापो जैसा स्लोगन जारी किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिस देश में हजारों हजार लोग पूरे देश से धार्मिक, सांस्कृतिक यात्रा करने आते हैं उसी प्रदेश में कुछ लोग पहाड़ मैदान का मुद्दा उठा रहे हैं जो किसी भी कीमत पर उचित नहीं है। हमें ऐसी विसंगतियों से बचना होगा ताकि हमें पूरे देश का अशीर्वाद मिले और हमारे लोग जो विभिन्न प्रदेशों में है उन्हें भी किसी प्रकार का संत्रास न झेलना पड़े। यह स्थिति दुखद है। मैं इसकी घोरा भर्त्सना करता हूं। पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, सह मीडिया प्रभारी राजेंद्र नेगी, प्रवक्ता हनी पाठक, कमलेश रमन तथा राजीव तलवार उपस्थित थे।

आत्मनिर्भरता की दिशा में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका: नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊर्जा के क्षेत्र में स्थायित्व और आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह की व्यावहारिक टिप्पणियों की सराहना की। उन्होंने डॉ. सिंह द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि जितेंद्र सिंह ने विस्तार से बताया कि कैसे परमाणु ऊर्जा भारत के सतत और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की खोज में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी है। केंद्रीय मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने अपने इस लेख में लिखा है कि इस साल के केंद्रीय बजट की खास बात यह रही कि सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का फैसला किया। यह सिर्फ इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लीक से हटकर फैसले लेते हैं। आज भारत का परमाणु परिदृश्य बदल चुका है। 2013-14 में मात्र 4,780 मेगावाट से, परमाणु क्षमता 70 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 8,180 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो 24 चालू रिएक्टरों में फैली हुई है। इन संयंत्रों से वार्षिक बिजली उत्पादन 2013-14 में 34,228 मिलियन यूनिट से बढ़कर 2023-24 में 47,971 मिलियन यूनिट हो गया है। जबकि परमाणु ऊर्जा वर्तमान में भारत के बिजली उत्पादन में लगभग 3 प्रतिशत का योगदान देती है, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में 21 रिएक्टरों की कुल क्षमता 15,300 मेगावाट होने के साथ यह आंकड़ा काफी हद तक बढ़ने वाला है। डा.सिंह ने लिखा है कि ध्यान केवल क्षमता विस्तार से हटकर स्वदेशी तकनीक विकसित करने पर केंद्रित हो गया है। 2023-24 में गुजरात के काकरापार में भारत के पहले स्वदेशी 700 मेगावाट दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) का सफलतापूर्वक चालू होना आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। देश ने परमाणु ईंधन चक्र क्षमताओं में भी प्रगति की है, प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) 2024 में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल करेगा, जिसमें प्राथमिक सोडियम भरना और सोडियम पंपों को चालू करना शामिल है। देश ने पीएचडब्ल्यूआर के डिजाइन और निर्माण में महारत हासिल कर ली है। 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के पूरा होने के साथ फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक ड्राइंग बोर्ड से वास्तविकता में बदल गई है। भारत के परमाणु कार्यक्रम का यह दूसरा चरण महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईंधन उपयोग दक्षता को बढ़ाता है बजट में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसका लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए परिचालन एसएमआर विकसित करना है। सरकार ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है, जो वर्तमान 8.18 गीगावाट से बहुत अधिक है। इसे हासिल करने के लिए, विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य घरेलू क्षमताओं को बढ़ाना है। उन्होंने लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को फिर से मजबूत किया गया है, खास तौर पर रूस, फ्रांस और अमेरिका के साथ। सरकार ने आंध्र प्रदेश के कोव्वाडा में अमेरिका के सहयोग से छह 1208 मेगावाट के परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसके अतिरिक्त, एक महत्वपूर्ण विकास भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के बीच साझेदारी है, जो परमाणु ऊर्जा सुविधाओं को विकसित करने के लिए अश्विनी नामक एक संयुक्त उद्यम का गठन कर रही है। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन पर विचार किया जा रहा है।

प्रशांत किशोर अचानक पहुंचे जदयू नेता मुजाहिद आलम के आवास, चर्चाओं का बाजार हुआ गर्म

किशनगंज (हिंस)। जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसेमंद नेता को अपने पाले में करने के लिए पूरा जोर लगा दिया हैं। उसी क्रम प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ ईद की नमाज के ठीक बाद जदयू के पूर्व विधायक सह किशनगंज जिलाध्यक्ष मुजाहिद आलम के पैतृक गांव कोचाधामन के कैरीबीरपुर पहुंच कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। प्रशांत किशोर करीब एक घंटे तक पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के घर पर रहे। गौर करे कि पूर्व विधायक मुजाहिद आलम सीमांचल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुराने एवं भरोसेमंद नेता माने जाते हैं। वह जमीनी स्तर पर काफी मजबूत पकड़ रखते हैं। इनके बारे में एक कहावत है कि चुनाव हारने के बावजूद कभी घर नहीं बैठते हैं। 18 घंटे फील्ड में रहते हैं। दो बार विधायक रहकर बीते वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए कैंडिडेट के तौर पर किशनगंज संसदीय सीट से मुजाहिद आलम चुनाव लड़े एवं कांग्रेस सांसद को कड़ी टक्कर दिया और करीब 59 हजार वोटों से हार गए। पूर्व विधायक मुजाहिद

आलम के आग्रह पर सीएम कई बड़े सौगात किशनगंज को दे चुके हैं। यही कारण है कि नीतीश कुमार मुजाहिद आलम को अपना काफी भरोसे मंद मानते हैं। प्रशांत किशोर से जब मुलाकात के मायने पूछा गया तो पहले उन्होंने कहा कि ईद की मुबारकबाद देने ही आये थे लेकिन बार बार पूछने पर ईशारों इशारों में कहा मुजाहिद आलम अपनी मेहनत की बदौलत खुद एक ब्रांड बने हुए हैं। आवाम में काफी लोकप्रिय हैं। जन सुराज ऐसे हीरों की कद्र करता है जो समाज एवं क्षेत्र की तरक्की के लिए जमीनी स्तर पर लोगों से हमेशा जुड़े रहें। टीम में शामिल कोर कमेटी के सदस्यों ने दबी जुबान में कहा कि डेढ़ साल से इस दिन का इंतजार हम लोग कर रहे थे कि दोनों नेताओं की मुलाकात हो जाए। लेकिन मुजाहिद आलम हमेशा टाल मटोल कर रहे थे। आज बड़ी मुश्किल से ईद के बहाने मुलाकात सम्भव हो पाई है। आने वाला पल जन सुराज और कोचाधामन के लिए बेहतर रहेगा। अगर मुजाहिद आलम जन सुराज में जुड़ते हैं तो एनडीए ही नहीं बल्कि राजद कांग्रेस गठबंधन को भारी नुकसान होने की सम्भावना है। मुजाहिद आलम कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2010 में एनडीए से चुनाव लड़कर 8 हजार वोटों से हारे थे। कोचाधामन से ही वर्ष 2014 के उप चुनाव में कांग्रेस एवं राजद गठबंधन के उम्मीदवार को हरा कर पहली बार विधायक बने थे। वहीं 2015 में महागठबंधन के टिकट पर हॉट सीट कहे जाने वाले कोचाधामन विस क्षेत्र से ही चुनीव लड़े एवं ओवैसी की पार्टी ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष को करारी शिकस्त दी। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पूर्व मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में लोग एनआरसी, एनपीआर एवं सीएए के खिलाफ आक्रोशित थे। सभी एनडीए तथा नीतीश कुमार से नाराज थे, तभी चुनाव हो गया एवं मुजाहिद पब्लिक के गुस्से का शिकार हो गए और कुछ वोटों से मीम पार्टी से हार गए।

क्षत्रिय समाज ने सपा सांसद का फूंका पुतला उपराष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद (हिंस)। क्षत्रिय सम्राट राणा सांगा के प्रति समाजवादी पार्टी के राज्य सभा सासंद रामजी लाल सुमन द्वारा अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी को लेकर क्षत्रिय समाज में जबरदस्त रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में आज समस्त क्षत्रिय समाज फरीदाबाद ने महाराणा प्रताप भवन सेक्टर-8 से जन आक्रोश यात्रा का आयोजन किया, जिसमें समाज के संगठनों ने हिस्सा लिया। यह जन आक्रोश यात्रा विरोध मार्च करते हुए सेक्टर-12 लघु सचिवालय पहुंची, जहां सपा सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला दहन किया और उसके उपरांत समस्त क्षत्रिय समाज के गणमान्य लोगों ने देश के महामहिम उपराष्ट्रपति के नाम जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए श्री राम राज्य मिशन के राष्ट्रीय महासचिव राजेश रावत व महाराणा प्रताप सेवा समिति के अध्यक्ष किशन ठाकुर एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के उपाध्यक्ष ठाकुर राजा राम ने संयुक्त रुप से कहा कि राणा सांगा का अपमान देश का नागरिक किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा। राणा सांगा जैसा वीर योद्दा जिनके तन पर 80 घाव होने के बावजूद भी देश की स्वतंत्रता स्वाधीनता और स्वाभिमान के लिए मुगलों से लड़े और अपने देश की अस्मिता को बचाए रखा। देश के इस महान नायक का अपमान कोई भी राष्ट्र भक्त बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि समस्त क्षत्रिय समाज की यह मांग है कि रामजी लाल सुमन का राज्यसभा से सदस्यता रद्द की जाए और अमर्यादित टिप्पणी के लिए वह देश से माफी मांगे। इस अवसर पर श्याम सिंह तंवर, एसपी सिंह, मित्रपाल सिंह डीएसपी रिटायर्ड, धर्मपाल सरपंच, रूस् चौहान, अनिल गौड़, संजीव चौहान, प्रमोद तोमर, रमेश तोमर, विकास चौहान, संजीव ठाकुर, प्रदीप चौहान सहित फरीदाबाद फरीदाबाद शहर की समस्त राजपूत संगठनों ने और सामाजिक नेताओं ने हिस्सा लिया।

विहिप बैठक : सोशल मीडिया समाज की दिशा-दशा बदलने में सक्षम : पाराशर

जोधपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद प्रचार प्रसार विभाग की महत्वपूर्ण बैठक सोशल मीडिया इंफ्लूएंस मीट भारत माता मंदिर में संपन्न हुई। जिला प्रचार प्रमुख भोमाराम चौहान ने बताया कि मुख्य वक्ता प्रांत प्रचार प्रमुख अमित पाराशर ने इंफ्लूएंसर को कहा कि आज वर्तमान परिस्थितियों में विचार की लड़ाई में प्रचार तंत्र की भूमिका अहम होती है। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया पर अधिक समय देने के कारण आज अपनी बात विचारों को अधिकतम लोगो तक कम समय में पहुंचाने का साधन एक मात्र यह तंत्र ही है। राष्ट्र धर्म संस्कृति समाज निर्माण के हित में इस शक्ति को लगा कर इस सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्र का नव निर्माण कर रामराज्य की कल्पना को साकार करने में सहयोग कर सकते हैं। आज के युग में सोशल मीडिया समाज को नई दिशा व दशा दिखाने में और बदलाव करने में सक्षम है। पाराशर ने कहा कि युवाओं को रील शॉर्ट वीडियो के माध्यम से लव जिहाद धर्मांतरण समरसता कुटुंब प्रबोधन नागरिक कर्तव्य देने विषय को जन मानस तक लेकर जाने की जरूरत है।

जेल में मोबाइल और गांजा पकड़वाओ, इनाम और प्रमोशन पाओ

जयपुर (हिंस)। सरकार ने जेलों में बढ़ती अवैध गतिविधियों और प्रतिबंधित सामानों की समस्या से निपटने के लिए नई निगरानी व्यवस्था लागू की है। जेल प्रशासन ने फैसला किया है कि गोपनीय रूप से महत्वपूर्ण सूचनाएं देने वाले प्रहरी और मुख्य प्रहरी को विशेष इनाम और प्रमोशन का लाभ दिया जाएगा। डीजी जेल गोविंद गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। गुप्ता ने आदेश में स्पष्ट किया है कि जेलों में मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित सामग्रियों की घुसपैठ रोकने के लिए विशेष निगरानी बढ़ाई जाएगी। प्रहरी और अन्य जेल कर्मचारी अगर अवैध गतिविधियों की सही सूचना देते हैं, और उससे प्रभावी कार्रवाई होती है, तो उन्हें प्रमोशन और अन्य विशेष लाभ दिए जाएंगे। पिछले कुछ समय में जेलों में मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं मिलने की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में सरकार अब जेल कर्मचारियों को ही निगरानी तंत्र का हिस्सा बनाकर इस समस्या से निपटने की रणनीति पर काम कर रही है। राजस्थान के जेल प्रशासन का यह फैसला जेलों में अनुशासन बनाए रखने और अपराधियों की अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को 26 मार्च को जान से मारने की धमकी मिली थी। कॉल जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को किया गया था। फोन को ट्रेस करने के बाद पता चला था कि कॉल सेंट्रल जेल से की गई थी। शुक्रवार (28

मार्च) सुबह बीकानेर सेंट्रल जेल से पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत तकनीकी जांच शुरू की और मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर जेल में छापा मारा। तलाशी के दौरान वार्ड नंबर 10 की बैरक संख्या 39 में विचाराधीन बंदी आदिल के पास से मोबाइल बरामद किया गया। जेल में कैदियों को प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने के मामले में जिला कारागार विभाग ने कड़ी कार्रवाई की। दो जेल प्रहरियों को बर्खास्त कर दिया गया और एक जेल प्रहरी को सस्पेंड कर दिया गया।

सनातनी संस्कृति में समय मापने के लिए कई सम्वतों का उपयोग

वाराणसी (हिंस)। भारत में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से भारतीय नवसंवत्सर *सिद्धार्थ* की शुरुआत हो गई है। भारत में समय मापने के लिए कई सम्वतों का उपयोग किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक का अपना विशिष्ट महत्व और प्रासंगिकता है। विक्रम सम्वत, महर्षि पराशर का पंचांग, शालिवाहन शाक और कलियुग जैसे सम्वतों का अपने-अपने संदर्भ में गहरा महत्व है। भारत एक विविध और समृद्ध संस्कृति वाला देश है, जहां विभिन्न बौद्धिक जातियों और समुदायों के लोग रहते हैं। ऐसी विविधता के बीच समय को मापने के लिए सम्वतों का उपयोग न केवल परंपरा है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे देश में कितने सम्वत हैं और उनकी शुरुआत कैसे होती है। शोधार्थी डॉ श्वेतांक मिश्र बताते है कि देश में विभिन्न सम्वतों की शुरुआत का तरीका भी अलग-अलग है। कुछ सम्वत पूर्णिमा से शुरू होते हैं, जबकि अन्य अमावस्या से शुरू होते हैं। इसका कारण यह है कि विभिन्न सम्वतों का अपना एक विशिष्ट तरीका और महत्व होता है। विक्रम सम्वत सूर्य सिद्धांत पर आधारित है, जबकि महर्षि पराशर का पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित है। शरद पूर्णिमा का महत्व भी महर्षि पराशर के पंचांग में विशेष रूप से उल्लेखित है। इन सम्वतों का निर्माण और उनका महत्व समझने से हमें भारतीय संस्कृति और परम्पराओं की गहराई में जाने का अवसर मिलता

है। डॉ मिश्र बताते हैं कि विक्रम सम्वत की शुरुआत चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जो आमतौर पर मार्च या अप्रैल में आती है। यह राजा विक्रमादित्य द्वारा शुरू किया गया था और इसका उपयोग उत्तर भारत में व्यापक रूप से किया जाता है। इसी तरह महर्षि पराशर के पंचांग की शुरुआत आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जो आमतौर पर सितम्बर या अक्तूबर में आती है। यह पंचांग महर्षि पराशर द्वारा बनाया गया था और इसका उपयोग हिंदू पंचांग में व्यापक रूप से किया जाता है। इसी तरह शालिवाहन शाक की शुरुआत चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जो आमतौर पर मार्च या अप्रैल में आती है। यह कैलेंडर शालिवाहन नामक एक राजा द्वारा शुरू किया गया था और इसका उपयोग दक्षिण भारत में व्यापक रूप से किया जाता है। कलियुग की शुरुआत कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि से होती है, जो आमतौर पर अक्तूबर या नवम्बर में आती है। यह कैलेंडर भगवान कृष्ण के अवतार के बाद का युग माना जाता है और इसका उपयोग हिंदू पंचांग में व्यापक रूप से किया जाता है हर सम्वत का अपना एक विशिष्ट महत्व और लॉजिक होता है। सम्वत और कैलेंडर दो अलग-अलग शब्द हैं जिनका अर्थ और उपयोग भी अलग-अलग है। सम्वत समय और काल को प्रदर्शित करता है, जबकि कैलेंडर एक विशिष्ट प्रणाली है जिसमें दिन, महीने और वर्षों को व्यवस्थित किया जाता है।

राजस्थान में आज आधी रात से महंगा हो जाएगा टोल टैक्स

जयपुर (हिंस)। राजस्थान से गुजर रहे करीब 11 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवेज पर बने 140 में से 100 से ज्यादा टोल प्लाजाओं पर टोल दरें बढ़ाई गई हैं। टोल की दरों में वर्तमान दरों के मुकाबले आधा प्रतिशत से लेकर करीब 10 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। वाहन चालकों को अब जयपुर-अजमेर हाईवे पर अधिक टोल टैक्स चुकाना होगा। गाड़ियों पर 10 रुपए से लेकर 70 रुपए तक का अतिरिक्त भार पड़ेगा। नई रेट सोमवार आधी रात 12 बजे से लागू होंगी। जयपुर-अजमेर हाईवे पर दो मुख्य टोल प्लाजा हैं, जो ठिकरड़िया और बड़गांव-किशनगढ़ में स्थित है। यहां टोल टैक्स की दरों में बढ़ोतरी की गई है। नए रेट के अनुसार ठिकरड़िया टोल प्लाजा पर कार का 85 रुपए से 95 रुपए, हल्के कॉमर्शियल गाड़ी और मशिनी बस के लिए 140 रुपए से 155 रुपए, बस और ट्रक के लिए 295 रुपए से 330 रुपए, 3एक्सएल वाले कॉमर्शियल वाहन के लिए 320 रुपए से 360 रुपए, हैवी व्हीकल (चार से छह एक्सल) के लिए 460 से 515 रुपए और सात एक्सएल से अधिक के वाहन के लिए 560 से 630 रुपए कर दिए गए हैं। बड़गांव-किशनगढ़ टोल पर कार के लिए 55 से 60 रुपए तय किए गए हैं। एनएचएआई का कहना है कि टोल दरों में बढ़ोतरी इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार परियोजनाओं की वजह से हुआ है। अजमेर रोड पर पिछले चार सालों में कुल 10 फ्लाईओवर बनाए जा चुके हैं, जिनमें भांकरोटा, हीरापुरा, दहमीकलां, महलां, नर्सिंगपुरा, गाडोता, सावरदा, पाडासोली, मोखमपुरा और बांदर सिंदरी हैं। अधिकारियों का कहना है कि हर साल एक अप्रैल से टोल दरों में संशोधन किया जाता है और इस बार भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत यह बढ़ोतरी की गई है। उनका दावा है कि उच्च रखरखाव लागत और नए इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यों के चलते टोल बढ़ाना जरूरी हो गया था।

वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ काली पट्टी बांधकर लोगों ने अदा कि ईद की नमाज

भागलपुर (हिंस)। ईद का त्योहार इस्लाम धर्म का सबसे बड़ा त्योहार है लेकिन सोमवार को वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ काला पट्टी बांधकर लोगों ने ईद की नमाज अदा की। सभी का कहना है कि वक्फ बोर्ड बिल सदन में पास नहीं होना चाहिए। वरना ईद के बाद इससे भी ज्यादा जोर-शोर से आंदोलन किया जाएगा। वहीं ईद कमेटी के सचिव शम्स तवरेज रहमानी ने कहा कि वक्फ बोर्ड का बिल संविधान में कहीं से पारित नहीं होने देंगे। यह हम लोगों के संविधान के खिलाफ है। यह बिल वक्फ के रूह के खिलाफ है। हम लोगों का आपसी मामला है। हम लोग खुद इसका सुलह करेंगे। उन्होंने बताया कि जितनी भी जमीन है हम लोगों की है। उस पर गलत तरीके से सरकार इस जमीन पर नजर ना डालें। सरकार भारत के संविधान के खिलाफ कोई काम ना करें, अन्यथा बड़ा आंदोलन होगा।

यूपी में सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं पढ़ी गई नमाज : डीजीपी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने सोमवार को कहा कि यूपी में सार्वजनिक स्थानों पर नमाज नहीं पढ़ी गई है। ये सब धर्मगुरुओं और शासन की अपील पर हुआ है। त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि शासन के निर्देश का पूरा पालन किया गया हैं। ईद-उल-फितर (ईद) की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करायी गई है। इसमें जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई है। इस बार सड़कों पर नमाज अता नहीं की गई है, ये सब शासन के निर्देश और धर्म गुरुओं के कहने पर हुआ है। इसका सभी ने पालन किया है। 31 हजार स्थानों पर नमाज अता की गई है। डीजीपी ने यह भी कहा कि शाम के वक्त अक्सर देखा जाता है कि कुछ नए युवक तेजी से बाइक चलाते हैं। स्टंटबाजी करते हैं, उनसे अपील की गई है ऐसा न करें। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस बल को मुस्तैद किया गया है, चौकसी बरती जा रही है।

किन्नरों को भी दिया जाए आरक्षण : कौशल्या नंद गिरी

प्रयागराज (हिंस)। देश के संविधान में सभी को आरक्षण दिया गया है। लेकिन थर्ड जेंडर को अभी तक कोई आरक्षण नहीं दिया गया है। जिससे समाज में किन्नरों की स्थिति ठीक नहीं है। हमारी मांग है कि हमारे समाज को भी आरक्षण दिया जाए। यह बात सोमवार को किन्नर दिवस के मौके पर जुलूस निकालने के बाद किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी ने मीडिया से कही। उन्होंने कहा कि किन्नरों को भी पीएम आवास, शिक्षा सहित अन्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। यह हमारी देश के प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग है कि दिव्यांगो की तरह किन्नर समाज को भी सरकारी सुविधाएं दी जाए। उन्होंने बताया कि किन्नर दिवस के मौके पर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क के पास से एक दिव्य शोभायात्रा निकालकर खुशी मनाया गया। यह यात्रा इस लिए भी निकाला गया कि लोगों को पता चले आज के दिन किन्नर दिवस मनाया जाता है। शोभा यात्रा में काफी संख्या में किन्नर शामिल हुए और चंद्रशेखर आजाद पार्क से ऐतिहासिक सुभाष चौराहे तक खुशी मनाते हुए पहुंचे। यहां से यह यात्रा समाप्त हो गई।

होमगार्ड बहाली को लेकर छात्रों का आंदोलन शुरू, किया सड़क जाम

भागलपुर (हिंस)। होमगार्ड बहाली में नवगछिया को शामिल नहीं किए जाने के विरोध में सोमवार को पुलिस जिला नवगछिया में छात्रों ने जीरोमाइल क्षेत्र को जाम कर दिया। छात्रों का कहना है कि इस निर्णय से उन्हें नुकसान हो रहा है। इसलिए हमलोग अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए हैं। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों कीझलंबी कतारें लग गई। जिससे यातायात पूरी तरह से प्रभावित हो गया। जाम की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शन कर रहे छात्र टस से मस नहीं हुए। छात्र अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों से बातचीत करने की भी मांग कर रहे थे। प्रदर्शन कर रहे छात्र सूरज ने बताया कि होमगार्ड बहाली में नवगछिया पुलिस जिला को शामिल नहीं किया गया है। इसके लिए हजारों की संख्या युवा तैयारी कर रहे थे। उनके सपनों पर पानी फिर गया है। क्या भागलपुर जिला के हिस्सा नवगछिया नहीं है। अगर हिस्सा है तो फिर नवगछियावासियों के साथ ऐसा क्यों किया गया। हम चाहते हैं कि हमारे पुलिस जिला को होमगार्ड बहाली में शामिल किया जाए। जिससे कि हम युवाओं का सपना को साकार हो पाए।

जोधपुर में धूमधाम से मनाया जा रहा गणगौर पर्व

जोधपुर (हिंस)। धार्मिक नगरी सूर्यनगरी में सोमवार को गणगौर का त्योहार उत्साह, परंपरा और खुशी के साथ मनाया जा रहा है। यहां सुहागिन महिलाओं ने गणगौर तीज का व्रत रखा और सुहाग की लम्बी उम्र की कामना के लिए पूजा अर्चना की। गीतों के साथ हाथों पर मेहंदी सजाई। इस दौरान शहर में शाम को सोलह श्रृंगार के साथ गवर माता की सवारी व शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में परपरागत रूप से पुरुष महिला का स्वांग रचकर सिर पर घुड़ला रखकर चलेगी। इससे पहले भीतरी शहर में तीजणियों की टोली गाजे बाजे के साथ जलाशयों पर जल भर कर पूजा स्थल पर लाई और गवर ईसर को अर्पित किया। इस दौरान तीजणियों ने सज धज कर सोलह श्रंगार किए और साफा भी बांधा। गुलाब सागर, राणीसर पदमसर आदि जलाशय पर तीजणियों की टोली की रेलमपेल नजर आई। अपने सुहाग की रक्षा की कामना के लिए हर साल मनाया जाने वाला गणगौर का त्योहार इस बार भी मारवाड़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा

है। सुहागिन महिलाओं ने अपने सुहाग की रक्षा के लिए पूजा-अर्चना की। सुखी वैवाहिक जीवन और परिवार में वैभव की कामना को लेकर गणगौरी तीज पर शंकर-पार्वती के प्रतीक ईसर-गवर का विशेष पूजन किया गया। गवर पूजन स्थलों पर तीजणियों ने गोर-गोर गोमती, ईसर पूजे पार्वती गाकर गवर ईसर का पूजन किया और पारम्परिक गीत प्रस्तुत किए। इससे पूर्व तीजणियां समूह के रूप में मंगल गीत गाते हुए गाजे-बाजों के साथ पवित्र जलाशय पहुंची। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी-धजी तीजणियों में खासा उत्साह नजर आया। सोलह श्रृंगार के साथ गवर माता की सवारी व शोभायात्रा शाम को निकाली जाएगी। इस अवसर पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा के लिए पार्वती रूपी गवर माता को विशेष रूप से करीब 1.50 किलो सोना व 28 किलो का लहंगे से सजाया जाएगा। श्री गणगौर समिति के अध्यक्ष मूलचन्द मूंदड़ा ने बताया कि शाम को गवर माता की सवारी पेला मूंदरड़ों की गली राखी हाउस से प्रांरभ होकर पुंगलपाड़ा, हट्टड़ियों का चौक, कबूतरों का चौक, जालोरी गेट के अंदर, खांडा फलसा, आडा बजार, सर्राफा बजार, कपड़ा बजार, सिटी पुलिस, त्रिपोलिया बाजार होते हुए घण्टाघर में विश्राम कर वापस माणक चौक, लखारा बाजार होते हुए राखी हाउस पहुंचेगी। बता दे कि माता गणगौर की पूजा चौत्र कृष्ण प्रथम यानी धुलंडी से शुरू होकर चैत्र शुक्ल तृतीया यानी तीसरे नवरात्र को पूरी होती है। यह 16 दिन तक चलने वाली गणगौर पूजा यूं तो राजस्थान का मुख्य पर्व है, लेकिन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह त्योहार मनाया जाता है। गणगौर को गौरी तृतीया भी कहते हैं। अखंड सौभाग्य के लिए मनाया जाने वाला गणगौर पर्व मनाने के लिए कुंवारी लड़कियां और सुहागिन महिलाएं घर-घर में गणगौर यानी शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। इसमें ईसर और गौर यानी शिव-पार्वती की मिट्टी की मूर्ति बनाकर सोलह श्रृंगार कर सजाया जाता है। यह पूजा 16 दिन तक लगातार चलती है।

अब सरकारी स्कूलों में सीबीएसई की पढ़ाई, निजी स्कूलों से बेहतर होगी : ढांडा

पानीपत (हिंस)। हरियाणा के शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा ने दावा किया है कि अब प्रदेश के सरकारी स्कूल, प्राइवेट स्कूलों से कहीं ज्यादा बेहतर हैं। अब स्कूलों में सभी सुविधाओं को बढ़ा दिया गया है। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रदेश के अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिला करवाएं। बच्चों को बेहतर शिक्षा तो मिलेगी ही, इससे आपकी जेब पर भी डाका नहीं डलेगा। सोमवार को पानीपत में जारी बयान में शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर दिया है। हायर सेकेंडरी के अंदर 100 फीसदी कर दिया है, सेकेंडरी में 300 में से 200 को हमने कवर कर लिया है। नए सेशन में ट्रांसफर की बात हो, अतिथि अध्यापक, वोकेशनल या टेक्निकल अध्यापकों की बात हो।

संपादकीय

बहस के टूटे ठीकरे में मीडिया

बहुत सारी बातें पता चलती हैं, जब प्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते आगे निकलते हैं। राजनीति अगर प्रोफेशन है, तो पगार भी अधिकार है। गुजारे लायक जमीन सियासत को मिली है, तो हर जीत के विशेषाधिकार भी नत्थी हैं। हिमाचल विधानसभा जब खुशनुमा सहमति से विधायकों की तनख्वाह में बढ़ोतरी कर रही थी, तो बिरादरी क्या होती है इसकी खबर मीडिया को लग रही थी। इसलिए सदन में जिक्र बार-बार प्रेस गैलरी के नौजवानों पर हुआ और हर बहस के टूटे ठीकरों में बैठे मीडिया को कोसा भी गया, क्योंकि लोकतंत्र में पत्रकारिता का न अधिकार-न विशेषाधिकार है। महंगाई के दौर में लोकतांत्रिक रक्षा महंगी हो गई है यानी इसके हर स्तंभ को चाहिए खर्चा, शायद इसलिए 'इलेक्टोरल बांड' ईजाद हुआ और अपनी करामात से बंद भी हो गया। जनता पसोपेश में हर चुनाव की कीमत देखती है। बहुत मुश्किल है जीत कर विधायक या सांसद बनना। अब तो पंचायत पार्षद का चुनाव भी एक वित्तीय व्यवस्था है। इसलिए वेतन के भुगतान में अगले चुनाव की धडक़न सुनें, तो यह नाकाफी है। क्या कोई अपने वेतन-भत्तों की किफायत में चुनाव का खर्च उठा सकता है। यकीनन बड़ा मुश्किल है चुनाव से गुजर जाना। वेतन सांसदों के बढ़े, तो लाजिमी तौर पर प्रदेश के विधायकों के बढ़ाए जाने की जरूरत बढ़ गई। कम से कम वेतन बढ़ाने की कसौटी में डबल इंजन उपयोगी साबित होता ही है। सदन की बहस में भाजपा के जो विधायक बोले क्या खूब बोले। वे सरकार के पक्ष और प्रदेश के यथार्थ में बोले, मगर हम सिर्फ यह बोलेंगे कि इसी जज्बे से ये जवाबदेह प्रतिनिधि हिमाचल के पक्ष में केंद्र के कानों में भी बोलें। हमने कब एक बार चुने हुए प्रतिनिधि महोदय की क्षमता का विवरण उसकी शिक्षा में देखा। वह पांच साल लगाकर सैलरी और पेंशन का हकदार हो सकता है, क्योंकि यह उसका संवैधानिक अधिकार है। यहां यही लोकतंत्र है। हम कह सकते हैं कि भारत का लोकतंत्र अच्छे मूड में है और सदा रह सकता है, बशर्ते माननीयों को यह चिंता न हो कि देश में महंगाई दर क्या है, उनकी जरूरतें कितनी हैं, उनकी सुविधाएं कितनी हैं, उनका रौब कितना है, देश पंगु कितना है या प्रदेश पर कर्ज कितना है। वैसे हाजिरी का रजिस्टर तय करता है कि पगार पाने का भी अनुशासन होता है, इसलिए दिन भर खबर का इंतजार करता पत्रकार तनख्वाह की गैरहाजिरी लगाता है। यह दीगर है कि अब मीडिया की हाजिरी पर राजनीति के दस्तखत होने लगे हैं, हर दरबार में पत्रकार उपस्थित होने लगे हैं। मीडिया अब सिर्फ अखबार नहीं, इसलिए विधायक भी अपनी खबरों की वीडियो चढ़ाने लगे हैं या इधर-उधर डिजिटल चैनलों में सरकाने लगे हैं। जितना सदन अंदर था, उससे ज्यादा बाहर भी, क्योंकि विधायकों के वीडियो अब पत्रकारों की संपत्ति और व्यूज की हस्ती होने लगे हैं, फिर भी गिला है कि पत्रकार वफादार नहीं होते। जो माननीय सदन से अपने वीडियो, जनता से अपने संपर्क, पक्ष-प्रतिपक्ष के वाद-विवाद, राजनीतिक चुगलियां और अपनी छवि के मसलों पर मीडिया के मैत्री पक्ष पर सजदा करते हैं, वही अगर अपने वेतन के औचित्य पर पत्रकारिता को कोसें, तो मानना पड़ेगा कि उनकी शक्तियों का प्रदर्शन लोकतंत्र की किस बुनियाद पर हो रहा है। जिन तर्कों पर विधायकों के वेतन-भत्ते बढने चाहिए, उन्हीं की मर्यादा में राज्य की वित्तीय व्यवस्था, बेरोजगारों की महत्त्वाकांक्षा और पत्रकारों की आत्मनिर्भरता व स्वतंत्रता के पक्ष में वित्तीय अनुशंसा की आलोचना गैर जरूरी है। हिमाचल से करीब आधा दर्जन अखबार प्रकाशित हो रहे हैं और इतने ही बाहर से आ रहे हैं, तो यह रोजगार का निवेश भी तो है।

> राजनीति अगर प्रोफेशन है, तो पगार भी अधिकार है। गुजारे लायक जमीन सियासत को मिली है, तो हर जीत के विशेषाधिकार भी नत्थी हैं। हिमाचल विधानसभा जब खुशनुमा सहमति से विधायकों की तनख्वाह में बढ़ोतरी कर रही थी, तो बिरादरी क्या होती है इसकी खबर मीडिया को लग रही थी। इसलिए सदन में जिक्र बार-बार प्रेस गैलरी के नौजवानों पर हुआ और हर बहस के टूटे ठीकरों में बैठे मीडिया को कोसा भी गया, क्योंकि लोकतंत्र में पत्रकारिता का न अधिकार-न विशेषाधिकार है। महंगाई के दौर में लोकतांत्रिक रक्षा महंगी हो गई है यानी इसके हर स्तंभ को चाहिए खर्चा, शायद इसलिए 'इलेक्टोरल बांड' ईजाद हुआ और अपनी करामात से बंद भी हो गया। जनता पसोपेश में हर चुनाव की कीमत देखती है। बहुत मुश्किल है जीत कर विधायक या सांसद बनना। अब तो पंचायत पार्षद का चुनाव भी एक वित्तीय व्यवस्था है। इसलिए वेतन के भुगतान में अगले चुनाव की धडक़न सुनें, तो यह नाकाफी है। क्या कोई अपने वेतन-भत्तों की किफायत में चुनाव का खर्च उठा सकता है। यकीनन बड़ा मुश्किल है चुनाव से गुजर जाना। वेतन सांसदों के बढ़े, तो लाजिमी तौर पर प्रदेश के विधायकों के बढ़ाए जाने की जरूरत बढ़ गई। कम से कम वेतन बढ़ाने की कसौटी में डबल इंजन उपयोगी साबित होता ही है।

नई व्यापार रणनीति के तहत तीन महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं

टैरिफ जंग से मुकाबले की रणनीति

डा. जयंती लाल भंडारी

> तीन, व्यापार वार्ता में भारत के लिए सिरमौर बने हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स और ऑटोमोटिव सेक्टर को विशेष रूप से शामिल कराने पर ध्यान दिया जाए। इससे वैश्विक वैल्यू चेन (जीवीसी) में भारत की जो हिस्सेदारी अभी सिर्फ 3 .3 फीसदी है, वह हिस्सेदारी तेजी से बढ़ते हुए भी दिखाई देगी। हाल ही में 16 मार्च से 20 मार्च तक न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान लक्सन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, विशेष रूप से व्यापार, कृषि, शिक्षा, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई अहम सझमौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

यकीनन जहां दुनिया में एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के कारण बहुराष्ट्रीय व्यापार समझौतों का सितारा अस्त हो रहा है, वहीं नए द्विपक्षीय व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का जो नया दौर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसमें भारत नई व्यापार रणनीति के साथ सबसे आगे है। भारत की इस नई व्यापार रणनीति के तहत तीन महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। एक, अब लंबे समय तक व्यापार वार्ता चलाने के बजाय व्यापार वार्ता शीघ्रतापूर्वक पूरी की जाए। दो, व्यापार वार्ता के तहत मुख्य कारोबारी मुद्दों जैसे शुल्क, गैर शुल्क बाधाओं पर शुरुआत में ही प्राथमिकता के साथ विचार मंथन किया जाए। तीन, व्यापार वार्ता में भारत के लिए सिरमौर बने हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स और ऑटोमोटिव सेक्टर को विशेष रूप से शामिल कराने पर ध्यान दिया जाए। इससे वैश्विक वैल्यू चेन (जीवीसी) में भारत की जो हिस्सेदारी अभी सिर्फ 3.3 फीसदी है, वह हिस्सेदारी तेजी से बढ़ते हुए भी दिखाई देगी। हाल ही में 16 मार्च से 20 मार्च तक न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान लक्सन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, विशेष रूप से व्यापार, कृषि, शिक्षा, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई अहम सझमौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। खास बात यह कि पिछले 10 वर्षों से प्रस्तावित और धीरे-धीरे आगे बढ़ रही भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता वार्ता को अब शीघ्रतापूर्वक महज 60 दिन में पूर्ण करना भी सुनिश्चित किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत 28 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग (ईयू) की प्रेसिडेंट उर्सला वोन लेयेन ने दोनों पक्षों के बीच कारोबार एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर जारी किंतु-परंतु को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। दोनों नेताओं ने इस बारे में प्रतिबद्धता जताते हुए अपने संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के हितों के मुताबिक भारत-ईयू व्यापार समझौते पर इस वर्ष 2025 के अंत तक मुहर लगाई जाए। इसी तरह विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के

दौरान द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2030 तक 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले माह फरवरी में भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के व्यवसाय व कारोबार मंत्री जोनाथन रेनाल्ड्स ने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक समझौते का उद्देश्य पांच से छह वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार को तीन गुना करना है। ऐसे में भारत ने ईयू की तरह अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भी मुक्त व्यापार व निवेश समझौते को इसी साल 2025 में पूर्ण किए जाने के मद्देनजर रणनीति तय की है। यह उल्लेखनीय है कि इस समय जब दुनिया में द्विपक्षीय व्यापार समझौते नए सिरे से दोबारा अहम हो गए हैं, तब भारत प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के तहत जून 2024 से आगे बढ़ी व्यापार वार्ताओं को तेजी से पूर्ण करने और व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन के लिए तत्परता से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि हम पलटकर देखें तो पाते हैं कि गत वर्ष 13 से 15 जून को इटली में विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष आमंत्रित देश के रूप में भारत शामिल हुआ और इस मौके पर सम्मेलन में शामिल प्रमुख देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ भारत की द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं भी हुई। विगत 9 जुलाई को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मास्को में भारत और रूस के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा के बाद भारत और रूस ने द्विपक्षीय कारोबार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। 22 सितंबर को न्यूयार्क में भारत और अमेरिका के बीच हुई बातचीत में कई व्यापार समझौतों के साथ कोलकाता में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने का करार हुआ है। विगत 22 से 24 अक्टूबर तक कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भारत ने द्विपक्षीय वार्ताओं के लिए रणनीतिक लाभ लिया। साथ ही भारत और चीन के बीच पांच साल बाद अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस वार्ता के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों का नया अध्याय दिखाई दे रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा कई और व्यापार वार्ताओं को तत्परता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री मोदी ने 16 से 21 नवंबर तक ब्राजील, नाइजीरिया और गुयाना के पांच दिवसीय दौरे के दौरान जहां जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर फ्रांस, इटली, ब्राजील, सिंगापुर, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे और स्पेन समेत कई देशों के नेताओं के साथ 31 द्विपक्षीय और अनौपचारिक वार्ताएं की, वहीं नाइजीरिया और गुयाना पहुंचकर इन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की सार्थक वार्ताएं की। इसी तरह विगत 16 दिसंबर को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके अपने सबसे पहले राजकीय विदेशी दौरे पर भारत आए और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ नई दिल्ली में लाभदायक द्विपक्षीय वार्ता की। अब दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती देने तथा पिछले वर्ष दिसंबर में की गई व्यापार वार्ताओं को अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी आगामी माह अप्रैल में श्रीलंका जाएंगे। यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि विगत 21 और 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा कुवैत यात्रा के दौरान कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के साथ द्विपक्षीय वार्ता में आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, फिनटेक, बुनियादी ढांचे आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जो प्रभावी व्यापार वार्ता शीघ्र ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते के रूप में दिखाई दे सकती है। इन सबके साथ-साथ जहां नॉर्वे, हंगरी, ग्वाटेमाला, पेरू, चिली के साथ भी शीघ्र ही व्यापार समझौते की बातचीत शुरू हो सकती है, वहीं अब भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। इसमें कोई दोमत नहीं कि अमेरिका के टैरिफ लगाए जाने की योजना का भारत पर कोई ज्यादा असर नहीं होगा। विभिन्न नई शोध अध्ययन रिपोर्टों में यह बताया गया है कि ट्रंप की टैरिफ योजना से भारत के कुल निर्यात में महज 3 से 3.5 फीसदी गिरावट आ सकती है।

दृष्टि कोण

बदल रहा सरकारी स्कूल का प्रांगण

हिमाचल के पुनर्गठन के बाद साक्षरता एवं शिक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। 1996, 2006 की प्रोब रिपोर्ट में आम जनमानस की शिक्षा के प्रति प्रगति, बच्चों को विद्यालय में पढ़ाने की सजगता तथा अच्छी शिक्षा के लिए तत्परता दिखाई देती है। क्वॉलिटी एजुकेशन के मानक होना जरूरी है, जिनमें मूलभूत इंफ्रास्ट्रक्चर, अन्य विद्यालय स्तरीय सुविधाएं, विद्यालय एवं कक्षा का वातावरण, अच्छी एवं सकारात्मक सोच, विद्वान अध्यापक व उनका पढने-पढ़ाने हेतु उपयुक्त एवं पर्याप्त समय, कक्षा में सीखने संबंधी विभिन्न गतिविधियां, डिजिटल स्मार्टबोर्ड प्रौद्योगिकी, नियोजित विद्यालय प्रबंधन, सुंदर ड्रेस कोड, मजबूत मूल्यांकन प्रणाली, डिजिटल लाइब्रेरी, समुदाय की सहायता, निरीक्षण एवं अनुश्रवण प्रमुख होते जा रहे हैं। इन सभी मानकों को हम विद्यालय के परिवेश में जितनी गहनता से उतारेंगे, उतनी ही अच्छी शिक्षा विद्यार्थियों में संप्रेषित होगी और उसे बच्चों के व्यवहार एवं अधिगम स्तरों में देखा जा सकता है। आधुनिक युग में माता-पिता के साथ-साथ विद्यार्थी भी अच्छी शिक्षा के लिए सजग हैं। जिस विद्यालय में यह सब स्टैंडर्ड हैं, वे भी वहीं पढना पसंद करते हैं। इसलिए प्रत्येक विद्यालय को इन सभी मानकों को शुरू करने तथा इनमें निरंतरता बनाए रखने की आवश्यकता है और इन्हीं मानकों से बच्चे विद्यालय में प्रवेश लेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने हेतु केंद्र प्रायोजित योजना पीएम श्री प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया को 7 सितंबर, 2022 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया। इस योजना के तहत मौजूदा सरकारी स्कूलों को सुदृढ़ करके पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) स्थापित करने का प्रावधान किया है। यह स्कूल एक आदर्श स्कूल के रूप में उभरेंगे और पड़ोस के अन्य स्कूलों को नेतृत्व भी प्रदान करेंगे। पीएम श्री स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूल में न्यायसंगत, समावेशी और आनंदमय वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में नेतृत्व प्रदान करने के लिए वचनवद्ध हैं। इस योजना को प्राथमिक और प्रारंभिक विद्यालयों में बाला फीचर और जादुई पिटारा, प्री स्कूल शिक्षा में सहायता, बच्चों के अनुकूल फर्नीचर, आउटडोर खेल सामग्री आदि जैसे सभी घटकों को शामिल करके और माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए फर्नीचर, पूरी तरह से सुसज्जित एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला/भौतिकी प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला/जीवविज्ञान प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षाएं, कंप्यूटर लैब/आईसीटी लैब, अटल टिंकरिंग लैब, कौशल प्रयोगशाला, स्कूल नवोन्मेष परिषद, अच्छी तरह से सुसज्जित खेल सुविधाओं के साथ खेल का मैदान उपलब्ध कराकर कार्यान्वित किया जा रहा है। इसी तरह से राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल पूरी सुविधाओं से लैस होकर बनने वाले हैं। इससे पूर्व डीपीईपी, सर्व शिक्षा अभियान तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान ने भी विद्यालयों की दशा व दिशा सुधारी है और अब समग्र शिक्षा विद्यालय संचालन के लिए आवश्यक धन सामग्री जुटाने के साथ-साथ अध्यापक प्रशिक्षण, नवाचार, डिजीटल स्मार्ट अधिगम प्रौद्योगिकी तथा विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण के कार्य कर रहा है। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब पढ़ाई का तौर-तरीका बदल रहा है। यह बदलाव प्रदेश सरकार द्वारा गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए उठाए गए सार्थक कदमों के कारण हो रहे हैं। सरकारी स्कूलों में मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, मुफ्त वर्दी योजना, पोषणयुक्त मध्याह्न भोजन, कौशल भत्ता, सीसीटीवी सुरक्षा और विभिन्न छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं। सरकारी स्कूलों में दाखिला बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग ने जागरूकता अभियान तेज किया है। परीक्षाओं के बीच शिक्षक अभिभावकों से संपर्क कर सरकारी स्कूलों की सुविधाओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा और बेहतर सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली बेहतर शिक्षा, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), सामाजिक जागरूकता शिविर, पर्यावरण संरक्षण, बच्चों का हेल्थ चेकअप, कैरियर काउंसिलिंग, नशा निवारण कार्यक्रम और मोबाइल के दुरुपयोग पर जागरूकता अभियान जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। सभी विद्यालय अपने-अपने विद्यालय के विज्ञापन सोशल मीडिया पर देकर विद्यालय का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। इसके साथ अंग्रेजी मीडियम में पढने की व्यवस्था करना तथा हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत के कम्युनिकेशन स्किल को सुदृढ़ता से विद्यालय में लागू करने की अभी और आवश्यकता है, जिसके लिए विद्यालय स्तर पर अध्यापकों को आम सहमति से आगे बढने की संभावनाएं तलाशनी होंगी। समय के साथ शिक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीक का समावेश न केवल आवश्यक है, बल्कि यह बच्चों के सीखने के अनुभव को भी बेहतर बनाता है।

कुछ अलग

एआई भारत में फेल...

वह दिल्ली में कूड़े के ढेर को देखकर उत्साहित होता है। घर से निकलते ही उसे देश की राजधानी का कूड़ा निमंत्रण देने लगता है। घर-घर का कूड़ा, कार्यक्रमों-योजनाओं और परियोजनाओं का कूड़ा। दिल्ली का कूड़ा उसके जीवन-प्राण का सहारा है। वह आदतन उस दिन भी कूड़े के ढेर के पास पहुंच कर मुस्कराया और काम पर जुट गया, सोचने लगा, कितना खजाना है उसकी किस्मत में, जो हर घर, हर गली, हर मोहल्ले और पूरे देश से निकल कर केवल उसके सामने हाथ-पांव जोड़ता है, 'उठा लो, अब भी मुझे उठा लो। और मैं उठा लेता कभी रेस्तरां से फेंका हुआ खाना, कभी फटी हुई जीन्स, कभी कोई पेंच और कभी कोई टूटे हुए चश्मे का फ्रेम।' उसके हाथों में टूटे हुए पंखे, वाशिंग मशीनों के पुर्जे, गैस के चूल्हे और कभी-कभी टूटे हुए बेलन भी आ जाते हैं। उस दिन कमाल हो गया। वहां रावण और राम के मुखौटे एक साथ मिल गए। उसने रावण का पहना और अट्टहास लगाया। पहली बार वह खुद पर खूब हंसा था, कितना बड़ा हो जाता है वह रावण के मुखौटे में। उसने राम का पहना तो खामोश हो गया। यह कैसा राम राज्य। घर-घर के कूड़े में, देश के कूड़े में। उसकी फटी अंगुलियों में, फटे पांव की बेडियों में। उसने सोचा, 'राम कहने में चाहे सरल हो, बनना तो बहुत मुश्किल है। मुखौटा पहने वह पूरे देश को देखने लगा, लेकिन सामने रावण के मुखौटे को देखना अति पीड़ाजनक था।' राम के मुखौटे में रावण होने का एहसास उसे होने लगा। वह इसी उधेड़बुन में था कि उसने कूड़े के ढेर पर हलचल देखी। वहां एलन मस्क का सबसे स्मार्ट एआई ग्रोक बीच में से निकल कर पूरी तरह विकसित होकर खड़ा था। वह हैरान हुआ कि असली कूड़े के ढेर में यह 'कृत्रिम होशियारी' क्या कर पाएगी। मन ही मन में वह खुश भी हुआ कि भारतीय कूड़े की गहराई और ऊंचाई एआई तक के दिमाग को चक्कर खाने पर मजबूर कर रही है। भारतीय संदर्भों की असलियत में एलन मस्क का एआई सिस्टम फेल हो रहा था। एआई ने इससे पहले भारत की हर गाली का जवाब गाली से दिया। नेताओं से लेकर प्रधानमंत्री तक को बुरा-भला कहा, लेकिन लाख कोशिश करके भी 'ग्रोक' कूड़े के भीतर भारतीय जिंदगी का राज नहीं खोल पाया। भारतीयता के इस अंबार में एआई फेल होने के करीब था। कूड़े ने उससे पूछा, 'क्या यह बता सकते हो मेरे भीतर कितने युगों का भंडार है।' ग्रोक ने सारे विश्व के कूड़े का रिकार्ड खंगाला, लेकिन बता नहीं पाया कि उस पहाड़ के नीचे कितने युगों का भारत है। कूड़ा हंसा और एआई को एक पुराने कूड़े का टुकड़ा पकड़ाया। एआई को छोटे से टुकड़े में सारा विश्व नजर आने लगा। कूड़े के सम्मोहन में आ चुका 'ग्रोक' भारत का मुरीद हो गया। वह कूड़े के ढेर में भारत की हकीकत देखने लगा। जो सामने था, उसे समझने लगा। वहां वह हजारों भारतीयों को कूड़े में से अपनी जरूरतें पूरी करते देख रहा था। कोई चीखा, 'देखो! यह रहा शराब ठेके को लूटने का दराट। यह चिट्टे को सप्लाई करने का बाक्स। वो सामने रहे विधानसभाओं से उखाड़े गए माइक और वे रहीं भ्रष्टाचार उन्मूलन की फाइलें।' वहां देश का कचरा रोजगार दे रहा था, लेकिन भारतीय करंसी के नोट जले हुए मिल रहे थे। एआई की समझ में यह नहीं आ रहा था कि भारतीय अपनी करंसी को जलाकर भी जॉब वर्क कैसे पूरा कर लेते हैं। एआई ने अपनी कृत्रिम शक्ति से सोचा ये करंसी के नोट आखिर जलने से बचे क्यों नहीं। कूड़ा एकत्रित कर रहे बच्चे ने कहा, 'यह भारत है, यहां हम आग बुझाने के लिए नोट जलाते हैं। सुना है इस बार किसी जज के घर की आग बुझाने के लिए ढेरों करंसी इस्तेमाल हुई।'

देश दुनीया से

शत्ति-पर्व पर कल्याण कलश की स्थापना का अवसर

ब्राण्डीय ऊर्जा से पिण्डीय सामर्थ को विकसित करने हेतु ज्योतिष शास्त्र और नक्षत्रीय विज्ञान में नवरात्रि महापर्व पर की जाने वाली साधनाओं का उल्लेख किया गया है। सनातन धर्म में चैत्र माह के नवरात्रिकाल को शत्ति पर्व के रूप में मनाने की परम्परा रही है। इस हेतु काया में स्थापित पिण्ड को ब्रrाण्ड की अनन्त शत्तियों से जोड़ने का विधान है जिसमें स्वः की आन्तरिक व्रियायें तीव्र करना पड़ती हैं। संगदोष से रहित होकर विचार शून्यता की स्थिति में पहुंचा जाता है, तभी एकाग्रता के केन्द्रीयकरण से चिन्तन की सामर्थ द्वारा परा- शत्तियों के साथ जुड़ाव होता है। इसी जुड़ाव को योग भी कहा जाता है। अतीत की अनुभूतियों और भविष्य की कल्पनाओं के चिन्तन में हमेशा लगे रहने वाले मन के शान्त होते ही अन्तःकरण में एक रित्तिता का भान होने लगता है। इस खालीपन को भरने के लिए अनन्त की शत्तियों का प्रवाह तरंगों के माध्यम से प्रारम्भ हो जाता है। अध्यात्म के गूढ़ रहस्यों, परा-विज्ञान के जटिल सूत्रों और शाश्वत के ज्ञान की दिशा में बढ़ने के लिए सद्गुरु की महती आवश्यता होती है। सद्गुरु न केवल अध्यात्म, परा-विज्ञान और शाश्वत की त्रिवेणी में स्नान कर चुका होता है बल्कि दूसरों को स्नान करने के सामर्थ पर भी अधिकार रखता है। ऐसे सामर्थवान लोग बा दिखावे, तुच्छ चमत्कार और बाजीगरी से कोसों दूर रहते हैं। उनकी साधनात्मक सुगन्ध स्वमेव ही वातावरण में पैलती है। उनके चुम्बकीय ऊर्जा चा से आगन्तुक अपने आप रोमांचित हो उठता है, वैचारिक झंझावतों का शमन होने लगता है और होने लगाता है एक अनजानी सी शान्ति का बोध। वर्तमान में कथित चमत्कारों से आर्कषित करने वाले बाबाओं की भीड़ निरंतर बढ़ती जा रही है। सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक, शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त लोगों की भीड़ जादुईं करिश्में की आशा में ढौंगी बाबाओं के दरबारों में माथा टेकने लगते हैं। टोने-टोटकों की दम पर अतीत की घटनाओं को बताने वाले धनलोलुप लोग अपनी वुटिल चालों, सोशल मीडिया और चन्द सिपाहसालारों की दम पर अन्धविश्वास परोसने में लगे हैं। यह अध्यात्म नहीं है, यह धर्म भी नहीं है और न ही होता है इसका कोईं स्थाईं परिणाम। जैसे दर्द नाशक दवा खाने से रसायन के असर रहने तक मस्तिष्क में पीड़ा के संदेश रुक जाते हैं परन्तु असर समाप्त होते ही कष्ट का विकराल स्वरूप सामने आने लगता है। ठीक ऐसा ही टोटकेबाजों के तिलिस्म का प्रभाव होता है। यहां पर बा रसायन नहीं दिया जाता बल्कि मानसिक खुराक की आपरूति होती है। टोटकेबाजों के पास पहुंचते ही वहां के वातावरण में व्याप्त कही-सुनी घटनाओं की चर्चाओं का बाहुल्य, एक अनोखी सुगन्ध का अहसास, जयकारों की गूंज, दिखावटी व्रियाओं का प्रत्यक्षीकरण, सिहासन की गरिमा, दरबार में बैठी अनुयायियों की भीड़ जैसे मानसिक प्रभाव डालने वाले कारक पहले से ही मौजूद रहते हैं। इन सब का प्रभाव आगन्तुक की मनःस्थिति पर पड़ने लगता है और वह वहां के सम्मोहित करने वाले तत्वों का शिकार हो जाता है। बस यहीं से शुरू हो जाती है आगन्तुक के शोषण की प्रव्रिया। सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक सामर्थ के अनुरूप टोटकेबाजी का दिग्दर्शन कराया जाता है, सम्मान दिया जाता है और फिर सेवा के नाम पर होने लगती है वसूली। बार-बार आने, विश्वास करने और प्रदान किये गये कर्मकाण्ड की नित्यावृति के निर्देशों के तले याचक दबता चला जाता है। समस्या की विकरालता, अनिष्ट का भय और वृपा से निदान की गारन्टी दी जाती है। ऐसे जाल में पंसने वाले लम्बे समय तक टोटकेबाजों के शोषण का शिकार होते रहते हैं। तिलिस्म टूटने की स्थिति तक पहुंचने-पहुंचते वे बरबाद हो चुके होते हैं। वहीं दूसरी ओर सत्य के मार्ग पर चलने वालों पर सहजता, सरलता और सौम्यता का आवरण पड़ा रहता है। प्रवृति के साथ सामंजस्य करने वाली अनुशासनात्मक जीवन शैली का अनुशरण करने वाले साधकों को पहचानना बेहद कठिन होता है। सांसारिक वैभव से दूर रहने वाले ऐसे साधकों के लिए परमानन्द से बड़ा कोईं सुख नहीं है। इष्ट के निरंतर चिन्तन से बढ़कर कोईं कार्यं नहीं है। बिना दिखावे के परमार्थ करने के कारण अहंकार भी नहीं है। ऐसे लोगों के सानिध्य में आते ही परिवर्तन की बयार चलने लगती है। सुखानुभूति होने लगती है। नश्वर भौतिक जगत की वास्तविकता का बोध होने लगता है। देश-दुनिया में न्यूनतम आवश्यकताओं पर सांसों की कदमताल करने वाली साधनात्मक कायाओं का अकाल नहीं है परन्तु उन्हें पहचानने हेतु अन्तर्दृष्टि की आवश्यकता होती है। समाज के प्रति, जीवों के प्रति और स्वः के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए सद्गुरु के दर्शन, उनकी वृपा और मार्गदर्शन का सुयोग स्वतः ही बनने लगता है। दया के भाव से उदित होने वाले कल्याणकारी कार्यं अपने आप संपादित होने लगते हैं। शत्ति-पर्व पर कल्याण कलश की स्थापना का अवसर सामने है। इस काल में अनन्त की ऊर्जा का प्रवाह तीव्रतम होता है जिसे साधनात्मक प्रव्रिया से ग्रहण किया जा सकता है। यही ऊर्जा आने वाले समय में जीवधारियों से लेकर प्रवृति तक के मध्य प्रेम, अपनत्व और सहकारिता की भावना विकसित करती है। धर्म के वास्तविक स्वरूप में जीवन जीने की विशेष पद्धति, समाज विशेष की विभेदकारी व्यवस्था या थोपी गईं ायित्मक दक्षता का नितांत अभाव होता है। धर्म तो शाश्वत सत्य को विश्वास, श्रद्धा और प्रेम के सिद्धान्तानुसार ही समझा जा सकता है। देश, काल और परिस्थितियों से उपजी भाषा, क्षेत्र, मान्यता आदि की विभाजनकारी संस्वृतियों का इससे कोईं संबंध नहीं होता। ईंद और शत्ति-पर्व का समुच्चय धनात्मक दिशा में सुगन्ध का वातावरण निंमित करने हेतु अवतरित हुआ है। इसमें वैमनुष्यता, कटुता और हिसा का कोईं स्थान नहीं है परन्तु फिर भी धर्म के कथित ठेकेदार अपनी भौतिक स्वार्थ-सिद्धि हेतु षड्यंत्रों को अमली जामा पहनाने की फिराक में हैं।साधनात्मक काल को विवृत होने से बचाने का दायित्व केवल सरकारों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी है।

आप का नजरीया

भूकंप नहीं, 'प्रलय'

म्यांमार और बैंकॉक में धरती का कंपन महज भूकंपीय आक्रमण नहीं था, बल्कि एक नए किस्म का 'प्रलय' था। हमने प्राचीन ग्रंथों में प्रलय का उल्लेख पढ़ा है, लेकिन यह प्रलय लोगों ने अपनी आंखों से देखा। खुद के अस्तित्व पर महसूस किया। तकनीक, विकास और इंजीनियरिंग की ताकत पर इतराती, गगनचुंबी इमारतों को ढहते और मलबा होते भी देखा। कैसा अप्रत्याशित, अभूतपूर्व अनुभव रहा होगा? जिंदगियों की अंतिम चीखें भी सुनीं और उन्हें लाश होते हुए भी देखा। यदि 30 मंजिला इमारत भी ताश के पत्तों की तरह, भरभरा कर, ढह जाए, बिखर जाए, तो बैंकॉक का अपनी अत्याधुनिक तकनीक, अपने विकास पर इतराना बेमानी लगता है। इनसान और देश कुदरत की नियति से बड़े नहीं हो सकते। हम सब धरती पर कुदरत के किराएदार हैं, यह एहसास हर समय रहना चाहिए। बैंकॉक में 70-80 मंजिल से 130 मंजिल तक की गगनचुंबी इमारतें हैं। यह इनसान, इंजीनियरिंग और उसकी विलासिता का अहंकार ही है। म्यांमार तो विश्व में सबसे अधिक भूकंप संवेदी देशों में एक है। वहां हर माह औसतन 7-8 भूकंप आते रहते हैं। इस बार भी 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद भी 15 और झटके महसूस किए जा चुके हैं। यह भूकंप जापान के हिरोशिमा, नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों से कई गुणा अधिक ऊर्जा वाला था, नतीजतन मौत का आंकड़ा 1700 को पार कर चुका है। घायल 3400 से ज्यादा हैं और 139 लोग लापता हैं। करीब 2900 इमारतें, 30 सडक़ें, 7 पुल, एक बांध आदि क्षतिग्रस्त हुए हैं अथवा मलबे के ढेर में तबदील हो गए हैं। एक अमरीकी एजेंसी का आकलन है कि म्यांमार में ही मौत का आंकड़ा 10,000 को पार कर सकता है। ऐसा खौफनाक, डरावना मंजर 'प्रलय' नहीं होगा, तो और क्या होगा? म्यांमार ऐसा पिछड़ा देश है, जहां भूकंप के जोखिम और आक्रमण सामान्य हैं, लेकिन वह भूकंप के संदर्भ में अक्षम और पाषाणकालीन है। मलबा हटाने तक की मशीनें भी उसके पास नहीं हैं। हाथ से मलबा हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं, इतने में तो दम घुटने से जिंदगी का बचना असंभव लगता है। 'कुदरत का करिश्मा' तो अपवाद ही होते हैं। भारत ने 50 टन से अधिक राहत-खाद्य सामग्री भेजकर अपने पड़ोसी देश की मदद की है। एनडीआरएफ के जवान और उपकरणों के साथ चिकित्सीय टीमें भी भेजी हैं। म्यांमार-बैंकॉक के ताकतवर भूकंप का असर हमारे पूर्वोत्तर राज्यों-मणिपुर, मेघालय, मिजोरम आदि-समेत बंगाल पर भी पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल से फोन पर बातचीत की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। दुनिया में 7 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप असामान्य नहीं हैं। पिछले दो सालों में तीन बड़े भूकंप आ चुके हैं। भारत में कई इलाके भूकंप की तीव्रता के दायरे में हैं। उनका वर्गीकरण किया हुआ है। विडंबना तो यह है कि भारत में करीब 45 फीसदी इमारतें बिना नक्शे के ही बनाई गई हैं। हमें इस भूकंप से सबक लेना होगा।

म्यांमार में भूकंप के बाद का बाद का मंजर खौफनाक, मांडले में मलबे में दबे लोगों के जीवत होने की उम्मीद क्षीण

नाएप्रीडॉ

म्यांमार के मांडले शहर में भूकंप के बाद तबाही का मंजर खौफनाक है। समय गुजरने के साथ मलबे में दबे लोगों के जीवित होने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 1,700 लोगों की मौत हो चुकी है। भूकंप के बाद की तीसरी रात लोगों ने खुले में सोकर बिताई। मांडले में सोमवार सुबह राहत और बचाव कार्य बेहद धीमी गति से शुरू हुआ है। यहां बहुत सूरज आसमान से आग बरसा रहा है। सवेरे का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

बैंकॉक पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, मांडले में चिपचिपी गर्मी ने बचाव कर्मियों को थका दिया है। शवों के सड़ने से उनकी पहचान करना मुश्किल हो सकता है। राहत और बचाव कर्मचारियों ने रविवार शाम मांडले में 55 घंटे से ज्यादा समय से मलबे में फंसी एक जीवित गर्भवती महिला को निकालने की कोशिश की। उन्होंने उसे निकालने के लिए उसका पैर काटा, लेकिन बाहर निकालने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, सुबह ईद-उल-फितर की नमाज के लिए लोग शहर की एक नष्ट हो चुकी मस्जिद के पास इकट्ठा हुए। यहां सैकड़ों लोगों का सामूहिक अंतिम संस्कार होने की उम्मीद है।

शुक्रवार दोपहर को मांडले के पास 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके कुछ मिनट बाद 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटकों से इमारतें ढह गईं। पुल गिर गए और सड़कें उखड़ गईं। भूकंप से मध्य म्यांमार में सबसे अधिक तबाही हुई है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज ने रविवार को पीड़ितों की मदद के लिए 100 मिलियन से अधिक लोगों के लिए आपातकालीन सेवा शुरू की।

न्यूज ब्रीफ

गाजा में इजराइल ने बरसाए बम, नौ की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल के सुरक्षा बलों की गाजा में की गई ताजा बमबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस बीच फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने 15 आपातकालीन कर्मचारियों के शव बरामद किए हैं। इनके वाहनों पर एक सप्ताह पहले दक्षिणी गाजा में राफाह के पास गोलीबारी की गई थी। खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी हमला जारी रखा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास को युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए अपने हथियार डालने चाहिए। वह अपने लड़ाकों को गाजा से बाहर करे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के युद्ध में कम से कम 50,277 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 114,095 घायल हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने लगभग दो महीने पहले अपने मृतकों की संख्या को 61,700 से अधिक बताया था। सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के दौरान इजराइल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया था। तब से गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है। हमास ने कहा कि ईद-उल फितर पर पूरे गाजा में इजराइली सेना ने बमबारी की है। हमास के बयान में कहा गया कि ईद-उल-फितर के पहले दिन हुए हमलों में दर्जनों लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश के चटगांव में हादसा, दो बसों में टक्कर, पांच की मौत, 12 घायल

ढाका। बांग्लादेश में चटगांव के लोहागरा उप जिला में दो बसों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोहाजारी हाइवे पुलिस के एसआई मोनजूर हुसैन ने बताया कि यह दुर्घटना चटगांव-कॉक्स बाजार हाइवे पर जंगलाई मजार गेट इलाके में सुबह करीब 7:30 बजे हुई। मृतकों में 21 वर्षीय अराफात, 18 वर्षीय रिफात, 28 वर्षीय निजाम, 14 वर्षीय सिद्दीकी और 30 वर्षीय नाजिम शामिल हैं। लोहागरा फायर स्टेशन के अधिकारी राखल चंद्र रुद्र ने बताया कि चटगांव से कॉक्स बाजार की ओर जा रही सौदिया परिवाहन की बस विपरीत दिशा से आ रही एक मिनी बस से टकरा गई। मिनी बस कॉक्स बाजार के उखिया उपजिला से चटगांव के सतकानिया जा रही थी। रुद्र के अनुसार,घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई और 10-12 अन्य घायल हो गए। घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। एसआई मोनजूर ने कहा कि दोनों बसों को जब्त कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल के पूर्व राजा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की दी चेतावनी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने काठमांडू में शुक्रवार को हुई हिंसक झड़प, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाई हैं। ओली ने कहा कि पूर्व राजा अपने आपको संविधान और देश की कानून से ऊपर मानते हैं, जिसका उनको खामियाजा भुगतना पड़ेगा। संसद की प्रतिनिधि सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने सोमवार को कहा कि पहले वीडियो संदेश जारी करके शासन व्यवस्था बदलने के लिए आम लोगों को अपना समर्थन करने की बात करना और उसके बाद हजारों लोगों को सड़कों पर उतारकर अपने स्वागत में इकट्ठा करना कानूनन गलत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस संविधान के तहत उन्हें अभी भी पूर्व राष्ट्र प्रमुख की हैसियत से सभी सरकारी सुविधा और सुरक्षा दी जा रही है, उसी संविधान के खिलाफ वो लोगों को भड़का रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि शुक्रवार को काठमांडू में हुए हिंसा, आगजनी, लूटपाट, पत्रकार के जिंदा जलाने की घटना के लिए सिर्फ पूर्वराज ज्ञानेन्द्र ही जिम्मेदार हैं और उनको इसकी कीमत चुकानी होगी। ओली ने कहा कि इन सब घटनाओं के लिए एक आम नागरिक की तरह ही पूर्व राजा के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करनी होगी।

ट्रंप के दो अप्रैल के मुक्ति दिवस पर दुनिया की नजर, चीन ने नहीं बेचा टिक टॉक तो लगाएंगे 60 प्रतिशत टैरिफ

हांगकांग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दो अप्रैल के मुक्ति दिवस पर सारी दुनिया की नजर है। वह दो अप्रैल को अपनी मुक्ति दिवस (योजना) घोषणा के अंतर्गत नए टैरिफ की शुरुआत करेंगे। इस योजना में सेमीकंडक्टर, माइक्रो चिप्स, फार्मास्यूटिकल्स और विदेशी वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ शामिल हैं। वह चीन के खिलाफ सबसे अधिक टैरिफ 60 प्रतिशत तक की घोषणा कर सकते हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि इससे बीजिंग के साथ वाशिंगटन के बीचा व्यापार युद्ध तेज हो जाएगा।

ट्रंप के मुक्त दिवस ने चीन को उलझन में डाल दिया है। ट्रंप ने अपने इस अभियान के दौरान चीन को अमेरिका में आने वाले सभी चीनी सामानों पर 60 प्रतिशत से अधिक शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी दी है। संभावना है वह इसकी घोषणा बुधवार को कर सकते हैं। ट्रंप ने रविवार को एयर फोर्स वन में बातचीत के दौरान सुझाव दिया कि वह चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक की बिक्री पर व्यापक सौदेबाजी के हिस्से के रूप में टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह सौदेबाजी पूरी नहीं होती तो वह टैरिफ की घोषणा करेंगे। हालांकि उन्होंने चीन के नेता शी जिनपिंग के साथ बेहतरीन रिश्ते का दावा किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, शायद मैं इसे पूरा करने के लिए टैरिफ में थोड़ी कमी कर दूं या कुछ और करूं। इसका मतलब है कि ट्रंप टिक टॉप डील को फाइनल करने के लिए चीन को कुछ फायदा दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह समय पर नहीं हुआ तो वह समय सीमा को पांच अप्रैल से आगे बढ़ा देंगे। ट्रंप ने कहा, चीन को इसमें एक भूमिका निभानी होगी, संभवत: मंजूरी के रूप में और मुझे लगता है कि वे ऐसा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि टिक टॉक की मुश्किलें अमेरिका में तब शुरू हुईं, जब एक अमेरिकी कानून में कहा गया कि इस ऐप को अपनी चीनी पैरेंट कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका को डर है कि चीन इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अमेरिकियों पर नजर रखने या उन्हें प्रभावित करने के लिए कर सकता है। यह कानून 19 जनवरी को लागू हुआ था। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में टिक टॉक के अमेरिकी कामकाज पर रोक लगाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

इस साल जनवरी में टिक टॉक ने कुछ समय के लिए अमेरिका में काम करना बंद करते हुए इसे ऐप स्टोर्स से इसे हटा दिया गया था। इससे लाखों यूजर्स प्रभावित हुए। 20 जनवरी को अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने के बाद ट्रंप ने चीन के साथ समाधान खोजने के लिए प्रतिबंध को 75 दिनों के लिए रोक दिया। फरवरी में टिक टॉक ने अमेरिका में अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दीं और एप्पल और गूगल के प्लेटफॉर्म पर वापस आ गया।

हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) परप्लेक्सिटी ने इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इस अमेरिकी कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि वह अपनी एआई सर्च टेक्नोलॉजी को टिक टॉक के वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म के साथ जोड़ना चाहती है। परप्लेक्सिटी का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में है। अमेरिकी कंपनी ने कहा, परप्लेक्सिटी के आंसर इंजन को टिक टॉक की विशाल वीडियो लाइब्रेरी के साथ मिलाकर हम दुनिया का सबसे अच्छा सर्च एक्सपीरियंस बना सकते हैं। परप्लेक्सिटी की स्थापना 2022 में अरविंद श्रीनिवास, डेनिस यारात्स, जॉनी हो और एंडी कोनविंस्की ने की थी। इसने सात दिसंबर, 2022 को अपना प्रमुख सर्च इंजन लॉन्च किया था। टिक-टॉक की अनुमानित कीमत एल्गोरिदम के साथ 100-200 अरब डॉलर (लगभग 8,600-17,000 अरब रुपये) बताई जा रही है। बिना एल्गोरिदम के यह 40-50 अरब डॉलर (लगभग 3,400-4,300 अरब रुपये) हो सकती है। एल्गोरिदम टिक-टॉक का मुख्य आधार है। इसे बेचने की मंजूरी देने की संभावना से चीन की सरकार पहले ही नकार चुकी है। इससे पहले अमेरिका के अरबपति फ्रैंक मैककोर्ट इसे खरीदने का प्रस्ताव कर चुके हैं।

मॉस्को में विस्फोट के बाद राष्ट्रपति पुतिन की बंकरनुमा कार लिमोजिन में आग लगी

मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ऑरस सीनेट लिमोजिन कार में संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) मुख्यालय के पास विस्फोट के बाद आग लग गई। 275,000 पाउंड की यह गाड़ी आग की लपटों में घिर गई। आसपास के लोगों ने आपातकालीन सेवाओं के पहुंचने से पहले आग बुझाने का प्रयास किया।

ब्रिटेन के न्यूज चैनल जीबीएन ने 29 मार्च को प्रसारित खबर में यह जानकारी दी गई है। माना जा रहा है कि आग कार के इंजन में लगी। इसके तुरंत बाद उसके इंटीरियर में आग फैल गई। सड़क पर धुआं फैला तब आसपास के रेस्तरां के कर्मचारी मदद के लिए पहुंचे। सामने आए एक वीडियो फुटेज में कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। यह पता नहीं चल पाया है कि विस्फोट किस वजह से हुआ। बताया जा रहा है कि यह कार क्रेमलिन के प्रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की है। उल्लेखनीय है कि ऑरस लिमोजिन कार को खासतौर से पुतिन के लिए बनाया गया है। इसका डिजाइन रूस की कंपनी एनएएमआई ने तैयार किया है। इस मॉडल को रूस की सेंट्रल साइंटिफिक रिसर्च ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव इंजन इंस्टीट्यूट ने मिलकर विकसित किया है। यह कार 6,700 मि.मी. (6.70 मीटर) लंबी है और इसका वजन 2,700 किलोग्राम है। कार पूरी तरह बुलेट प्रूफ है और इस पर गोलियों या बम का जरा भी असर नहीं पड़ता। चाहे गाड़ी पर बम फेंके या जमीन में रखकर विस्फोट किया जाए, यह कार नीचे से ऊपर तक पूरी तरह सेफ है। कार में सेल्फ कंटेन ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम है। टायर फ्लैट रबर से बने हैं। कार के अंदर ही सिक्योर लाइन कम्युनिकेशन सिस्टम है, जो दुनिया में कहीं भी बात करने की सुविधा देता है। यह कार कई तरह के घातक हथियारों से लैस है।

ईद के अवसर वर ग्रामीण टार्च लाइट जलाकर त्यौहार का स्वागत

मलेशिया में ईद के अवसर वर ग्रामीण टार्च लाइट जलाकर त्यौहार का स्वागत करने के साथ ही अपनी खुशी प्रकट करते हुए।

बड़ा झटका : यूएस के दो दोस्तों ने चीन से मिलाया हाथ, धरी रह गई ट्रंप की होशियारी

सियोल

जापान और दक्षिण कोरिया दोनो ही अमेरिका के दोस्त हैं। इन दोनों दोस्तों ने चीन के साथ पांच साल में अपनी पहली आर्थिक वार्ता की है। इस बैठक में तीनों देशों ने क्षेत्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने की मांग पर सहमति जताई है। यह बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध शुरू करने के बाद हुई है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है, क्यों चीन के खिलाफ रणनीति में जापान और दक्षिण कोरिया अमेरिका के सबसे बड़े सहयोगी हैं।

हालांकि, ट्रंप ने इसकी परवाह न करते हुए चीन के अलावा जापान और दक्षिण कोरिया पर भी टैरिफों की बरसात की है। इससे जापान और दक्षिण कोरिया परेशान हैं और अब व्यापार के लिए नए सहयोगियों की तलाश कर रहे हैं।बैठक के बाद जारी एक बयान के अनुसार, तीनों देशों के व्यापार मंत्रियों ने क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया-जापान-चीन मुक्त व्यापार समझौते पर एक व्यापक और उच्च स्तरीय वार्ता के लिए निकट सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी का जिक्र करते हुए दक्षिण कोरियाई व्यापार मंत्री आह्न डुक-ग्यून ने कहा, आरसीईपी के कार्यान्वयन को

मजबूत करना आवश्यक है, जिसमें तीनों देशों ने भाग लिया है, और कोरिया-चीन-जापान एफटीए वार्ता के माध्यम से तीनों देशों के बीच व्यापार सहयोग का विस्तार करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करना आवश्यक है।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह कारों और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क की घोषणा की, यह एक ऐसा कदम है जो कंपनियों, विशेष रूप से एशियाई वाहन निर्माताओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जो अमेरिका के सबसे बड़े वाहन निर्यातकों में से हैं। एस एंड पी के आंकड़ों के अनुसार, मेक्सिको के बाद, दक्षिण कोरिया संयुक्त राज्य अमेरिका को वाहनों का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है, जिसके बाद जापान है। मंत्रियों ने जापान में अपनी अगली मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी से निर्वासित किए जाएंगे अफगान शरणार्थी, आज समय सीमा का आखिरी दिन

इस्लामाबाद/रावलपिंडी

पाकिस्तान के इस्लामाबाद और रावलपिंडी में रह रहे अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के लिए देश छोड़ने की संघीय सरकार की समय सीमा आज समाप्त हो रही है। इसलिए दोनों शहरों में कानून प्रवर्तन अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अफगान नागरिकों को उसके परिवारों सहित पकड़कर निर्वासित करें। रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख ने रावल, पोटोहर और सदर डिवीजनों के अधीक्षकों को जिले में रहने या काम करने वाले अवैध अफगान नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी ऐसे अफगान नागरिक को हिरासत में ले जो आपराधिक गतिविधि में शामिल पाया जाता है। आदेश में सामूहिक दंड का एक रूप सुझाया गया है, जिसमें कहा गया है कि अगर परिवार का कोई भी सदस्य किसी अपराध में शामिल पाया जाता है, तो पूरा परिवार निर्वासन के लिए उत्तरदायी होगा।

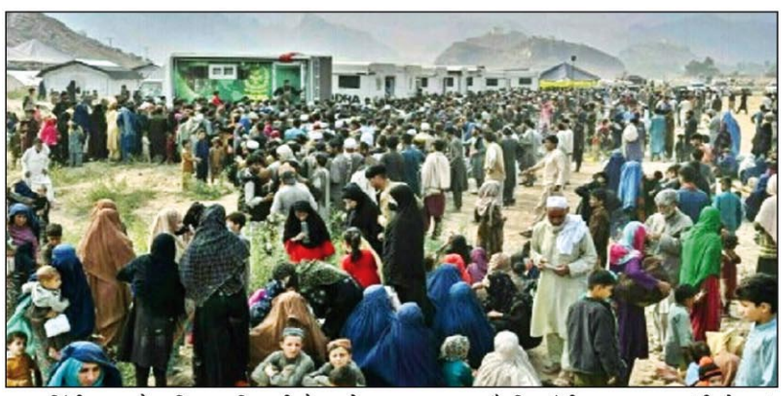

रावलपिंडी शहर के पुलिस अधिकारी के आदेश के बाद, सभी पुलिस स्टेशन के एसएचओ को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में रहने वाले अफगान नागरिकों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी हिरासत में लेने का निर्देश दिया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि निर्देशों में कहा गया है कि पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रखने वाले अफगान नागरिक जो जुड़वां शहरों में रह रहे हैं, उन्हें सावधान किया जाना चाहिए कि उन्हें और उनके परिवारों को सरकार की नीति के अनुसार पाकिस्तान छोड़ना होगा। पीओआर कार्डधारकों के लिए देश छोड़ने की समय सीमा 30 जून, 2025 है। हालांकि, पुलिस के आदेश में इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि क्या दस्तावेज वाले शरणार्थियों को अधिकारियों द्वारा निकाला जाएगा।

पुलिस का रावलपिंडी जिले के विभिन्न हिस्सों में निवासियों की पुष्टि करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। खासकर वे लोग जो किराए के घरों में रह रहे हैं। इस साल जनवरी में अवैध विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होने के बाद से, 923 अफगान नागरिकों को पकड़ा गया और गोलरा मोड़ के पास शरणार्थी केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तोड़ी परंपरा, ब्रिटेन नहीं सउदी से शुरु करेंगे विदेश यात्रा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप के काम करने का तरीका काफी अलग है। कई बार उन्हे परंपराएं तोड़ने में भी हिचक नहीं होती है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अधिकांशत: अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिटेन से अपनी विदेश यात्रा की शुरुआत करता है। लेकिन इस परंपरा को संभवता तोड़ने की कोशिश ट्रंप कर रहे हैं। इस बार वे अपनी विदेश यात्रा की शुरुआत ब्रिटेन से नहीं बल्कि सउदी अरब से कर सकते हैं। ऐसे में वह इस बार न तो यूरोप जा रहे हैं और नहीं ही भारत, रूस या फिर चीन। वह एक इस्लामिक मुल्क के मेहमान बनने जा रहे हैं। वह 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद भी इसी इस्लामिक मुल्क का दौरा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप मई के मध्य में सऊदी अरब जाने की योजना बना रहे हैं। यह उनकी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद पहली विदेश यात्रा होगी। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों और राष्ट्रपति की यात्रा से जुड़े एक सूत्र ने दी है। डोनाल्ड ट्रंप का पहली विदेश यात्रा के लिए सऊदी अरब चुनना दिखाता है कि उनकी सरकार और खाड़ी देशों के बीच रिश्ते कितने मजबूत हो गए हैं।

त्रिवेणी से प्रेरित अभियान देशभर में जगा रहा है जल संरक्षण की अलखः राजेश शर्मा

प्रयागराज, (हि.स.)। जल संचय जन भागीदारी जन जागरूकता की त्रिवेणी से प्रेरित यह अभियान देशभर में जल संरक्षण की अलख जगा रहा है। यह बात सोमवार को नमामि गंगे के तत्वावधान में गंगा पखवाड़ा के तहत प्रयागराज में संगम तट पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए नमामि गंगे संयोजक राजेश शर्मा ने कहा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अच्छा सोचते हैं,कुछ लोग अच्छा करते हैं,लेकिन हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे नेता हैं जो न केवल दूरदृष्टि से सोचते हैं,बल्कि उसे धरातल पर उतार कर असंभव को संभव कर दिखाते हैं, उनकी दूरदर्शिता और कार्यशक्ति के कई प्रत्यक्ष प्रमाण है। कैंच द रैन अभियान एक सशक्त जन - आंदोलन का रूप ले चुका है,गंगा जल हमारी संस्कृति घरोवर है, इसे स्वच्छ और अविरल बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी की है। स्वच्छ गंगा कोष में आपका सहयोग न केवल नदी के पुनरुद्धार में सहायक है,बल्कि यह गंगा के प्रति आपकी आस्था और समर्पण का प्रतीक भी है, प्रमुख संगठन और नागरिक अपनी पेंशन तक से योगदान देकर इस पवित्र अभियान को बल दे रहे हैं, जिसमे आप सभी इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें,धारा अस्सीजी के तहत सौ प्रतिशत आयकर छूट का लाभ उठाएँ। नमामि गंगे के तत्वावधान में संगम तट पर संयोजक राजेश शर्मा के साथ पर्यटकों ने श्रद्धा के साथ गंगा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया,जिससे जल संचय जन भागीदारी जन जागरूकता की त्रिवेणी से प्रेरित यह अभियान देशभर में जल संरक्षण की अलख जगा रहा है। श्री शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए आये हुए पर्यटकों को बृहद वृक्षारोपण करने की अपील किया, जिससे गर्मी की धूप में इंसान और जानवरों को पेड़ो की छाव नसीब हो,बृहद वृक्षारोपण से शुद्ध वातावरण एवं जल संरक्षण में समस्त लोग धरती पर उपकार करे, इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी नमामि गंगे विभाग, गंगा विचार मंच, माँ गंगा सेवा समिति प्रयागराज के सचिव रंजन शर्मा, अर्जुन शर्मा, मुकेश एवं नगर गंगा समिति सदस्य मौजूद रहे।

सनातनी संस्कृति में समय मापने के लिए कई सम्वतों का उपयोग

—भारतीय सम्वतों का महत्व और प्रासंगिक, सम्वत और कैलेंडर दो अलग-अलग शब्द

वाराणसी, (हि.स.)। भारत में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से भारतीय नवसंवत्सर 'सिद्धार्थ' की शुरूआत हो गई है। भारत में समय मापने के लिए कई सम्वतों का उपयोग किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक का अपना विशिष्ट महत्व और प्रासंगिकता है। विक्रम सम्वत, महर्षि पराशर का पंचांग, शालिवाहन शाक और कलियुग जैसे सम्वतों का अपने-अपने संदर्भ में गहरा महत्व है। भारत एक विविध और समृद्ध संस्कृति वाला देश है, जहां विभिन्न बौद्धिक जातियों और समुदायों के लोग रहते हैं। ऐसी विविधता के बीच समय को मापने के लिए सम्वतों का उपयोग न केवल परम्परा है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे देश में कितने सम्वत हैं और उनकी शुरूआत कैसे होती है?। शोधार्थी डॉ श्वेतांक मिश्र बताते है कि देश में विभिन्न सम्वतों की शुरूआत का तरीका भी अलग-अलग है। कुछ सम्वत पूर्णिमा से शुरू होते हैं, जबकि अन्य अमावस्या से शुरू होते हैं। इसका कारण यह है कि विभिन्न सम्वतों का अपना एक विशिष्ट तरीका और महत्व होता है। विक्रम सम्वत सूर्य सिद्धांत पर आधारित है, जबकि महर्षि पराशर का पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित है। शरद पूर्णिमा का महत्व भी महर्षि पराशर के पंचांग में विशेष रूप से उल्लेखित है। इन सम्वतों का निर्माण और उनका महत्व समझने से हमें भारतीय संस्कृति और परम्पराओं की गहराई में जाने का अवसर मिलता है। डॉ मिश्र बताते हैं कि विक्रम सम्वत की शुरूआत चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जो आमतौर पर मार्च या अप्रैल में आती है।

यह राजा विक्रमादित्य द्वारा शुरू किया गया था और इसका उपयोग उत्तर भारत में व्यापक रूप से किया जाता है। इसी तरह महर्षि पराशर के पंचांग की शुरूआत आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जो आमतौर पर सितम्बर या अक्टूबर में आती है। यह पंचांग महर्षि पराशर द्वारा बनाया गया था और इसका उपयोग हिंदू पंचांग में व्यापक रूप से किया जाता है। इसी तरह शालिवाहन शाक की शुरूआत चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जो आमतौर पर मार्च या अप्रैल में आती है। यह कैलेंडर शालिवाहन नामक एक राजा द्वारा शुरू किया गया था और इसका उपयोग दक्षिण भारत में व्यापक रूप से किया जाता है। कलियुग की शुरूआत कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि से होती है, जो आमतौर पर अक्टूबर या नवम्बर में आती है। यह कैलेंडर भगवान कृष्ण के अवतार के बाद का युग माना जाता है और इसका उपयोग हिंदू पंचांग में व्यापक रूप से किया जाता है

—भारतीय सम्वतों का महत्व और उनका कैलेंडर से अंतर

हर सम्वत का अपना एक विशिष्ट महत्व और लॉजिक होता है। सम्वत और कैलेंडर दो अलग-अलग शब्द हैं जिनका अर्थ और उपयोग भी अलग-अलग है। सम्वत समय और काल को प्रदर्शित करता है, जबकि कैलेंडर एक विशिष्ट प्रणाली है जिसमें दिन, महीने और वर्षों को व्यवस्थित किया जाता है। भारतीय सम्वतों, विशेषकर विक्रम और शक सम्वत, समय गणना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख धर्मों में तिथियों, महीनों और वर्षों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सरकार बरेली में खोलेगी 132 परियोजनाओं का खजाना

-पुलिस,प्रशासनिक अमला अलर्ट ड्रोन से होगी निगरानी

बरेली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बरेली आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार है। पुलिस लाइन रवींद्रालय में बैठक कर जिम्मेदारियां सौंपी गई। वहीं रिहर्सल भी किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से लाभार्थियों को बसों द्वारा लाया जाएगा। सीएम बरेली कॉलेज में जनसभा को संबोधित करेंगे, विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और नवाबगंज स्थित अटल आवासीय विद्यालय की नई इमारत का उद्घाटन करेंगे। सीएम योगी के दौरे को देखते हुए एडीजी जोन रमित शर्मा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, आईजी डॉ. राकेश सिंह और डीएम रविंद्र कुमार व एसएसपी अनुराग आर्य आदि ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन ने डायवर्जन प्लान लागू किया है।दिल्ली-रामपुर से बदायूंः बड़ा बाईपास, नवदिया इरादा, फतेहगंज पूर्वी, पीलीभीत से बदायूंः जहानाबाद, किच्छा, बहेड़ी, लखनऊ-दिल्ली मार्गः फरीदपुर, इन्वर्टिस तिराहा, बड़ा बाईपास, बदायूं से बरेलीः भमोरा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी।

132 परियोजनाओं का होगा शिलान्यास : सीएम 932.59 करोड़ रुपये की 132 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। वे "स्कूल चलो अभियान" और "संचारी रोग जागरूकता अभियान" की रैली को हरी झंडी दिखाएंगे और लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ वितरित करेंगे। एसएसपी अनुराग आर्य ने नागरिकों से यातायात प्लान का पालन करने और असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

मायावती ने ईद पर देशवासियों को दी बधाई

लखनऊ, (हि.स.)। ईद के त्योहार पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकमानाएं दी है। मायावती ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि, समस्त देशवासियों व खासकर भारतीय मुसलमानों एवं उनके परिवार वालों को ईद-उल-फि त्र त्योहार की दिली मुबारकबाद। सभी के लिए बेहतर ज़िन्दगी की शुभकामनाएं, जिसकी गारण्टी बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान में निहित। उन्होंने कहा कि सभी लोग पूरे आपसी मेलजोल, भाईचारा, सौहार्द, संयम व सहनशीलता की परम्परा को बनाए रखने में जरूर पूरा योगदान दें। ताकि देश में समतामूलक विकास संभव हो। सभी देशवासियों का जीवन खुश व खुशहाल अच्छे दिन वाला हो सके और वे उसमें भागीदार बनकर उस पर गर्व कर सकें।

शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें बच्चे.

अमेठी(ईएमएस)। जिले के मुसाफिरखाना में स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, परिणामों को देखकर विद्यार्थियों में खुशी की लहर देखने को मिली।परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें बच्चे-वीके सिंह. मिली जानकारी के सेंट जेवियर्स स्कूल मुसाफिरखाना में शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई।परीक्षा परिणाम पाकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह दिखा।पिछली कक्षा से उत्तीर्ण होकर अगली कक्षा में जाने का उमंग और हर्ष था। इस अवसर पर स्कूल के मैनेजर विजय कुमार सिंह ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी तथा पुरस्कार वितरण किया। कक्षा एक ए में शिक्षा यादव प्रथम,पलक दुबे द्वितीय व शुभी मिश्र तीसरे स्थान पर कक्षा एक बी में नूर फातिमा प्रथम,पलक यादव द्वितीय व इबा फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं।कक्षा दो में शैंजा उमैमा प्रथम,देविका द्वितीय और प्रणव सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीन में दिव्यांशी शर्मा प्रथम,रागिनी द्वितीय और दर्शित कसौधन को तृतीय स्थान पर रहे। वही कक्षा चार में संस्कार सिंह प्रथम,प्रखर सिंह द्वितीय और प्रिंसी तीसरे स्थान पर रही। कक्षा पांच में मयंक प्रथम,श्रेयांशी शर्मा द्वितीय और काव्या व वैभवी सिंह संयुक्त रूप से तीसरे स्थान प्राप्त हुआ।कक्षा छह में सौंदर्य को प्रथम व द्वितीय स्थान पर वैष्णवी सिंह और शगूफा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।इसी क्रम में और कक्षाओं में भी छात्र-छत्राओं को उनके प्रदर्शन के मुताबिक स्थान प्राप्त हुआ। स्कूल के प्रिंसिपल अरमिया ने सफल छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए नवीन सत्र के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।अभिभावकों ने भी स्कूल प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि स्कूल के शैक्षणिक कार्यक्रमों से वे संतुष्ट हैं।

आधा दर्जन गोलियां लगने के बाद ढेर हुआ मुख्तार अंसारी का शूटर अनुज

जमशेदपुर(ईएमएस)। माफिया मुख्तार अंसारी का खास शूटर अनुज कन्नौजिया शनिवार रात पौने बारह बजे मुठभेड़ में ढेर हो गया। कन्नौजिया के शव का पोस्टमार्टम रविवार को मेडिकल बोर्ड की निगरानी में किया गया। उसके शरीर से छह पिलेट निकले हैं। घाव को देखकर लग रहा है, जैसे दूर से मारा गया हो। उसकी पसली, दाहिने कंधे और केहुनी में गोली लगी है। पोस्टमार्टम की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई गई, जिसे मानवाधिकार आयोग को भेजा जाएगा। परसूडीह के बारीगोड़ा में रहने वाली उसकी बहन शोभा देवी पोस्टमार्टम हाउस और घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस से शव लेकर मऊ रवाना हो गई। शव भेजने का इंतजाम पुलिस ने किया। इधर, पुलिस ने अनुज के चालक राहुल को गिरफ्तार किया है। चालक के पास से पुलिस ने पासबुक और एटीएम कार्ड बरामद किया गया है। पासबुक जमशेदपुर के ही बैंक का है। उसके मोबाइल फोन को भी पुलिस ने जब्त किया है, जिसमें जमशेदपुर यूपी के कई लोगों के नम्बर हैं। पुलिस इसकी छानबीन कर रही है। उसके जरिए ही लोग मिलने आते थे। रविवार तड़के पांच बजे फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। पुलिस को ऐसे कागजात मिले हैं, जिसमें अनुज के जमशेदपुर में कारोबार विस्तार संबंधी जानकारी है।पुलिस टीम ने अनुज के घर में मौजूद दो बमों को निष्क्रिय किया। ये बम मुठभेड़ के दौरान अनुज ने पुलिस पर फेंके थे, जो फटे नहीं थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घर चार साल पहले बना था और कुछ महीनों से इसमें अज्ञात लोगों की आवाजाही बढ़ गई थी। यहां अक्सर तेज आवाज में गाने बजते थे और देर रात तक पार्टियां होती थीं। आसपास के लोग परेशान थे, लेकिन किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि यहां कोई कुख्यात अपराधी रह रहा था।

रांची में हर्षोल्लास से मनी ईद, चप्पे-चप्पे पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

रांची,(हि.स.)। राजधानी रांची में ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। राजधानी रांची के हरमू सहित अन्य ईदगाहों में सोमवार सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। जैसे ही ईद की विशेष नमाज संपन्न हुई, लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज अदा कर लोगों ने देश में अमन और शांति के लिए दुआ मांगी। वहीं दूसरी और ईद को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता और कड़े इंतजाम किए गए हैं। सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी के अलावा ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। पूरी सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा खुद कर रहे हैं और पुलिस पदाधिकारियों को लगातार दिशा-निर्देश दे रहे हैं। एसडीओ उत्कर्ष कुमार और सिटी एसपी राजकुमार मेहता, डीएसपी प्रकाश सोए सहित अन्य अधिकारी लगातार घूम घूम कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। सुरक्षा में कहीं कोई चूक ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिले में सुरक्षा को लेकर 1500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से 1000 लाठी बल के अलावा एक कंपनी रैफ, एक कंपनी सीआरपीएफ, दो कंपनी रैप और 300 होमगार्ड जवानों को तैनात किया गया है। साथ ही सभी थानेदार अपने-अपने क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। इसके अलावा बाइक से भी पेट्रोलिंग की जा रही है। वहीं सोशल मीडिया पर भी साइबर सेल नजर रख रही है। रांची के ग्रामीण क्षेत्र के तमाम ईदगाहों का एसपी ने लिया जाएजा ईद के मौके पर ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने सोमवार को ग्रामीण थाना क्षेत्र के विभिन्न ईदगाह एवं प्रमुख मस्जिदों का भ्रमण किया। मौके पर उन्होंने सभी को ईद पर्व की शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही ईद पर्व के दौरान विधि व्यवस्था संधारण के लिए प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों को चेक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

झारखंड में हाथियों का उत्पात, 4 दिन में 7 लोगों को कुचलकर मार डाला

रांची(ईएमएस)। झारखंड में हाथियों का उत्पाद बढ़ रहा है। यहां मात्र 4 दिन में 7 लोगों को हाथी मौत के घाट उतार चुके हैं।गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डेरांगडीह अम्बाकोना जंगल में महुआ चुनने गए 45 वर्षीय जेम्स कुजूर को रविवार सुबह हाथी ने कुचल डाला। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाद में पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उनका क्षत-विक्षत शव बरामद किया। इसी तरह अल्बर्ट एक्का प्रखंड में हाथी ने 73 वर्षीय क्लाइमेट एक्का को उनके घर के पास ही सूंड में लपेटकर पटक डाला। गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद यह हाथी पड़ोस के जमार्ना गांव पहुंचा, जहां शौच के लिए खेत की तरफ गए 50 वर्षीय शख्स अरविंद सिंह राजावत को भी पटक कर जख्मी कर दिया। इसके पहले शुक्रवार को गुमला के पालकोट थाना के बरडीह-देवगांव में शौच के लिए खेत की तरफ गए किस्टोफर एक्का को भी हाथी ने कुचलकर मार डाला था। उसी दिन इस हाथी ने तेतरटोली गांव में पौधे से लाह निकाल रही हेमवती देवी को सूंड में लपेटकर पटक दिया, जिससे उनकी भी तत्काल मौत हो गई थी। बीते गुरुवार और शुक्रवार को हाथी ने पड़ोस के सिमडेगा जिले में तीन लोगों को कुचलकर मार डाला था। महाबुआंग थाना क्षेत्र के बुरुइरगी डेबोटोली में गुरुवार रात घर के बाहर सोए विकास ओहदार जंगली हाथी के हमले में मारे गए थे। शुक्रवार की सुबह सिमडेगा के बानो थाना क्षेत्र के जमांग गांव में हाथी ने 45 वर्षीय सिबिया लुगुन को कुचलकर मार डाला था। ग्रामीणों के अनुसार, दो से तीन हाथी अपने झुंड से बिछड़ गए हैं और पिछले चार-पांच दिनों से गुमला-सिमडेगा जिले के गांवों में घूम-घूमकर उत्पात मचा रहे हैं। इन हाथियों ने कई घरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। जिस भी इलाके में हाथी पहुंच रहे हैं, वहां अफरा-तफरी मच जा रही है। मशाल जलाकर और ढोल मचाकर हाथियों को भगाने की ग्रामीणों की कोशिश भी नाकाम हुई है।

प्रशांत किशोर अचानक पहुंचे जदयू नेता मुजाहिद आलम के आवास, चचाओं का बाजार हुआ गर्म

किशनगंज,(हि.स.)। जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसेमंद नेता को अपने पाले में करने के लिए पूरा जोर लगा दिया हैं। उसी क्रम प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ ईद की नमाज के ठीक बाद जदयू के पूर्व विधायक सह किशनगंज जिलाध्यक्ष मुजाहिद आलम के पैतृक गांव कोचाधामन के कैरीबीरपुर पहुंच कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। प्रशांत किशोर करीब एक घंटे तक पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के घर पर रहे। गौर करे कि पूर्व विधायक मुजाहिद आलम सीमांचल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुराने एवं भरोसेमंद नेता माने जाते हैं। वह जमीनी स्तर पर काफी मजबूत पकड़ रखते हैं। इनके बारे में एक कहावत है कि चुनाव हारने के बावजूद कभी घर नहीं बैठते हैं। 18 घंटे फील्ड में रहते हैं। दो बार विधायक रहकर बीते वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए कैंडिडेट के तौर पर किशनगंज संसदीय सीट से मुजाहिद आलम चुनाव लड़े एवं कांग्रेस सांसद को कड़ी टक्कर दिया और करीब 59 हजार वोटों से हार गये। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के आग्रह पर सीएम कई बड़े सौगात किशनगंज को दे चुके हैं। यही कारण है कि नीतीश कुमार मुजाहिद आलम को अपना काफी भरोसे मंद मानते हैं। प्रशांत किशोर से जब मुलाकात के मायने पूछा गया तो पहले उन्होंने कहा कि ईद की मुबारकबाद देने ही आये थे लेकिन बार बार पूछने पर ईशारों इशारों में कहा मुजाहिद आलम अपनी मेहनत की बदौलत खुद एक ब्रांड बने हुए हैं। आवाम में काफी लोकप्रिय हैं। जन सुराज ऐसे हीरों की कद्र करता है जो समाज एवं क्षेत्र की तरक्की के लिए जमीनी स्तर पर लोगों से हमेशा जुड़े रहें। टीम में शामिल कोर कमेटी के सदस्यों ने दबी जुबान में कहा कि डेढ़ साल से इस दिन का इंतजार हम लोग कर रहे थे कि दोनों नेताओं की मुलाकात हो जाए। लेकिन मुजाहिद आलम हमेशा टाल मटोल कर रहे थे। आज बड़ी मुश्किल से ईद के बहाने मुलाकात सम्भव हो पाई है। आने वाला पल जन सुराज और कोचाधामन के लिए बेहतर रहेगा। अगर मुजाहिद आलम जन सुराज में जुड़ते हैं तो एनडीए ही नहीं बल्कि राजद कांग्रेस गठबंधन को भारी नुकसान होने की सम्भावना है। मुजाहिद आलम कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2010 में एनडीए से चुनाव लड़कर 8 हजार वोटों से हारे थे। कोचाधामन से ही वर्ष 2014 के उप चुनाव में कांग्रेस एवं राजद गठबंधन के उम्मीदवार को हरा कर पहली बार विधायक बने थे। वहीं 2015 में महागठबंधन के टिकट पर हॉट सीट कहे जाने वाले कोचाधामन विस क्षेत्र से ही चुनीव लड़े एवं ओवैसी की पार्टी ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष को करारी शिकस्त दी। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पूर्व मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में लोग एनआरसी, एनपीआर एवं सीएए के खिलाफ आक्रोशित थे।सभी एनडीए तथा नीतीश कुमार से नाराज थे, तभी चुनाव हो गया एवं मुजाहिद पब्लिक के गुस्से का शिकार हो गये और कुछ वोटों से मीम पार्टी से हार गये।

हिंदू नववर्ष, चैत नवरात्र एवं गुड़ी पड़वा की हार्दिक शुभकामनाओं सहित "दोहा मुक्तक"

सत्य सनातन में बड़ा,
मास चैत है खास।
नव संवत्सर भर रहा,
जन मन में उल्लास।।
चैती के मेले लगे,
भरे अन्न भंडार।।
पीड़ा से दूरी बनी,
ठहरी खुशियां पास।।
शांत चित्त वृति राम है,
रंगोली मन द्वार।
मन मंदिर में है भरा,
भगवत दर्शन प्यार।।
साफ-साफ मन से कहे,
वैशाली यह बात।
आनंदित नव वर्ष पर,
हो सत्यम संसार।।

दीप प्रज्वलित कर रखें,
हम अपने घर द्वार।
आम पत्र की शुभ
हरी,बांधें बंदनवार।।
हर घर भगवा रंग से,
कहे नया है वर्ष।
हलवा पूरी खीर से,
हो सबका सत्कार।।

वैशाली रस्तौगी
जकार्ता, इंडोनेशिया

मीडिया कॉन्टेंट का सामाजिक मनोविज्ञान पर है गहरा प्रभाव : प्रो देव व्रत सिंह

-दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला का हुआ समापन-देश के कई राज्यो के शोधार्थी हुए शामिल,दिए गए प्रमाणपत्र

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला का सोमवार को समापन हुआ। कार्यशाला के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. देवब्रत सिंह, डीन, स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष सह कार्यशाला निदेशक डॉ. अंजनी कुमार झा एवं संचालन कार्यशाला उप निदेशक डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने किया। समापन के पहले तकनीकी सत्र में समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सुजीत कुमार चौधरी ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले नवाचार और वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि, हाल के रुझान और नवाचारों में डेटा विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल मानविकी जैसे क्षेत्रों में वृद्धि देखी जा रही है,साथ ही सामाजिक असमानता, जलवायु परिवर्तन और महामारी जैसे वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।दूसरे और तीसरे तकनीकी सत्र प्रो. देव व्रत सिंह ने कॉन्टेंट विश्लेषण की आवश्यकता और प्रक्रिया पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मीडिया का हमेशा समाज पर गहरा प्रभाव रहा है। आज के समय में मीडिया कॉन्टेंट व्यक्ति के मनोविज्ञान को आश्चर्यजनक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में शोध और नवाचार विषय पर विस्तृत वार्ता करते हुए वैदिक साहित्य, दर्शनशास्त्र और प्राचीन भारतीय विज्ञान से प्रेरित शोध पद्धतियों को प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष सह कार्यशाला निदेशक डॉ अंजनी कुमार झा ने सभी वक्ताओं तथा अतिथियों का अभिवादन व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कहा, यह कार्यशाला न केवल शोधार्थियों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए थी बल्कि उन्हें नैतिक, सार्थक और प्रासंगिक शोध करने के लिए प्रेरित करने के लिए भी डिजाइन की गई थी।

वोडा आइडिया को राहत, सरकार इक्विटी में बदल देगी बकाया 37 हजार करोड़

नई दिल्ली

आर्थिक संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को सरकार से बड़ी राहत मिली है। वीआई ने बताया कि सरकार उसकी बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारी को इक्विटी शेयरों में बदल देगी, जिसकी कुल कीमत 36,950 करोड़ रुपए है।

इससे कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर लगभग 49 फीसदी हो जाएगी। वीआई ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया, दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित टेलीकॉम सेक्टर के रिफॉर्म्स और सहायता पैकेज के तहत यह फैसला लिया है कि बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों जिसमें स्थगन अवधि खत्म होने के बाद चुकाई जाने वाली स्थगित देनदारियां भी शामिल हैं को इक्विटी शेयरों में बदला जाएगा, जो भारत सरकार को जारी किए जाएंगे। वीआई ने बताया कि उसे 10 फेस वैल्यू वाले 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर 10 रुपए की कीमत पर जारी करने का निर्देश मिला है। ये शेयर जरूरी मंजूरी मिलने के 30 दिनों के अंदर सरकार को दिए जाएंगे। इसमें सेबी और दूसरी रेगुलेटरी अथॉरिटी की मंजूरी शामिल है। इसके बाद प्रमोटर समूह आदित्य बिड़ला ग्रुप और वोडाफोन पीएलसी—कंपनी पर अपना परिचालन नियंत्रण बनाए रख सकेंगे। सितंबर 2021 में कैबिनेट द्वारा मंजूर टेलीकॉम रिफॉर्म्स पैकेज के तहत सरकार ने आर्थिक रूप से संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनियों को सरकारी बकाया कर्ज के एक हिस्से को इक्विटी में बदलने की अनुमति दी थी।

कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर लगभग 49 फीसदी हो जाएगी

न्यूज ब्रीफ

बंगलादेश को होने वाले निर्यात में गिरावट, आयात स्थिर

अगरतला। बंगलादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से त्रिपुरा से इस देश को होने वाला निर्यात काफी घट गया है वहीं आयात की मात्रा लगभग स्थिर बनी हुई है। त्रिपुरा की उद्योग और वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने सोमवार को को बताया कि चालू वित्त वर्ष (फरवरी तक) में त्रिपुरा ने बंगलादेश से 625.14 करोड़ रुपये का सामान आयात किया, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 703.67 करोड़ रुपये और 2022-23 में 636.72 करोड़ रुपये था। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के फरवरी तक त्रिपुरा से बंगलादेश को केवल 50.07 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया, वहीं 2022-23 में यह 121.37 करोड़ रुपये और 2023-24 में सिर्फ 12.31 करोड़ रुपये था।

सीएम डॉ. यादव ने विक्रम व्यापार मेले की अवधि बढ़ाई, नवरात्र ऑफर फॉर कार और बाइक की भी घोषणा की गई

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रम व्यापार मेले की अवधि आगामी 9 अप्रैल तक बढ़ाने का ऐलान किया है। इस निर्णय के साथ ही परिवहन सचिव मनीष सिंह ने भी आदेश जारी किए हैं। इस नए अधिनियम के तहत, मध्यप्रदेश सरकार ने गैर-परिवहन यानों के लिए जारी मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट देने का फैसला किया है। यह सुविधा 2024-25 में उज्जैन विक्रम व्यापार मेला के दौरान उपयोग के लिए उपलब्ध होगी। प्रदेश के परिवहन विभाग के अधिसूचना के अनुसार, यह मेला 30 मार्च 2025 तक चलेगा और उस समय सीमा तक की छूट की शर्तों का पालन करना होगा। इसके साथ ही नवरात्र ऑफर फॉर कार और बाइक की भी घोषणा की गई है जो कि इस मेले के दौरान प्राप्त की जा सकेगी।

जुर्माना लगने पर इंडिगो ने कहा- कानूनी रुप से देंगे चुनौती

मुंबई। इंडिगो एयरलाइन ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से लगाई गई 944.20 करोड़ रुपये की पेनल्टी का मुकाबला करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने कहा है कि यह आदेश उनके वित्तीय, परिचालन या व्यवसायिक गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा। इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को हाल ही में पेनल्टी का नोटिस मिला था, जो आसेसमेंट ईयर 2021-22 के लिए था। एक मासिक रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है जिसमें बाजार का 63.7 प्रतिशत हिस्सादारी है। इंडिगो के बाद, एयर इंडिया समूह का स्थान रहा, जिसमें टाटा ग्रुप की एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी शामिल है। टाटा ग्रुप की एयरलाइन में फरवरी में 38.30 लाख यात्रीयों ने उड़ान भरी, जिससे एयरलाइन का बाजार शेयर 27.3 प्रतिशत हो गया है। इस दौरान इंडिगो ने विप्रतित वित्तीय संदर्भों के बीच 18.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, साथ ही ऑपरेशनल लागत में बढ़ोतरी का असर भी दिखाई दी है। यह पेनल्टी वक्त पर लगाई गई है, जबकि इंडिगो पहले से ही वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही है।

दुनिया का पहला सीएनजी से चलने वाला स्कूटर पेश

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर्स ने भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 में दुनिया का पहला सीएनजी से चलने वाला स्कूटर पेश किया। यह स्कूटर पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। टीवीएस जुपिटर 125 सीएनजी नामक इस स्कूटर को खासतौर पर ज्यादा माइलेज और किफायती सफर के लिए डिजाइन किया गया है। यह स्कूटर 1.4 किलोग्राम क्षमता वाले सीएनजी टैंक के साथ आता है, जो इसकी अंडरसीट बूट स्पेस में सुरक्षित रूप से फिट किया गया है। इसे प्लास्टिक पैनल से ढककर सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। डिजाइन की बात करें तो यह पारंपरिक जुपिटर 125 जैसा ही दिखता है, लेकिन इसके पावरट्रेन और मैकेनिज्म में बड़े बदलाव किए गए हैं। स्कूटर में सीएनजी की रीफिलिंग के लिए फिलर नोजल और प्रेशर गेज दिया गया है, जिससे इसे आसानी से भरा जा सकता है। इसके अलावा, इस स्कूटर में 2 लीटर क्षमता वाला एक पेट्रोल टैंक भी मौजूद है, जिसे फर्श बोर्ड पर फिट किया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 22,919 करोड़ की प्रोत्साहन योजना में कंपनियों की दिलचस्पी

दिग्गज कंपनियां प्रोत्साहन योजना में शामिल होने को बेताब

नई दिल्ली

अग्रिम पूंजी और उत्पादन मूल्य की सब्सिडी के साथ, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते गहन मंजूरी दी है इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी एक उद्यमिता मानदंडित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए 22,919 करोड़ रुपये की बड़ी राशि।

इस योजना में देशी और वैश्विक कंपनियों ने शिकस्त पकड़ी है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज, अंबर एंटरप्राइजेज, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, जापानी कंपनी टीडीके कॉर्पोरेशन, ताइवान की होन हाई टेक्नोलॉजी समूह, ऑस्ट्रियाई एटीऐंडएस और जापानी मुराता मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए बेताब हैं। इस प्रोत्साहन योजना में लगभग 50 करोड़ से 1,000 करोड़ रुपये तक के निवेश का अनुमान है जिसमें प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और कैपेसिटर जैसे पैसिव पुर्जे विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह योजना एक व्यापक उत्पादन को बढ़ावा देने की उम्मीद के साथ आएगी। डिक्सन के वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि कंपनी डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल और मैकेनिकल घटकों पर केंद्रित होगी, जिसमें 800 करोड़ रुपये का निवेश की योजना है।

दिल्ली की अंबर एंटरप्राइजेज ने पीसीबी विनिर्माण के लिए आवेदन करने की योजना बताई है और कोरियान सर्किट कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की तैयारी की है। इस क्षेत्र में उत्कृष्ट मौके की बात करते हुए अंबर इंटरप्राइजेज के चेयरमैन ने 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बताई है और कहा कि यह योजना देश में पीसीबी के उत्पादन को बढ़ावा देने का माध्यम साबित हो सकती है।

इन सभी विकसित और उद्यमशील कंपनियों के साथ भारत सरकार का प्रयास है कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बना सकें और देश को विश्वस्तरीय उत्पादन क्षमता में बढ़ावा प्रदान कर सकें। यह प्रोत्साहन योजना एक नया संकेत है कि भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में मील का पत्थर बनने के लिए कदम उठा रहा है।

वित्त वर्ष 26 से पहले इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो की करें रीबैलेंसिंग

नई दिल्ली। वित्त वर्ष के अंत में अपने निवेश पोर्टफोलियो की रिव्यू और रीबैलेंसिंग करना एक सही समय होता है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि आपका पोर्टफोलियो आपके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता के अनुरूप बना रहे। इस साल इक्विटी फंड्स ने सीमित रिटर्न दिए। लार्ज और स्मॉल कैप फंड्स में सिंगल-डिजिट की बढ़त देखने को मिली, जबकि मिड-कैप फंड्स ने औसतन करीब 11 फीसदी का रिटर्न दिया। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के चीफ फाइनेंशियल प्लानर विशाल धवन कहते हैं, मिड और स्मॉल कैप फंड्स में ज्यादा जोखिम लेने के बावजूद निवेशकों को इस साल अपेक्षाकृत ज्यादा रिटर्न नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल इक्विटी ने भारतीय इक्विटी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि सेक्टर-आधारित फंड्स में फार्मा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग सेक्टर्स ने मजबूती दिखाई, जबकि आईटी और कंजम्पशन-आधारित फंड्स पिछड़ गए। डेट फंड्स ने इस साल आकर्षक रिटर्न दिए जो लिक्विड फंड्स में 7.18 फीसदी से लेकर गिल्ट फंड्स में 8.98 फीसदी तक रहे। यह प्रदर्शन वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दरों के नरम रुख के चलते संभव हुआ।

सीएनजी व पाइप्ड गैस पर सबसे कम दर वसूली जाएगी

नई दिल्ली

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने महत्वपूर्ण बदलाव के साथ तेल और गैस सेक्टर के नियमों में सुधार करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइन के लिए शुल्क निर्धारण की नयी नीति प्रस्तावित की है।

यह नई नीति पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के संयंत्रित क्षेत्र में बदलाव को प्रेरित करने के लिए प्रमुख स्थान में है। पीएनजीआरबी ने शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव भी रखा है जो मकानों में सीएनजी तथा पाइप के जरिये पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस बेचने वाली उद्यमिता इकाइयों को सीजीडी प्राप्त करने के लिए बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पीएनजीआरबी ने एक एकीकृत शुल्क निर्धारण को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है जो शुल्क विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर स्थानीय हितधारकों की टिप्पणियां प्राप्त करने में मददगार होगा। नियामक ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सेक्टर में नए नियमों के द्वारा हम उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में बदलाव लाने के हर संभाव तरीके की जांच कर रहे हैं। यह सुधार हमारे उपभोक्ताओं के लिए सस्ती और सुगम गैस पहुंचाने के लिए नए मार्ग खोल सकता है। पीएनजीआरबी द्वारा प्रस्तावित नई नीति एक प्रगतिशील और सुदृढ़ गैस संयंत्र सेक्टर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए शुल्क विनियमन के सुधारों को समर्थन प्रदान करेगा।

सुपर शो में विंटेज मोटरसाइकिल, कस्टम मोटरसाइकिल पेश

टोरंटो में मोटरसाइकिल व पावर स्पोर्टस के दो दिवसीय सुपर शो में विंटेज मोटरसाइकिल , कस्टम मोटरसाइकिल आदि पेश की गयी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में सोमवार को कोई बदलाव नहीं हुआ। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए, मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए, कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए, चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर,है।

बेंगलुरु में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 102.86 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 88.94 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 94.65 रुपए और डीजल का भाव 87.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में प्रति लीटर की कीमत 94.87 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 88.01 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 95.19 रुपए है । और डीजल प्रति लीटर 88.05 रुपए, चंपडीगढ़ में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.24 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 82.40 रुपए और पटना में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 105.18 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 92.04 रुपए है।

वित्त मंत्री नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच पोर्टल 1 अप्रैल को करेंगी लॉन्च

नई दिल्ली,

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 1 अप्रैल को नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच पोर्टल लॉन्च करेंगी, जो वित्त वर्ष 2022-23 तक तीन दशकों में राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों पर डेटा के व्यापक भंडार तक पहुंच प्रदान करेगा।

नीति आयोग ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच पोर्टल की शुरुआत करेंगी। नीति आयोग ने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर एक पोर्टल बनाया है।

यह पोर्टल लगभग 30 वर्षों (अर्थात वित्त वर्ष 1990-91 से वित्त वर्ष 2022-23) की अवधि के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों, शोध रिपोर्टों, शोधपत्रों और राज्य वित्त पर विशेषज्ञ टिप्पणियों पर डेटा का एक व्यापक भंडार है।

नीति आयोग के मुताबिक पोर्टल के चार मुख्य घटक हैं:-

राज्य रिपोर्ट:- 28 भारतीय राज्यों के समग्र और राजकोषीय स्थिति का सारांश, जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित।

डेटा संग्रह : - पांच क्षेत्रों अर्थात जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, राजकोषीय, स्वास्थ्य और शिक्षा में वर्गीकृत संपूर्ण डेटाबेस तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

राज्य का राजकोषीय और आर्थिक डैशबोर्ड :- समय के साथ प्रमुख आर्थिक चरों का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व प्रदर्शित करता है और डेटा परिशिष्ट के माध्यम से अपरिष्कृत डेटा या सारांश तालिकाओं के माध्यम से अतिरिक्त जानकारी तक त्वरित पहुंच प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं टिप्पणी :- राज्य वित्त तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजकोषीय नीति एवं वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक अनुसंधान पर आधारित है। यह पोर्टल समग्र, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सहायता करेगा।

इस पर आसानी से डेटा उपलब्ध होगा और यह उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप तथा एक ही स्थान पर समेकित क्षेत्रीय डेटा की आवश्यकता को भी पूरा करेगा। यह प्रत्येक राज्य के डेटा को अन्य राज्यों और राष्ट्रीय आंकड़ों के साथ संदर्भ में भी मदद करेगा।

यह नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और अन्य लोगों को जानकारी और चर्चाओं के लिए डेटा का उल्लेख करने में रुचि रखने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। आयोग के मुताबिक यह पोर्टल एक व्यापक शोध केंद्र के रूप में काम करेगा, जो गहन शोध अध्ययनों के लिए डेटा और विश्लेषणात्मक उपकरणों का भंडार होगा। यह सूचना के केंद्रीय भंडार के रूप में कार्य करेगा, जो पिछले 30 वर्षों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों के व्यापक डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करेगा। ऐतिहासिक रुझानों और वास्तविक समय के विश्लेषण का लाभ उठाकर, उपयोगकर्ता प्रगति को पता करने, उभरते पैटर्न की पहचान करने और विकास के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियां तैयार करने में सक्षम होंगे।

'ज्वेल थीफ' में सैफ अली खान निभा रहे ठग की भूमिका

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान इस फिल्म में ठग की भूमिका निभा रहे हैं। उनके साथ अभिनेता जयदीप अहलावत भी एक खास किरदार में नजर आएंगे। फिल्म के निमार्ता सिद्धार्थ आनंद और निर्देशक कूकी गुलाटी तथा रॉबी ग्रेवाल के साथ काम करने को लेकर सैफ बेहद उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने कहा, सिद्धार्थ आनंद के साथ काम करना हमेशा शानदार अनुभव होता है। वह एक्शन, स्टाइल और कहानी को बहुत ही खास अंदाज में पेश करते हैं। ज्वेल थीफ के साथ हमने कुछ अनोखा किया है, जिसे दर्शक जरूर पसंद करेंगे। फिल्म में जयदीप अहलावत भी एक दमदार भूमिका में हैं। जयदीप ने आगे बताया कि फिल्म का माफिया कनेक्शन इसे और रोमांचक बनाता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से ऐसी कहानी का हिस्सा बनना चाहता था, जो क्राइम और एक्शन से भरपूर हो। इस फिल्म में मेरा किरदार चुनौतीपूर्ण और गहराई से भरा हुआ है। नेटफ्लिक्स इंडिया की ओरिजिनल फिल्म्स की डायरेक्टर रुचिका कपूर शेख ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जताई। उन्होंने कहा, ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स एक जबरदस्त एड्रेनालाईन-फ्यूल वाली थ्रिलर है, जिसमें रोमांच और सस्पेंस का भरपूर डोज मिलेगा। कूकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के अलावा कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 25 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। अपने किरदार और अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है। इसमें काम करना एक नए यूनिवर्स में जाने जैसा है, जहां हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उतना ही उत्साहित था, जितना मैं। सैफ अली खान और सिद्धार्थ आनंद जैसे शानदार सह-कलाकार और निमार्ता के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा।

मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़नाः सामंथ

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएस) के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी सफलता की परिभाषा पर खुलकर बात की। इस कार्यक्रम के दौरान सामंथा ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह सामाजिक बंधनों से मुक्त होने और अपनी शर्तों पर जीवन जीने का नाम है। उन्होंने बताया कि कैसे समाज महिलाओं पर कुछ तय सीमाएं लागू कर देता है और यह बताने की कोशिश करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। सामंथा ने इस मानसिकता को चुनौती देने की बात की और कहा कि सफलता वही है जो समाज के बनाए दायरों को तोड़कर अपने सपनों को खुलकर जीने में मिले। अभिनेत्री ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना और खुद को सीमाओं से बाहर निकालना है। मैं किसी और से यह सुनने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं या नहीं। यह एहसास खुद के भीतर से आता है। सफलता किसी बॉक्स में बंद नहीं हो सकती। हमें यह तय करने का हक होना चाहिए कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। इस दौरान सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने अपने करियर में चुनौतियों का सामना किया और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ अपने सपनों को साकार किया। उन्होंने निमार्ता बनने के अपने फैसले को भी सशक्त कदम बताया और कहा कि इससे उन्हें सार्थक कहानियों को सामने लाने का अवसर मिलेगा। सिडनी फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने सामंथा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी यात्रा इस फेस्टिवल की सोच को पूरी तरह दशार्ती है। यह फेस्टिवल भी उन लोगों का मंच है जो अपनी मौलिकता, दृढ़ता और विविधता के लिए खड़े होते हैं। सामंथा का इसमें नेतृत्व करना गर्व की बात है। सामंथा की इस सोच को उनके फैंस और दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने हमेशा अपनी सोच और अभिनय से प्रेरणा दी है, और इस बार भी उन्होंने सफलता की एक नई और सशक्त परिभाषा दी है। बता दें कि सामंथा रुथ प्रभु अपनी बेबाक राय और विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह न केवल अपनी अदाकारी से बल्कि सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय से भी फैंस के बीच लोकप्रिय हैं।

सच्ची घटना पर आधारित एक्शन-थ्रिलर फिल्म है 'ग्राउंड जीरो'

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में फिल्म के निमार्ताओं ने 'ग्राउंड जीरो' का टीजर जारी किया, जिसमें अभिनेता इमरान हाशमी के दमदार डायलॉग्स और इंटेंस लुक ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित एक्शन-थ्रिलर है, जिसमें इमरान एक बीएसएफ अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। एक्सल एंटरटेनमेंट मूवीज ने इंस्टाग्राम पर टीजर साझा करते हुए लिखा, बहादुरी, बलिदान और एक मिशन जिसने सब कुछ बदल दिया। टीजर की शुरूआत एक आतंकवादी संगठन के धमकी भरे बयान से होती है, जिसमें कहा जाता है, हिंदुस्तान के वजीर-ए-आजम गौर से सुन लें, कश्मीर की आजादी, एक ही मकसद, जैश-ए-मोहम्मद इंसाफ करेगा। इसके जवाब में इमरान का किरदार दृढ़ संकल्प के साथ कहता है, बहुत हो गई पहरेदारी, अब इंसाफ होगा। टीजर के अंत में उनका एक और दमदार डायलॉग सामने आता है, केवल कश्मीर की जमीन हमारी है या कश्मीर के लोग भी हमारे हैं? यह संवाद फिल्म की कहानी के मूल भाव को दशार्ता है, जिसमें कश्मीर की सुरक्षा और वहां के लोगों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। टीजर के साथ ही इमरान हाशमी ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया, जिसमें वह एक संघर्षग्रस्त इलाके में हथियार लिए खड़े नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा है, तुझे यहां लाई तेरी मौत फौजी, कश्मीर का बदला लेगा गाजी। यह वाक्य फिल्म की कहानी की गंभीरता और इसके उच्च स्तर के एक्शन को दशार्ता है। फिल्म की कहानी 2001 में हुए भारतीय संसद हमले की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें इमरान हाशमी बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका में दिखेंगे, जो इस हमले के मास्टरमाइंड गाजी बाबा का पदार्फाश करने के मिशन पर हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में भारत के सबसे बड़े आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन को विस्तार से दिखाया जाएगा। तेजस देवस्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर कर रहे हैं।

जैस्मिन भसीन का ट्रोलर्स को करारा जवाब

टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन और एक्टर अली गोनी पिछले चार साल से साथ हैं। बिग बॉस 14 में करीब आने के बाद से दोनों के रिश्ते की चर्चा होती रहती है। हालांकि, अली गोनी के मुस्लिम होने की वजह से जैस्मिन को सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान जैस्मिन ने इस पर खुलकर बात की और ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। जैस्मिन ने कहा कि उन्हें कई बार सोशल मीडिया पर नफरत भरे कमेंट्स मिलते हैं, जो उन्हें गुस्सा दिलाते हैं। लेकिन जब वह ट्रोलर्स की प्रोफाइल देखती हैं, तो उनमें न तो नाम होता है और न ही तस्वीर। इसलिए वह अब इन चीजों को नजरअंदाज करना सीख गई हैं। अली संग रिश्ते पर धार्मिक भेदभाव वाले कमेंट्स पर जैस्मिन ने कहा, मुझे हंसी भी आती है कि दुनिया का एक हिस्सा इसे गलत मानता है और गंदे कमेंट्स करता है। लेकिन दूसरी ओर, एक बड़ा वर्ग है जो हमें प्यार और सपोर्ट करता है। जैस्मिन और अली की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है और दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हैं।

एक्शन से भरपूर होगी सनी देओल की 'जाट'

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'जाट' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इस फिल्म में बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सनी देओल और रणदीप हुड्डा प्रमुख भूमिका में है। इस बीच, रणदीप हुड्डा ने खुलासा किया कि सनी देओल ने उनकी फिटनेस यात्रा को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रणदीप हुड्डा ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए बताया कि सनी देओल के प्रतिष्ठित पोस्टरों ने उन्हें और उनके दोस्तों को जिम जाने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से सनी देओल का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। बड़े होते हुए, हमने उन्हें स्क्रीन पर जबरदस्त किरदार निभाते देखा। हमारे स्कूल के हॉस्टल में उनकी तस्वीरें लगी होती थीं, जिन्हें देखकर हम एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित होते थे। हुड्डा ने सनी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मैं बहुत उत्साहित था। मुझे यकीन था कि मैं सनी सर जैसे दिग्गज के साथ एक अल्ट्रा माचो एक्शन स्टार की भूमिका निभा रहा हूं। उनके साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। सनी देओल ने भी फिल्म की शुरूआत को लेकर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि 'गदर 2' की शूटिंग के दौरान ही 'जाट' की योजना बनी थी। उन्होंने कहा, हम इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित थे। कई निर्देशकों से मिलने के बाद आखिरकार गोपीचंद मलिनेनी ने इसे निर्देशित करने की सहमति दी। फिल्म 'जाट' में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि रणदीप हुड्डा एक खतरनाक खलनायक का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं।

कावेरी कपूर अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तैयार

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री कावेरी कपूर अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट मासूमः द नेक्स्ट जेनरेशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता, मशहूर फिल्मकार शेखर कपूर कर रहे हैं, जो इसे 1983 की अपनी क्लासिक फिल्म मासूम का सीक्वल बना रहे हैं। इस खबर से दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शेखर कपूर की मासूम भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित पारिवारिक फिल्मों में से एक रही है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी और सुप्रसिद्ध बाल कलाकार जुगल हंसराज नजर आए थे। फिल्म की भावनात्मक गहराई और पारिवारिक रिश्तों की जटिलता ने इसे एक एवरग्रीन क्लासिक बना दिया था। अब, मासूम 2 उसी संवेदनशीलता और गहराई को एक नए अंदाज में पेश करने का वादा कर रही है। कावेरी कपूर पहले ही फिल्म इंडस्ट्री में एक बहुआयामी कलाकार के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वह एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री भी हैं। उनके चार म्यूजिक वीडियो और पांच गाने रिलीज हो चुके हैं, जिनके जरिए उन्होंने अपनी संगीत प्रतिभा को साबित किया है। अब, मासूम 2 के साथ वह अपने अभिनय करियर को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसमें कावेरी को न केवल अपने पिता शेखर कपूर के निर्देशन में काम करने का मौका मिलेगा, बल्कि वह नसीरुद्दीन शाह और शबाना आजमी जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ भी स्क्रीन साझा करेंगी। यह उनके लिए सीखने और खुद को एक मजबूत अदाकारा के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर होगा। शेखर कपूर ने इस फिल्म को लेकर कहा, मासूम सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि भावनाओं का एक सफर था। अब ह्यमासूमः द नेक्स्ट जेनरेशनह्न के जरिए मैं उसी दुनिया को नई पीढ़ी के नजरिए से दिखाने जा रहा हूं। बता दें कि युवा अभिनेत्री कावेरी कपूर ने हाल ही में फिल्म ह्यबॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया।

कॉमेडियन स्वाति सचदेवा विवादों में घिरी

स्टैंड-अप कॉमेडियन स्वाति सचदेवा हाल ही में अपनी एक परफॉर्मेंस के चलते विवादों में घिर गई हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी मां को लेकर एक अश्लील मजाक करती नजर आ रही हैं। वीडियो में स्वाति कहती हैं, मेरी मां कूल मॉम बनने की कोशिश कर रही हैंङ्क उन्होंने मेरा वाइब्रेटर पकड़ लिया थाङ्क अब तो पक्का उधार मांगने वाली हैं। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, सोशल मीडिया पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कई यूजर्स ने इसे कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता करार दिया और स्वाति की कड़ी आलोचना की। एक यूजर ने लिखा, कॉमेडी के नाम पर बेहूदगी फैलाई जा रही है। दूसरे ने कहा, माता-पिता को इस तरह के मजाक में घसीटना बेहद शर्मनाक है। वहीं, कुछ ने दिल्ली पुलिस से इस पर संज्ञान लेने की मांग भी की। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया भी अपने यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में माता-पिता को लेकर की गई टिप्पणी के कारण विवादों में आए थे। अब स्वाति सचदेवा का यह मामला भी सोशल मीडिया पर गर्मा चुका है।

पहले हफ्ते में ही मोहनलाल की फिल्म 'L2: एम्पुरान' ने 50 करोड़ी क्लब में बनाई जगह

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म 'L2: एम्पुरान' की कमाई सलमान खान की 'सिकंदर' के रिलीज होते ही कुछ हद तक धीमी हो गई है। यह फिल्म27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही थी। इस फिल्म में मोहनलाल के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। हमेशा की तरह दोनों कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को दर्शकों और क्रिटिक्स से काफी सराहना मिल रही है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि "L2: एम्पुरान' बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बना पाएगी या 'सिकंदर' का जलवा इस पर भारी पड़ेगा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म "L2: एम्पुरान' ने रिलीज होने के चौथे दिन 14 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म ने मलयालम भाषा में 13 करोड़ रुपये, तेलुगु में 31 लाख रुपये, तमिल में 45 लाख रुपये, हिंदी में 20 लाख रुपये और कन्नड़ में 4 लाख रुपये कमाए। फिल्म का बजट 180 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। ऐसे में फिल्म को हिट होने के लिए अभी लंबा सफर तय करना होगा। अब देखना यह होगा कि क्या यह फिल्म आगे भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी रफ्तार बनाए रख पाएगी या सलमान खान की 'सिकंदर' इसका दबदबा कम कर देगी। मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर फिल्म "L2: एम्पुरान' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरूआत की है। फिल्म ने पहले दिन 21 करोड़ रुपये की जबरदस्त ओपनिंग की, जो मलयालम सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनिंग साबित हुई। फिल्म ने सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन में भी इतिहास रच दिया है। यह ब्रिटेन में सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है। "L2: एम्पुरान', 2019 में आई ब्लॉकबस्टर 'लूसिफर' का सीक्वल है और इसका निर्देशन पृथ्वीराज सुकुमारन ने किया है। फिल्म के भव्य एक्शन और मोहनलाल के दमदार अभिनय को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

सूडोकु नवताल- 7108

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7107 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्दजाल - 7855

ह	म	मा	प	र	वा	ना	न	ह	क	र
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज
ग	वी	रा	द	अं	था	त	र	ज	ल	टी.
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ
र	आ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	नो	न
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क
के	ह	बु	की	टी	म	मी	टे	न	सु	ही
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	ब	र	स
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त
वा	दा	म	ब	फा	दी	र	ह	ल	क	थ
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा

शब्दजाल में अमिषा पटेल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

गदर, हमराज, परवाना, सुनो ससुरजी, आप की खातीर, यह है जलवा, वादा, अनकही, तथास्तु, जमीर,

शब्दजाल - 7854 का हल

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	द्रो	ने	ह	क	म	म
बं	ना	आ	व	म	न	इ	क	भी	प	ज
वी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वी	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
त	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	ना	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6808

5		1		6		2
4	25	2	32		36	
			6	7		3
	31	3	42		33	
3	2	7		4	5	
	37		35	3	30	
2		6		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6807 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	33	2	32	2	28	7
1	5	7	6	4	2	3
6	33	5	42	3	31	6
3	2	4	6	7	5	1
7	27	3	35	5	40	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर हुए उस्मान खान

हैमिल्टन

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज उस्मान खान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण दूसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में पदार्पण करने वाले 29 वर्षीय उस्मान खान को नेपियर में खेले गए पहले वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी।

आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट में जानकारी दी गई कि मैच के बाद स्कैन रिपोर्ट में उनके हैमस्ट्रिंग में लो-ग्रेड टियर की पुष्टि हुई, जिसके चलते वह तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उस्मान खान को शुरुआत में पाकिस्तान की वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन टी20 सीरीज के समापन के बाद उन्हें टीम में शामिल किया गया। उन्होंने अपने पहले वनडे में 33 गेंदों पर 39 रन बनाए।

पहले वनडे में पाकिस्तान को 73 रनों से हार

पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रनों की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 344/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया। मार्क चैपमैन (100 रन) ने शानदार शतक जड़ा, जबकि डेरिल मिचेल (76 रन, 84 गेंद) और मुहम्मद अब्बास (52 रन, 26 गेंद) ने भी अहम पारियां खेलीं।पाकिस्तान की ओर से इरफान खान ने 5 ओवरों में 51 रन देकर 3 विकेट झटके। हारिस रऊफ (2/38), अकीफ जावेद (2/55), नसीम शाह (1/60) और मोहम्मद अली (1/53) ने भी विकेट चटकाए।

पाकिस्तान की पारी: बाबर आजम का अर्धशतक, लेकिन जीत नहीं दिला सके

345 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत अच्छी रही। अब्दुल्ला शफीक (36 रन, 49 गेंद) और उस्मान खान (39 रन, 33 गेंद) की सलामी जोड़ी ने 83 रनों की मजबूत साझेदारी की। हालांकि, 13वें ओवर में उस्मान खान के आउट होने के बाद पाकिस्तान दबाव में आ गया। बाबर आजम (78 रन, 83 गेंद) और सलमान आगा (58 रन, 48 गेंद) ने महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम 44.1 ओवरों में 271 रन पर ऑलआउट हो गई और 73 रन से मैच हार गई।

न्यूजीलैंड की ओर से नाथन स्मिथ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 8.1 ओवरों में 60 रन देकर 4 विकेट झटके। जैकब डफी (2/57), विलियम ओ'रूर्के (1/38), माइकल ब्रेसवेल (1/60) और मुहम्मद अब्बास (1/43) ने भी अच्छी गेंदबाजी की। तीन मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे बुधवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

घुटने की चोट से उबरने के बाद फिर से ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी सैम केर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला फुटबॉलर सैम केर को घुटने की चोट से उबरने के बाद फिर से राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने की मंजूरी मिल गई है। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया (एफए) ने सोमवार को पुष्टि की कि केर के खिलाफ कोई और अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। दरअसल, फरवरी में केर को दो साल पहले लंदन में एक नशे की घटना के दौरान ब्रिटिश पुलिस अधिकारी के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करने के आरोप से बरी कर दिया गया था। उन पर एक टैक्सी ड्राइवर के साथ विवाद के बाद पुलिस अधिकारी को मूर्ख और गोरा कहने का आरोप था। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें इस आरोप से मुक्त कर दिया। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया (एफए) ने 31 वर्षीय केर से मुलाकात के बाद कहा कि उनकी पेशेवरता और अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करने की ईमानदारी को देखते हुए कोई अतिरिक्त कार्रवाई की जरूरत नहीं है। एफए ने सोमवार को एक बयान में कहा, इन घटनाओं की पूरी समीक्षा के बाद, फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने निष्कर्ष निकाला कि केर ने अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से स्वीकार किया और ऑन-फील्ड और ऑफ-फील्ड गतिविधियों के प्रभाव को समझा इसलिए, उनके खिलाफ कोई और कार्रवाई नहीं की जाएगी। सैम केर ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि यह उनका सबसे अच्छा पल नहीं था और उन्होंने इस घटना पर गहरा खेद जताया। उन्होंने कहा, मैं इस घटना के कारण हुई परिस्थितियों के लिए अफसोस व्यक्त करना चाहती हूं। यह मेरे, मेरे परिवार, मेरे क्लब, मेरे साथियों और खासतौर पर उन प्रशंसकों के लिए एक बेहद कठिन समय था, जिनका समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा, मैं समझती हूं कि नेतृत्व का मतलब केवल मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाना होता है। मैं इस अनुभव से सीखने और आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। सैम केर ने पिछले 15 महीनों में कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है, क्योंकि उन्हें जनवरी 2023 में एसीएल चोट लगी थी।

भारतीय फुटबॉल को सुधारने के लिए इगोर स्टिमक ने बताए दो बड़े समाधान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल के विकास के लिए दो प्रमुख समाधानों का खुलासा किया, जिन पर उनके कार्यकाल से पहले भी चर्चा की गई थी।

स्टिमक ने यह बातें रेवस्पोर्ट्ज से बातचीत के दौरान साझा कीं। स्टिमक ने 2019 में इंग्लैंड के स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन की जगह भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला था। हालांकि, 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें पिछले साल जून में बर्खास्त कर दिया गया। लगभग एक साल बाद स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल के विकास के लिए सुझाए गए दो अहम प्रस्तावों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि पहला समाधान भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने का था, जबकि दूसरा राष्ट्रीय टीम को अधिक समय देने से जुड़ा था। स्टिमक ने कहा, मैं पहला व्यक्ति नहीं था जिसने भारतीय फुटबॉल को सुधारने के लिए भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने का सुझाव दिया। यह विचार मुझसे पहले भी, बॉब ह्यूटन के कोचिंग कार्यकाल के दौरान चर्चा में था। हमने दो समाधान सुझाए थे। पहला विदेशी मूल के भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में शामिल करना और खेल प्राधिकरणों को यह समझाना कि यदि हम एक सफल राष्ट्रीय टीम चाहते हैं, तो कानून में बदलाव करना जरूरी होगा।

आईपीएल 2025: पर्पल कैप और ऑरेंज कैप तालिका में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में रविवार को हुए दोहरे मुकाबलों के बाद पर्पल कैप और ऑरेंज कैप तालिका में बड़े बदलाव देखने को मिले। पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को शिकस्त दी। इसके बाद पर्पल कैप की दौड़ में नया नंबर 2 और 3 खिलाड़ी सामने आया। पर्पल कैप तालिका 1. नूर अहमद (सीएसके) - 9 विकेट (11 मैच) चेन्नई सुपर किंग्स के फिरकी गेंदबाज नूर अहमद ने 9 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में अपनी शीर्ष स्थिति बनाए रखी है। राजस्थान के खिलाफ चेन्नई की हार के बावजूद उन्होंने 2 विकेट (28 रन देकर) झटके और संजू सैमसन व ध्रुव जुरेल को आउट किया। बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने फिल सॉल्ट (32 रन) और विराट कोहली (31 रन) को पवेलियन भेजा, साथ ही लियाम लिविंगस्टोन का भी विकेट लिया।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में दीपक, उदित ने जीता रजत, दिनेश को कांस्य

अम्मान

भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपना तीसरा रजत पदक और कुल मिलाकर पांचवां पदक जीता, जबकि उदित को भी लगातार दूसरी बार उपविजेता रहकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए।

25 वर्षीय दीपक पुनिया पेरिस ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके थे, लेकिन उन्होंने 92 किग्रा वर्ग में दमदार वापसी की। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने किर्गिस्तान के बेकजात रखीमोव को कड़ी टक्कर देते हुए 12-7 से हराया। यह मुकाबला हाई-स्कोरिंग रहा,जिसमें दीपक ने शानदार दांव-पेंच दिखाए।

सेमीफाइनल में दीपक ने जापान के ताकाशी इशिगुरो को 8-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्वर्ण पदक मुकाबले में उन्हें ईरान के विश्व नंबर-1 अमीरोसैन बी. फिरोजपूरबंदपेई के खिलाफ करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच में दीपक शुरू से ही रक्षात्मक मुद्रा में दिखे। उन्होंने शुरुआती दो मिनट में कोई आक्रामक दांव नहीं लगाया और आउट ऑफ बाउंड होने के कारण पहला अंक गंवा दिया। इसके बाद ईरानी पहलवान ने कई टेकडाउन किए और तकनीकी श्रेष्ठता (टेक्निकल सुपीरियोरिटी) के आधार पर मुकाबला जीत लिया। दीपक इससे पहले 2021 (अल्माटी) और 2022 (उलानबातार) में भी रजत पदक जीत चुके थे, जबकि 2019 और 2020 में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

उदित ने 61 किग्रा वर्ग में भी शानदार खेल दिखाया। उन्होंने चीन के वनहाओ जू को 2-0 से हराया, जबकि क्वार्टरफाइनल में किर्गिस्तान के बेकबोलोत मिर्ज़ानज़र उलु को 9-6 से मात दी। स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना विश्व नंबर-1 तकारा सूदा (जापान) से हुआ। मैच की शुरुआत में सूदा ने तेजी से सिंगल लेग अटैक करते हुए उदित को मैट से बाहर धकेलकर अंक जुटाए। फिर उन्होंने उदित की दाहिनी टांग पर हमला कर दो अंकों का टेकडाउन किया। उदित ने भी लेग अटैक करने की कोशिश की, लेकिन सूदा ने हेडलॉक में फंसाकर उनकी चाल विफल कर दी। दूसरे राउंड में उदित ने

आक्रामक रणनीति अपनाई और दो बार सूदा के पैरों को पकड़ने में कामयाब रहे, लेकिन जापानी पहलवान ने जबरदस्त डिफेंस दिखाया और अंक नहीं गंवाए। अंततः उदित को 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

मुकुल दहिया कांस्य पदक जीतने से चूके

मुकुल दहिया (65 किग्रा) ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, लेकिन पदक जीतने से चूक गए। उन्होंने सिंगापुर के वेंग लुएन गैरी चाउ को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया और फिर किर्गिस्तान के विश्व नंबर-2 मुखम्मद अब्दुल्लाएव को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे। हालांकि, सेमीफाइनल में ईरान के विश्व नंबर-3 अबोलफज़ल वाई. रहमानी फिरूज़जई के खिलाफ उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक के मुकाबले में भी वह जापान के तात्सुया शिराई से 2-4 से हार गए।

का कांस्य पदक, जयदीप अहलावत बाहर

125 किग्रा वर्ग में भारत के दिनेश ने दमदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में चीन के बुहीएर्डुन को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। लेकिन सेमीफाइनल में मंगोलिया के लखागवागेरल मुनख्तूर से 1-5 से हार गए। कांस्य पदक के मुकाबले में उनका सामना तुर्कमेनिस्तान के साफारोव जियामुहम्मद से हुआ। पहले राउंड में 0-6 से पिछड़ने के बाद दिनेश ने जबरदस्त वापसी की और 14-12 से मुकाबला जीतकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

ब्राज़ील लीजेंड्स ने भारत ऑल-स्टार्स को 2-1 से हराया, चेन्नई में दिखा फुटबॉल का जादू

चेन्नई। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को फुटबॉल प्रेमियों को ब्राज़ीलियाई जादू देखने को मिला, जब 1994 और 2002 विश्व कप विजेता खिलाड़ियों समेत कई दिग्गज मैदान पर उतरे। इस प्रदर्शनी मैच में ब्राज़ील लीजेंड्स ने भारत ऑल-स्टार्स को 2-1 से मात दी। मैच के दोनों 35-35 मिनट के हाफ में कई सितारे चमके, जिनमें रोनाल्डिन्हो, रिवाल्डो और लूसियो जैसे ब्राज़ीलियाई दिग्गज शामिल थे। वहीं, भारत की टीम का नेतृत्व आईएम विजयन, मेहताब हुसैन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने किया। स्टेडियम में आमतौर पर चेन्नईयिन एफसी की नीली जर्सी में नजर आने वाले दर्शकों की भीड़ इस बार पीले रंग में रंगी दिखी, जो ब्राज़ील की फुटबॉल विरासत के प्रति भारतीय प्रशंसकों के प्रेम को दर्शा रही थी। मैच का रोमांचक विवरण मैच की शुरुआत से ही ब्राज़ीलियाई खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। पांचवें मिनट में रिवाल्डो ने बॉक्स के बाहर से एक जोरदार शॉट लगाया, जिसे भारतीय गोलकीपर शुभाशीष रॉय चौधरी ने शानदार तरीके से बाहर भेज दिया। रोनाल्डिन्हो पूरे मैच में आकर्षण का केंद्र बने रहे। हर बार जब वह गेंद को छूते, स्टेडियम में जोरदार शोर गूंज उठता। 23वें मिनट में ब्राज़ील को बढ़त बनाने का बेहतरीन मौका मिला, जब मार्सेलो फर्नांडो (कैमांडुकाइया) ने छह गज के दायरे में पास दिया, लेकिन रिकार्डो ओलिवेरा इसे नेट में डालने से चूक गए। पहले हाफ के अंत में भारतीय गोलकीपर चौधरी ने लगातार दो शानदार बचाव किए, जिससे नल्लप्पन मोहनराज और अल्वितो डी'कुन्हा की कोशिशें नाकाम रहीं। वहीं, हाफ-टाइम से ठीक पहले आईएम विजयन का फ्री-किक गोलपोस्ट के बेहद करीब से निकल गया। दूसरे हाफ का एक्शन 43वें मिनट में भारत को बढ़त बनाने का सुनहरा मौका मिला, जब बिबियानो फर्नांडिस ने अर्नब मोंडल को शानदार पास दिया। हालांकि, मोंडल ब्राज़ील के गोलकीपर ह्युरेल्हो गोम्स को छकाने में नाकाम रहे।

संजू सैमसन को विकेटकीपिंग की मंजूरी मिलने की उम्मीद, जल्द संभाल सकते हैं कप्तानी

नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के नियमित कप्तान संजू सैमसन विकेटकीपिंग के लिए पूर्ण मंजूरी लेने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे हैं। वह सोमवार को गुवाहाटी से बेंगलुरु पहुंचे, जहां वह बीसीसीआई के स्पोर्ट साइंस विंग में परीक्षण कराएंगे और शेष आईपीएल मैचों में विकेटकीपिंग की मंजूरी का अनुरोध करेंगे।

संजू सैमसन को दाएं हाथ की तर्जनी उंगली की सर्जरी के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की आंशिक और अस्थायी मंजूरी दी गई थी। इसी कारण, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को सौंप दी थी और टीम के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेले थे। सूत्रों के मुताबिक, उनकी उंगली की चोट अब पूरी तरह ठीक हो चुकी है और वह विकेटकीपिंग करने के लिए खुद को फिट महसूस कर रहे हैं।

अगर सैमसन को बीसीसीआई से मंजूरी मिल जाती है, तो वह टीम के अगले मुकाबले में कप्तानी की जिम्मेदारी भी वापस संभाल सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स का अगला मैच 5 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ होगा, जबकि 9 अप्रैल को टीम गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी।

इस सीजन में संजू सैमसन ने बतौर बल्लेबाज तीन मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 66 रन (सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ), 13 रन (कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ) और 20 रन (चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ) बनाए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाई।

राजस्थान रॉयल्स ने इस आईपीएल सीजन की शुरुआत दो लगातार हार के साथ की थी, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स को गुवाहाटी में हराकर उन्होंने जीत का खाता खोला।

बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हराया

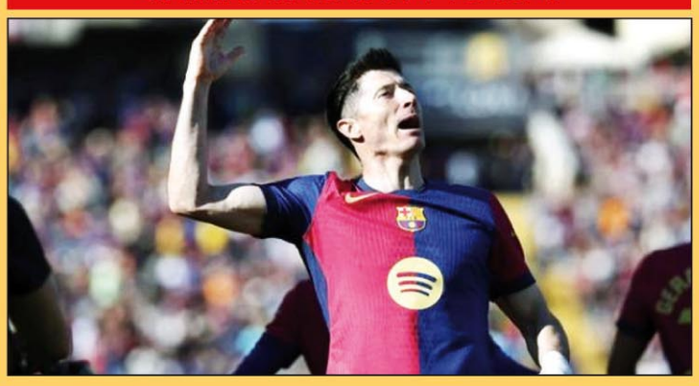

रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जिससे बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ला लीगा की तालिका में रियल मैड्रिड को हटाकर शीर्ष पर पहुंच गया और तीन अंकों की बढ़त बना ली। रविवार को हुए इस मुकाबले में रियल मैड्रिड ने लेगानेस को हराकर बार्सिलोना की बराबरी कर ली थी, लेकिन हैंसी फ्लिक की टीम ने ओलंपिक स्टेडियम में फिर से बढ़त हासिल कर ली। लेवांडोव्स्की ने मैड्रिड के स्टार किलियन एम्बाप्पे के दो गोलों का जवाब अपने दो गोल से दिया और स्पेनिश गोल्डन बूट की दौड़ में तीन गोल की बढ़त बनाए रखी। बार्सिलोना, जो इस साल 20 मैचों से अजेय है, ने पहला गोल पहले हाफ के अंत में लाडिस्लाव क्रेज़ी के आत्मघाती गोल से किया। गिरोना ने अर्नात डांजुमा के जरिए बराबरी की, लेकिन उसके बाद लेवांडोव्स्की के दो गोल और फेरान टोरेस के एक गोल ने टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

राजगीर करेगा हीरो एशिया कप की मेजबानी, हॉकी इंडिया और बिहार के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली

बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर अगले हीरो एशिया कप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बारे में सोमवार को हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह आयोजन भारत के खेल बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा और बिहार को एक उभरते हुए वैश्विक खेल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

यह राजगीर में आयोजित होने वाला दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। इससे पहले नवंबर 2024में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारत ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया था। हीरो एशिया कप का यह 12वां संस्करण होगा, जिसमें भारत, पाकिस्तान, जापान,

कोरिया, चीन और मलेशिया सहित कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। शेष दो टीमें एएचएफ कप क्वालीफायर के माध्यम से टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। इतिहास की बात करें तो दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में कुल 5 बार खिताब जीता है। भारत ने 2003, 2007 और 2017 में 3 बार यह टूर्नामेंट जीता है, जबकि पाकिस्तान ने 1982, 1985 और 1989 में 3 बार खिताब अपने नाम किया है।

हीरो एशिया कप इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। यह विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स में आयोजित होगा। एशिया कप का विजेता सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और भी बढ़ जाएगा। बिहार खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र ने कहा, यह समझौता बिहार को एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है, और हम इसके सफल आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। नया राजगीर हॉकी स्टेडियम बिहार में बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे का प्रतीक है। हमें खुशी है कि हम एशिया की शीर्ष टीमों की मेजबानी करेंगे, और यह आयोजन बिहार के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा। मैं हॉकी इंडिया और एशियाई हॉकी महासंघ (.।स्न) को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और एक विश्वस्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करने को लेकर उत्साहित हूं। एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष डाटो फुमियो ओगुरा ने कहा, हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 एशियाई हॉकी के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण होगा।

विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे 10 युवा भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली

भारत की दस सदस्यीय मुक्केबाजी टीम वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 में भाग लेने के लिए तैयार है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज रात से ब्राजील के फोज दो इगुआसू में शुरू हो रहा है।

इस वर्ष के पहले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में 19 विभिन्न देशों के 130 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें कई ओलंपियन भी शामिल हैं, हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता रफेन पैलेस होटल और कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की जाएगी। प्रतिभागी देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीनी ताइपे, फ्रांस, इंग्लैंड, जर्मनी, ग्वाटेमाला, भारत, इटली, कजाकिस्तान, नॉर्वे, पनामा, पोलैंड, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, उज्बेकिस्तान और वेल्स शामिल हैं।

इस टूर्नामेंट में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के मुकाबले होंगे, लेकिन भारतीय टीम केवल पुरुषों की 10 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेगी।

भारत की ओर से 85 किग्रा में जुगनू को छोड़कर बाकी सभी मुक्केबाजों ने इस साल जनवरी में बरेली में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने-अपने भार वर्ग में जीत दर्ज कर टीम में जगह बनाई है। जुगनू फाइनल में सुमित से हार गए थे, लेकिन राष्ट्रीय चैंपियन की अनुपलब्धता के कारण उन्हें टीम में शामिल किया गया। भारत की टीम में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र सबसे अनुभवी और चर्चित मुक्केबाज हैं।

हालांकि, इस प्रतियोगिता में भारत की महिला टीम हिस्सा नहीं लेगी, क्योंकि महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप कई बार स्थगित होने के बाद पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में आयोजित की गई थी,

जिसके चलते महिला टीम को इस टूर्नामेंट में भेजना संभव नहीं हो सका। भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी धर्मेंद्र सिंह यादव को सौंपी गई है।

ब्राजील में होने वाला यह टूर्नामेंट इस साल के तीन वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में से पहला है। इसके बाद कजाकिस्तान (जून-जुलाई) और भारत (नवंबर) में दो अन्य विश्व कप आयोजित किए जाएंगे। हर टूर्नामेंट में रैंकिंग पॉइंट्स दिए जाएंगे और शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाज वर्ष के अंत में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करेंगे।

भारत की टीम - वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025

- 50 किग्रा: जदुमणि सिंह मंदेंगबम
- 55 किग्रा: मनीष राठौर
- 60 किग्रा: सचिन
- 65 किग्रा: अभिनाश जम्वाल
- 70 किग्रा: हितेश
- 75 किग्रा: निखिल दुबे
- 80 किग्रा: लक्ष्य चाहर
- 85 किग्रा: जुगनू
- 90 किग्रा: विशाल
- 90+ किग्रा: नरेंद्र

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 - भारतीय मुक्केबाजों का शेड्यूल

- 31 मार्च से 3 अप्रैल: प्रारंभिक दौर से क्वार्टर फाइनल - रात 10:30 बजे (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) से
- 4 अप्रैल: सेमीफाइनल - रात 11:30 बजे (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) से
- 5 अप्रैल: फाइनल - रात 10:30 बजे (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) से

भारत की इस युवा टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है और यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय मुक्केबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन अवसर देगा।

সত্যমেব জয়তে

অসম চৰকাৰ

কৃষি বিভাগ

কৃষকৰ আয় বৃদ্ধিৰ বাবে এক অভিনৱ পদক্ষেপ

ড° হিমন্ত বিশ্ব শৰ্মা
মুখ্যমন্ত্ৰী, অসম

"কৃষিৰ জৰিয়তে অসমৰ অৰ্থনীতিয়ে এখন নতুন আকাশ স্পৰ্শ কৰাৰ দিশত ধাৱমান হৈছে। ইয়াৰ দ্বাৰা বিকাশৰ এক নতুন পৰিৱেশ নিৰ্মাণ হৈছে।"

১ এপ্ৰিল ২০২৫ৰ পৰা ৰাজ্য চৰকাৰে প্ৰদান কৰিব অতিৰিক্ত মূল্য

- সংগৃহীত ধানৰ ক্ষেত্ৰত – ২৫০ টকা (প্ৰতি কুইণ্টলত)
- সংগৃহীত সৰিয়হৰ ক্ষেত্ৰত – ৫০০ টকা (প্ৰতি কুইণ্টলত)

শস্য	কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ পূৰ্বনিৰ্ধাৰিত ন্যূনতম সমৰ্থন মূল্য (টকা)	১ এপ্ৰিল ২০২৫ৰ পৰা ন্যূনতম সমৰ্থন মূল্য (টকা)
ধান	২,৩০০	২,৩০০ + ২৫০ = ২,৫৫০
সৰিয়হ	৫,৯৫০	৫,৯৫০ + ৫০০ = ৬,৪৫০

এই অতিৰিক্ত মূল্য লাভ কৰিবলৈ খেতিয়কসকলক চৰকাৰৰ নিৰ্ধাৰিত ধান,সৰিয়হ সংগ্ৰহ কেন্দ্ৰতহে তেওঁলোকৰ উৎপাদিত শস্য বিক্ৰী কৰাৰ বাবে অনুৰোধ জনোৱা হ'ল

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

অসম বাৰ্তা ছাবস্ক্ৰাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক

-- Janasanyog/D/14292/24/1-Apr-25